महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में नहीं होता भेदभाव
- 12

देश को अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल
- 12

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए
- 13

हार्दिक पंड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा- 14

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.58

सूर्यास्त 06.02

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया उपरांत 07:06 चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 44, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

रेलवे के 10.9 लाख कर्मचारियों को दिवाली बोनस, छह प्रोजेक्ट मंजूर

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में हुए फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों को दिवाली बोनस समेत 94,916 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। जिसमें बिहार में रेलवे दोहरीकरण, फोर लोन सड़क निर्माण, जहाज निर्माण एवं समुद्री विकास, सीएसआईआर योजना के अलावा चिकित्सकीय शिक्षा का विस्तार शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 10.9 लाख रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दी है।

सरकार की ओर से कहा गया कि कुल बोनस राशि 1,886 करोड़ रुपये है। यह बोनस 10,91,146 रेलवे कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए स्वीकृत किया गया है। पात्र रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा और दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से 10.9 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार हेतु रेल कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में पीएलबी भुगतान किया जाता है।

प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर अधिकतम देय पीएलबी राशि 17 हजार 951 रुपये है। यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेन्टेनर, ट्रेन चालक, ट्रेन प्रबंधक (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, पॉइंट्समैन, मंत्रालय में तैनात कर्मचारियों और ग्रुप-सी के अन्य कर्मचारियों को दी जाएगी।

जहाज निर्माण, समुद्री विकास को 69,725 करोड़

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में जहाज निर्माण और समुद्री वहन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी। यह पहल रोजगार सृजन और निवेश को प्रोत्साहन देने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को लचीला बनाने में भी मददगार होगी। इस पैकेज को चार स्तंभों पर आधारित किया गया है। इसके तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा, नई एवं पुरानी जहाज निर्माण परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहन, तकनीकी क्षमताओं एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ नीतिगत सुधार भी लागू किए जाएंगे।

एमबीबीएस और पीजी में सीटों को बढ़ाने पर मुहर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मौजूदा केंद्रीय और राज्य सरकार के चिकित्सा महाविद्यालयों को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए 5,000 स्नातकोत्तर (पीजी) सीट बढ़ाने की योजना के तीसरे चरण को बुधवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने मौजूदा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को उन्नत करने के वास्ते 5,023 एमबीबीएस सीट बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजना के विस्तार को भी मंजूरी दी गई। इस पहल से स्नातक चिकित्सा क्षमता में वृद्धि होगी, अतिरिक्त स्नातकोत्तर सीट सृजित करके विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी।

सीएसआईआर की 2,277 करोड़ की योजना स्वीकृत

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के लिए 2,277 करोड़ रुपये की एक व्यापक योजना को मंजूरी दी और यात्रा एवं संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान को साझा करने को बढ़ावा दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में, 15वें वित्त आयोग के चक्र 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,277 .397 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास को मंजूरी दी गई।

लेह में प्रदर्शनकारियों-सुरक्षाकर्मियों में झड़प, 4 की मौत और 30 घायल

राज्य का दर्जा मांग रहे लोगों ने भाजपा कार्यालय में लगाई आग

लेह, एजेंसी

लद्दाख के लेह शहर में बुधवार को लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा प्रायोजित बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने हिंसा की, भाजपा कार्यालय में आग लगा दी तथा कई वाहनों पर हमला किया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को गोलीबारी करनी पड़ी। लद्दाख की राजधानी लेह में पूर्ण बंद के बीच आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता था। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने पांच या इससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि झड़पों में चार लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की गोलीबारी में चार लोग मारे गए। राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग के समर्थन में 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की मंगलवार शाम हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके बाद लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

संविधान की छठी अनुसूची शासन, राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, स्थानीय निकायों के प्रकार, वैकल्पिक न्यायिक तंत्र और स्वायत्त परिषदों के माध्यम से प्रयोग की जाने वाली वित्तीय शक्तियों के संदर्भ में विशेष प्रावधान करती है। छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम की जनजातीय आबादी के लिए है।

- स्थिति संभालने को पुलिस ने की फायरिंग, निषेधाज्ञा लागू

लेह स्थित भाजपा कार्यालय में आग लगाए जाने के बाद निकलता धुंआ।

सोनम वांगचुक ने हड़ताल वापस ली

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को वापस ले ली। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय और कई वाहनों में आग लगा दी और सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। वांगचुक ने आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में एकत्र अपने समर्थकों से कहा कि मैं लद्दाख के युवाओं से हिंसा तुरंत रोकने का अनुरोध करता हूं क्योंकि इससे हमारे उद्देश्य को नुकसान पहुंचता है तथा स्थिति और बिगड़ती है। हम लद्दाख और देश में अस्थिरता नहीं चाहते। झड़पें तेज हुईं तो वांगचुक ने एक्स हैंडल पर एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें युवाओं से हिंसा रोकने की अपील की।

ब्रीफ न्यूज

कन्नड़ उपन्यासकार भैरप्पा का निधन

बेंगलुरु। लोकप्रिय कन्नड़ उपन्यासकार एवं दार्शनिक एसएल भैरप्पा का बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। राष्ट्रोत्थान अस्पताल ने कहा कि महान भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक, पद्म श्री, पद्मभूषण और सरस्वती सम्मान से सम्मानित एसएल भैरप्पा को आज अपराह्न 2:38 बजे दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। भैरप्पा लोकप्रिय उपन्यासों वंशवृक्ष, दातू, पर्व, मंदरा आदि के लिए जाने जाते हैं।

71 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 71 माओवादियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें से 30 नक्सलियों पर कुल 64 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बस्तर संभाग में चलाए जा रहे आत्मसमर्पण तथा पुनर्वास अभियान पूना मारगेम और दंतेवाड़ा जिले में चलाए जा रहे लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर कुल 64 लाख रुपये के 30 इनामी माओवादियों सहित 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

दो साइबर अपराधी पकड़े, 10 लाख बरामद

जामताड़ा। झारखंड के जामताड़ा में करमाटांड़ थाना क्षेत्र के सामुकपोखर और राजाबांध गांव में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो बड़े साइबर अपराधियों को 9 लाख 91 हजार रुपए नकद के साथ गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से 2 लैपटॉप, 5 मोबाइल, 6 सिम कार्ड और 6 एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि गिरफ्तार रितेश कुमार मंडल और पवन मंडल मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार, आंध्र प्रदेश और असम के लोगों को टारगेट कर साइबर अपराध को अंजाम देते थे।

अंतर्राज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार सुबह एक अंतर्राज्यीय अवैध हथियार एवं गोली-कारतूस का गैर कानूनी कारोबार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर उत्तर प्रदेश में हथियार बनाने वाली एक निर्माण इकाई का पता लगाया। उन्होंने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ द्वारा चलाए गए अभियान में राज्य की सीमाओं के पार हथियार और कारतूस की आपूर्ति करने में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न, धर्मगुरु पर मामला दर्ज

- दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान का संचालक रहा है चैतन्यानंद

नई दिल्ली, एजेंसी

कभी प्रतिष्ठित धार्मिक संगठन से जुड़े रहे एक स्वयंभू धर्मगुरु पर यहां एक प्रबंधन संस्थान की कई छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी फरार है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में संचालक था। पुलिस को संस्थान से नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली वोल्वो कार भी मिली, जिसका इस्तेमाल सरस्वती करता था। उसके खिलाफ 2009 में डिफेंस कॉलोनी थाने में धोखाधड़ी और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था, जबकि 2016 में वसंत कुंज थाने में छेड़छाड़ की एक और शिकायत दर्ज की गई थी। ताजा मामले में शिकायत चार अगस्त को वसंत कुंज उत्तर थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस ने श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में पीजीडीएम कर रही 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए। इनमें से 17 ने आरोप लगाया कि सरस्वती ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, अश्लील संदेश भेजे। संस्थान में कार्यरत तीन महिलाओं पर छात्राओं पर उसकी मांगें मानने के लिए दबाव डालने का आरोप है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और बाद में 16 पीड़ितों ने मजिस्ट्रेट के सामने गवाही दी।

लुक आउट नोटिस जारी, पांच राज्यों में छापेमारी

दिल्ली पुलिस स्वामी चैतन्यानंद की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया गया है, ताकि वह देश छोड़कर भाग न सके। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में पुलिस की टीमें बाबा की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। यह कार्रवाई पीड़ित छात्राओं के गंभीर आरोपों के बाद शुरू की गई है। छात्राओं का कहना है कि चैतन्यानंद उन्हें नंबर कम करने और फेल करने की धमकी देकर अपने कमरे में बुलाता था। जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी ने खुद को चैतन्यानंद सरस्वती से अलग कर लिया है। इससे पहले सरस्वती इसी पीठ से जुड़ा था।

सीबीएसई कक्षा 10 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से होंगी

नई दिल्ली। सीबीएसई अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बोर्ड ने महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए अस्थायी डेटशीट की घोषणा की। यह पहली बार है कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि पहला संस्करण 17 फरवरी से छह मार्च, 2026 तक जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से नौ अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने दी बाजार को ताकत : मुख्यमंत्री

लखनऊ के हजरतगंज में बुधवार को एक दुकान पर स्टिकर लगाते मुख्यमंत्री योगी।

- योगी बोले, जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी मुक्त, नोटबुक-पेंसिल पर शून्य कर
- ज्यादातर घरेलू सामान पर कर घटाकर किया गया शून्य या पांच प्रतिशत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जीएसटी सुधार से सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश के व्यापारियों, ग्राहकों को मिलने जा रहा है। इस घोषणा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुए नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने बाजार में नई ऊर्जा भर दी है। योगी ने बताया कि जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी से मुक्त कर दी गई हैं, वहीं नोटबुक-पेंसिल पर जीएसटी शून्य हो जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई भी सस्ती हुई है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर के पास पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घटे जीएसटी दरों से आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों को बड़ा लाभ मिल रहा है। इस सुधार ने जहां उपभोक्ताओं को राहत दी है, वहीं बाजार की मजबूती और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्रियों को जीरो या पांच प्रतिशत के दायरे में लाया गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, बाजार में खपत बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि हुई है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। मुख्यमंत्री ने हजरतगंज मार्केट में व्यापारियों और उपभोक्ताओं से मुलाकात की। जीएसटी सुधार से संबंधित पंपलेट और बैनर वितरित किए।

देश का जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

मुख्यमंत्री के अनुसार, यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है और इस सुधार से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद देश का कलेक्शन सात लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। जबकि यूपी में यह 49 हजार करोड़ से 1.15 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुका है।

निवेश, नवाचार और संस्कृति के महाकुंभ का आज होगा आगाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे यूपीआईटीएस की शुरुआत
- 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार आने की उम्मीद

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के तीसरे संस्करण की शुरुआत करेंगे। 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपीआईटीएस में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि, सांस्कृतिक और नवाचार क्षमताओं का भव्य प्रदर्शन होगा। इस मेगा आयोजन का उद्देश्य केवल निवेश और व्यापार को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर स्थापित करना और युवाओं, उद्यमियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए फ्यूचर-रेडी प्लेटफॉर्म तैयार करना भी है।

इस बार 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार और 5 लाख से अधिक विजिटर्स के आने की उम्मीद है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पवेलियन 343 स्टॉल्स के माध्यम से हर जिले के सिग्नेचर प्रोडक्ट्स को पेश करेगा। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, मुरादाबाद का मेटलवेयर और सहारनपुर की नक्काशी जैसे उत्पाद लोकल से ग्लोबल की यात्रा को नई दिशा देंगे। यूपीआईटीएस में न केवल व्यापार का मंच होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी जीवंत प्रदर्शन करेगा। आगंतुक भोजपुरी, अवधी, बुंदेली और थारू लोक परंपराओं के रंगीन प्रदर्शन के साथ सूफी गायन, कथक नृत्य और सुगम संगीत का भी आनंद लेंगे।

रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग से मिलेंगे नए अवसर

इस बार रूस आयोजन के साथ बतौर पार्टनर कंट्री सम्मिलित हो रहा है। 26 सितंबर को रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत और रूस के उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, शिक्षा क्षेत्र और सरकारी नीति-निर्माताओं के लिए साझा मंच उपलब्ध होगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग, तकनीकी साझेदारी और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करने का यह अवसर उत्तर प्रदेश के उद्योगों और कारोबारियों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा।

उसी दिन सुनवाई तब, जब मामला फांसी का हो

- मामले तत्काल सूचीबद्ध करने की अपीलों पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि वह उस समय तक किसी मामले को उसी दिन तत्काल सूचीबद्ध करने का आदेश नहीं देंगे, जब तक कि किसी को फांसी न दी जा रही हो। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या कोई न्यायाधीशों की स्थिति समझता है और यह जानता है कि वे कितने घंटे काम करते हैं तथा कितने घंटे सो पाते हैं।

न्यायमूर्ति कांत उस पीठ का नेतृत्व कर रहे थे, जो तत्काल सुनवाई के लिए मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही थी। पीठ में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह भी शामिल थे। सीजेआई बीआर गवई आमतौर पर ऐसे मामलों की सुनवाई करते हैं। वह पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ में बैठते हैं। उनके उपलब्ध न होने पर दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश मामलों को सूचीबद्ध करने पर सुनवाई करते हैं। न्यायमूर्ति कांत ने यह टिप्पणी उस समय की, जब अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने उल्लेख किया कि राजस्थान में एक आवासीय मकान की आज नीलामी होगी और इसलिए मामले को आज ही सूचीबद्ध किया जाए। इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि जब तक किसी को फांसी नहीं होने वाली हो, मैं किसी भी मामले को उसी दिन सूचीबद्ध नहीं करूंगा।

ईडी के समक्ष पेश हुए अभिनेता सोनू सूद

नई दिल्ली। अभिनेता सोनू सूद प्रतिबंधित ऑनलाइन एप 1एक्सबेट से जुड़े धन शोधन मामले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी का विशेष दल अभिनेता से पूछताछ कर रहा है और यह पूछताछ सात-आठ घंटों तक चल सकती है। इसी मामले में कल पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और गंदी बात वेब सीरिज की अभिनेत्री अन्वेशी जैन से भी पूछताछ की गई थी। एजेंसी ने अब तक पूछताछ के लिए कई मशहूर हस्तियों को तलब किया है। एजेंसी ने बंगाली अभिनेता अंकुश हजारा से पूछताछ की थी।

- सट्टेबाजी एप मामले में एजेंसी ने की पूछताछ

ऐतिहासिक शोध

आईआईटी रुड़की ने किया अमृता विश्व विद्यापीठम एवं स्वीडन के उप्साला विवि के साथ अध्ययन

केदारनाथ-रामेश्वरम तक 8 शिवालय एक ही अक्ष रेखा पर स्थित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- पुरातन सभ्यताओं को रही है प्रकृति और स्थायित्व की गहरी समझ

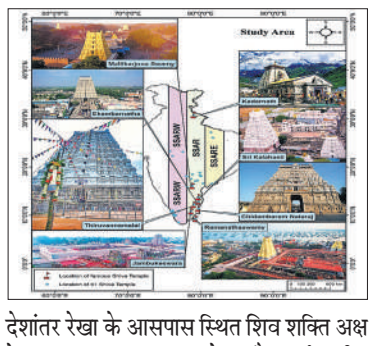

अमृत विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक विश्लेषण को जोड़ते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) रुड़की के शोधकर्ताओं ने अमृता विश्व विद्यापीठम (भारत) एवं उप्साला विश्वविद्यालय (स्वीडन) के सहयोग से ऐतिहासिक अध्ययन किया है। इसमें पाया गया कि देश भर के आठ प्रमुख शिव मंदिरों का स्थान न केवल गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि जल, ऊर्जा और खाद्य उत्पादकता के उच्च केंद्रों से भी मेल खाता है।

ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज कम्युनिकेशंस (नेचर पोर्टफोलियो) में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, केदारनाथ (उत्तराखंड) से लेकर रामेश्वरम (तमिलनाडु) तक ये मंदिर 79 पूर्वी देशांतर रेखा के आसपास स्थित शिव शक्ति अक्ष रेखा पर पाए गए। उपग्रह डेटा और पर्यावरणीय विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि यह संरेखण जल संसाधन उपलब्धता, कृषि उपज और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समृद्ध क्षेत्रों में हैं।

आस्था स्थल ही नहीं, पंचभूत के प्रतीक

अध्ययन में बताया गया कि ये मंदिर केवल आस्था स्थल ही नहीं बल्कि पंचतत्वों (पंचभूत) के प्रतीक और संसाधन नियोजन के सभ्यतागत संकेतक भी रहे होंगे। प्रमुख लेखक भाबेश दास ने कहा कि प्राचीन मंदिर निर्माता पर्यावरण योजनाकार भी थे, जिनके निर्णय भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों की गहरी समझ से प्रेरित थे।

विरासत और जलवायु के बीच बने सेतु

सह-अन्वेषक प्रो. थंगा राज चेलिया ने इसे एक उल्लेखनीय अंत:विषय सहयोग बताया, जो विरासत और जलवायु लचीलेपन के बीच सेतु का काम करता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, यह निष्कर्ष दर्शाते हैं कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर में रणनीतिक पर्यावरणीय अंतर्दृष्टि निहित है, जिसे आज सतत विकास और जलवायु चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए पुन: लागू किया जा सकता है।

मुख्य अन्वेषक प्रो. के.एस. काशीविश्वनाथन (डब्ल्यूआरडीएम विभाग, आईआईटी रुड़की) ने कहा कि यह शोध दर्शाता है कि प्राचीन भारतीय सभ्यताओं को प्रकृति एवं स्थायित्व की गहरी समझ रही होगी, जिसने मंदिर निर्माण के स्थान चयन में मार्गदर्शन दिया। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि यह अध्ययन इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जापान टूरिज्म एक्सपो में भागीदारी करेगा यूपी

अमृत विचार, लखनऊ : जापान के टोकोनामे शहर में गुरुवार से शुरू होने वाले जापान टूरिज्म एक्सपो 2025 में प्रदेश की बौद्ध विरासत, प्रमुख तीर्थ स्थल, व्यंजन और हस्तशिल्प आदि दिखेंगे। यूपी पर्यटन, पवेलियन एक्सपो में आगंतुकों को राज्य की सांस्कृतिक विविधिता और धार्मिक विरासत से अवगत कराएगा। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को जारी बयान में दी। उन्होंने बताया कि टोकोनामे शहर स्थित आइची स्काई एक्सपो में 25 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा। जापान में बौद्ध धर्मावलंबी बहुतायत हैं। ऐसे आयोजनों से प्रदेश की आध्यात्मिक पर्यटन को विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस आयोजन में उप्र .से वरिष्ठ अधिकारी और पर्यटन उद्योग के साझेदार आदि का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

निजीकरण की गोपनीय योजना का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केन्द्रीय पदाधिकारियों का आरोप है कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन, केंद्रीय विद्युत मंत्रालय और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के साथ मिलकर ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण की गोपनीय योजना तैयार कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि निकट भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की तैयारी शुरू की जाएगी। संघर्ष समिति ने जानकारी साझा की कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन के निदेशक जनरल आलोक कुमार ने 9 सितंबर देश के सभी ऊर्जा निगमों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों को एक पत्र भेजा है। इस बीच ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि फेडरेशन और नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी आफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स इस मामले को केंद्रीय विद्युत मंत्री के सामने शीघ्र रखेगी।

पीडीए की जनचेतना पूरे देश में फैली : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि उप्र . से जन्मी पीडीए की जनचेतना अब पूरे देश के 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' समाज के लिए अपने सम्मान, अधिकार, आरक्षण, पिछड़ेपन के दंश व दमित स्तर से उबरने के लिए संघर्ष की नयी आवाज़ बन गयी है। जो लोग जहां भी संख्या में कम हैं, वो भी जान गये हैं कि एकजुटता की शक्ति ही उनकी संख्या की कमी की क्षतिपूर्ति करने में सक्षम होगी। सपा प्रमुख ने जारी बयान में कहा कि पीडीए उन अंतिम लोगों के स्वाभिमान-स्वमान के नवजागरण का नाम है, जिनके हिस्से ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा और उत्पीड़न ही आया है। इसीलिए 'जो पीड़ित वो पीडीए' के सैद्धांतिक सूत्र से एक-सूत्र हुए पीडीए समाज ने एक साथ मिलकर अब ये संकल्प उठाया है कि पीडीए का परचम पूरे देश में लहराएंगे।

सरकारी अस्पतालों में अपग्रेड हुई सेवाएं : ब्रजेश पाठक

500 करोड़ की लागत वाली 84 स्वास्थ्य इकाइयों का उप मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण व शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि वर्ष 2017 के बाद से हमारी सरकार ने सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनें स्थापित कर अपग्रेड किया है। चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ सभी अस्पतालों में मैन पावर की संख्या बढ़ी है।

उप मुख्यमंत्री बुधवार को इंदिरा नगर स्थित राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (ट्रेनिंग सेंटर) में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 500 करोड़ रुपये मूल्य की 84 नवीन स्वास्थ्य इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

इन जिलों में हुआ शिलान्यास एवं लोकार्पण : लखनऊ, गोरखपुर, आगरा, गाजीपुर, कौशाम्बी, बस्ती, मुजफ्फर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, गोंडा, बागपथ, बलरामपुर, हाथरस, बदायूं, जालौन, एटा, मऊ, बलिया, भदोही, कानपुर नगर, मिर्जापुर, श्रावस्ती, बहराइच, रामपुर, बिजनौर, संभल, चंदौसी, कुशीनगर, महाराजगंज, अमरोहा, गाजीपुर, फतेहपुर, संतकबीर नगर, प्रतापगढ़, सीतापुर, आजमगढ़, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, अम्बेडकर नगर, अमेठी, सुल्तानपुर, उन्नाव, कानपुर देहात, बांदा, सिद्धार्थ नगर, शामली, हापुड़, रायबरेली, जौनपुर, मथुरा, मैनपुरी।

31 अस्पतालों में स्थापित होंगे आधुनिक उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को उच्चीकृत किया जा रहा है, उक्त क्रम में ही प्रदेश के 31 अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए 10 .74 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्तूपनुमा भवन बनाकर रखे जाएं बुद्ध के अवशेष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कपिलवस्तु के पिपरहवा में भवन बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सिद्धार्थनगर स्थित पिपरहवा (कपिलवस्तु) में भगवान बुद्ध की अस्थि मंजूषा एवं अन्य अवशेषों को संरक्षित करने के लिए एक स्तूपनुमा भवन बनाए जाने का अनुरोध किया है। साथ ही अवगत कराया कि इस कार्य के लिए भूमि उपलब्ध है।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि पिपरहवा वही स्थान है, जहां 1898 में ब्रिटिश इंजीनियर क्लैक्स्टन पेप्पे को उत्खनन के दौरान बुद्ध के अवशेष, बहुमूल्य रत्न एवं पालि भाषा में लिखी स्वर्ण पटिका प्राप्त हुई थी। यह रत्न भंडार हाल ही में हांगकांग की नीलामी से भारत लाया गया है। उन्होंने कहा कि यहां स्तूपनुमा भवन बनने से न केवल देश-विदेश से बौद्ध श्रद्धालु आकर्षित होंगे बल्कि स्थानीय पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। बुद्ध कपिलवस्तु में पले-बढ़े और अपने जीवन के पहले 29 वर्ष यहीं रहे।

दीवाली से पहले ही मिलेगा छात्रवृत्ति का तोहफा

फरवरी-मार्च की जगह अब सितंबर माह में ही होगा वितरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कल लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी करेंगे 4 लाख से अधिक छात्र छात्राओं को लाभान्वित

अमृत विचार : राज्य सरकार ने इस वर्ष एक नयी पहल करते हुए छात्रवृत्ति समय से पहले देने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में प्रदेश के 4 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी की जाएगी।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पूर्व में छात्रवृत्ति फरवरी-मार्च माह में दी जाती थी, जबकि अब इसे नवरात्र और सितंबर माह में वितरित किया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राएं इसका लाभ समय पर उठा सकें। यह छात्र-छात्राओं के लिए एक तरह से दीपावली का गिफ्ट भी होगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लगभग 59 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक हो जाएगी। सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि छात्रों को समय से पूर्व छात्रवृत्ति मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मार्गदर्शन लेकर पिछड़ा वर्ग कल्याण, समाज कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर व्यापक रणनीति बनाई। यही कारण है कि इस बार छात्रवृत्ति का लाभ छात्रों तक नवरात्र के पावन अवसर पर पहुंचेगा।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव गोंड और अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी मौजूद रहेंगे।

मानसून की विदाई की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश से मानसून अब धीरे-धीरे विदा होने की ओर है। बिहार से सटे कुछ जिलों में बुधवार को हल्की बूंदाबांदी हुई है। लखनऊ में दो दिन बाद बूंदाबांदी की संभावना जताई जा रही है। राजधानी में आज का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है, वहीं न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश ने बताया है कि दक्षिण पश्चिम मानसून की बुधवार से वापसी की शुरुआत हो गई है। यानी कि प्रदेश के पश्चिमी भाग से मानसून वापस जा चुका है। उन्होंने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून ने 17 सितंबर की अपनी सामान्य तिथि के सापेक्ष तीन दिन पूर्व 14 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान से वापसी शुरू कर दी थी। बुधवार को पंजाब, हरियाणा,चंडीगढ़, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों समेत उत्तर प्रदेश के भी कुछ हिस्सों से मानसून वापस लौट गया है, लेकिन बिहार से सटे जिलों में बुधवार को बूंदाबांदी हुई है।

शिशु बुद्धि से जीएसटी सुधार नहीं समझा जा सकता : सुधांशु त्रिवेदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में पत्रकारों को जानकारी देते भाजपा प्रवक्ता व सांसद सुधांशु त्रिवेदी।

- कहा- यह कदम किसी तात्कालिक राजनीति निर्णय का नतीजा नहीं बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने जीएसटी रिफार्म फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए विपक्ष पर यह कह कर कटाक्ष किया कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम किसी तात्कालिक राजनीति निर्णय का नतीजा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा है।

बुधवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफार्म को अमल में लाकर आम उपभोक्ताओं मध्यमवर्गी लोगों, व्यापारियों और राष्ट्र के हितों को सुरक्षित किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और आमजन का हितैषी बनाना है। त्रिवेदी ने जीएसटी स्लैब में किए गए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि नए स्लैब लागू होने के बाद आम जनता को जरूरी सामान पर बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि सीमेंट और लोहे-स्टील पर टैक्स की दरों को कम करने के फैसले से घर बनाने की लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर गाड़ियों पर भी जीएसटी की दरों को कम किया गया है। उन्होंने कहा कि होटल उद्योग में भी टैक्स की दरों में काफी राहत दी गई है।

विपक्षी नेताओं को भी देखा गाड़ियां टीवी, फ्रिज खरीदते : ब्रजेश पाठक

लखनऊ की आलमबाग बाजार में एक दुकान पर व्यापारी से जीसटी सुधार को लेकर संवाद करते सुधांशु त्रिवेदी, ब्रजेश पाठक व आनंद द्विवेदी। अमृत विचार

अमृत विचार : जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत बुधवार को राज्यसभा सांसद, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं के साथ चंदर नगर मार्केट आलमबाग में पदयात्रा करके व्यापारियों व उपभोक्ताओं से संपर्क व संवाद किया। दुकानों में जाकर जीएसटी लाभ के स्टीकर लगाए और व्यापारियों को गुलाब भेंट दिया। स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए सभी से आह्वान किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि मैंने कल से ढेर सारे विपक्षी नेताओं को देखा है गाड़ियों के शोरूम में गाड़ियां खरीदते हुए, टीवी, फ्रिज खरीदते हुए, वह भी प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं। व्यापारियों से संपर्क के दौरान मानसिंह, महानगर उपाध्यक्ष अशोक तिवारी, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, अभिषेक खरे, विनायक पांडे, पीयूष दीवान, मंडल अध्यक्ष राजन वर्मा, महेंद्र राजपूत, मानस बाहरी, रूपा देवी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकसित भारत बनने में एनीमिया बड़ा अवरोध : अमित घोष

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 46 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं के एनीमिक होने पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित घोष ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जब हम 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने की बात करते हैं तो एनीमिया इसमें बड़ा अवरोधक है। इस समस्या को खत्म करने के लिए तीन प्रतिशत दर प्रतिवर्ष कम करने का लक्ष्य रखा गया है, उसे प्राप्त करने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे।

एनिमिया पर वार, मिलकर करेंगे 12 के पार

एनीमिया प्रदेशव्यापी जटिल समस्या से पार पाने के लिए एक प्लेटफार्म पर जमा हुए विभागों के प्रमुख व विशेषज्ञों ने मंथन किया और नतीजे पर पहुंचे कि महिला शिक्षक, महिला प्रधान, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नेतृत्व क्षमता बढ़ाकर समुदाय में एनीमिया के प्रति महिलाओं को सजग किया जाए। शपथ ली गई कि मिलकर करेंगे हीमोग्लोबिन 12 के पार।

प्रमुख सचिव बुधवार को हजरतगंज स्थित होटल में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, केजीएमयू व सेंटर ऑफ एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में प्रमुख सचिव महिला व बाल विकास लीना जौहरी, केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद, क्वीनमैरी अस्पताल की विभागाध्यक्ष डॉ अंजू अग्रवाल और आईसीडीएस विभाग की उपनिदेशक अनुपमा सानडिल्य ने भी एनीमिया के संबंध में अपने विचार रखे।

सरकार को सुझाव देने में ग्रामीण आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विकसित यूपी अभियान

- ग्रामीण इलाकों से सर्वाधिक 4.70 लाख सुझाव, नगरीय क्षेत्रों से 1.30 लाख
- 6 लाख लोगों ने साझा किए सुझाव, 31–60 आयु वर्ग आगे

अमृत विचार : समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान में सरकार को सुझाव देने में ग्रामीण आगे हैं, जबकि इनके मुकाबले शहरी फिलहाल पीछे हैं। ग्रामीण इलाकों से अब तक सर्वाधिक 4.70 लाख और नगरीय क्षेत्रों से 1.30 लाख सुझाव मिले हैं। लगभग 6 लाख प्रदेशवासियों ने अपने-अपने सुझाव साझा किए हैं जिनमें 31–60 आयु वर्ग वाले ज्यादा हैं।

दरअसल, विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत बुधवार 24 सितंबर तक लगभग 6 लाख प्रदेशवासियों ने अपने सुझाव साझा किए हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 4.70 लाख तो वहीं नगरीय क्षेत्रों से लगभग 1.30 लाख प्रदेशवासी जुड़ चुके हैं। सर्वाधिक 3.20 लाख सुझाव 31-60 आयु वर्ग के लोगों द्वारा दिए गए हैं, जबकि लगभग 2.40 लाख सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों ने दिए हैं। यही नहीं करीब 40 हजार सुझाव सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से प्राप्त हुए है।

मालूम हो कि अभियान के तहत सभी 75 जिलों में विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा कर फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है। सर्वाधिक सुझाव शिक्षा क्षेत्र, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र, समाज कल्याण, कृषि क्षेत्र, आईटी एंड टेक 14,700, इंडस्ट्री 15,182 तथा सुरक्षा से सम्बंधित विषयों पर प्राप्त हुए हैं। महाराजगंज से लगभग 62 हजार फीडबैक के साथ प्रथम, लगभग 30 हजार फीडबैक के साथ कानपुर देहात द्वितीय और 22 हजार से अधिक फीडबैक के साथ संभल तृतीय स्थान पर है। इसके अतिरिक्त प्रयागराज, फिरोजाबाद, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फर्रुखाबाद, मैनपुरी आदि जनपदों से 4 लाख से ज्यादा फीडबैक प्राप्त हुए हैं।

योगी ने यूपी ट्रेड शो की तैयारी का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इण्डिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टॉल व प्रदर्शनी से लेकर देशी-विदेशी आगन्तुकों के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की सहभागिता के दृष्टिगत सुरक्षा के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

गिरिजा शंकर अध्यक्ष, गिरीश मिश्र बने महामंत्री

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के चुनाव में विजयी सदस्य।

- रोडवेज परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव में महामंत्री 12वीं बार निर्विरोध निर्वाचित

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी का चुनाव चारबाग बस स्टेशन, लखनऊ में हुआ। प्रदेश भर की 200 से अधिक प्राथमिक इकाइयों, 20 क्षेत्रीय इकाइयों और विशिष्ट इकाइयों के प्रतिनिधियों ने इस चुनाव में हिस्सा लिया। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी चुनाव अधिकारी घनश्याम यादव महासचिव, उप्र राज्य निगम कर्मचारी महासंघ ने की।

सभा में गिरिजा शंकर तिवारी को लगातार दूसरी बार प्रांतीय अध्यक्ष और गिरीश चंद्र मिश्र को 12वीं बार प्रांतीय महामंत्री पद पर निर्विरोध चुना गया। इस अवसर पर निगम महासंघ के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों में रविन्द्र कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरविन्द कुरील, गुलजार अहमद, महेश कुमार राय, सुरेश चन्द्र पांडेय उपाध्यक्ष, संजय कुमार राणा अपर महामंत्री, चन्द्र हंस, सुरेश चन्द्र मिश्र, विवेकानंद सिन्हा, सतीश कुमार उप महामंत्री, बीके शुक्ल कोषाध्यक्ष, धर्मेन्द्र सिंह संगठन मंत्री और वेदरत्न वर्मा प्रचार व सांस्कृतिक मंत्री शामिल हैं। साथ ही 42 सदस्यीय कार्यकारिणी भी सर्वसम्मति से निर्विरोध चुनी गई। घनश्याम यादव ने बताया कि चुनाव में प्रतिनिधियों का जोश व भागीदारी उल्लेखनीय रही और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई।

जीएसटी में सुधार से स्वदेशी उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : रालोद

लखनऊ में व्यापारियों से संवाद करते रालोद महासचिव अनिल दुबे व अन्य।

अमृत विचार, लखनऊ : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी करने का निर्णय एक देश-एक कर की नीति को मजबूती प्रदान करता है और देश की कर प्रणाली को और सरल एवं पारदर्शी बनाता है। इससे स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। यह बात रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने बुधवार को रालोद प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कही। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे के नेतृत्व में पदयात्रा निकालकर व्यापारियों को जीएसटी कम होने के फायदे बताए गए और उनकी राय व सुझाव भी लिए गए।

डिजिटल क्रॉप सर्वे 10 अक्टूबर तक करें पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य सचिव ने डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिलों को यह कार्य 10 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वे के कार्य में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मैनपावर लगाई जा सकती है और लेखपालों का सहयोग भी लिया जाए। साथ ही, सर्वे के साथ-साथ सत्यापन (वेरीफिकेशन) के कार्य में भी प्रगति सुनिश्चित की जाए।

अफसोसजनक | मुकदमा लड़कर अभ्यर्थियों ने लिया था उत्तर कुंजी देखने का अधिकार

लोकसेवा आयोग की चक्की में पिस रहे प्रतियोगी छात्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

तीन वर्ष जारी हुई उत्तर कुंजी

न्यायालय में हलफनामा देकर भी आयोग अपनी बात से मुकर गया था। हमलोग ने कंपटीशन देने वाले छात्रों का संगठन प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति बनाया और फिर से न्यायालय गए। जिसके बाद पीसीएस 2015, 2016, 2017 की उत्तर कुंजी जारी हुई। सभी में प्रश्नों के गलत उत्तर रखे जाने के कारण उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा परिणाम संशोधित करने का आदेश दिया गया। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त निर्णय पर रोक लगा दी थी।

आयोग ने प्रस्ताव ही बदल दिया

आयोग ने वर्ष 2018, 2019, 2020 की पीसीएस परीक्षा में उत्तर कुंजी जारी नहीं किया। उच्च न्यायालय में याचिका कर्ता रहे अवनीश पाण्डेय बताते हैं कि इसके बाद हम फिर से न्यायालय गए। आयोग द्वारा जो हलफनामा लगाया गया उसमें उल्लिखित है कि उक्त प्रस्ताव बदल दिया गया है। अब अंतिम परिणाम जारी करने के बाद उत्तर कुंजी जारी की जायेगी। इस संबंध में आयोग के सूत्रों का कहना है कि सभी परीक्षाओं के न्यायालय जाने के कारण प्रस्ताव बदलने का निर्णय लिया गया।

अमृत विचार : उत्तरप्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) के खिलाफ अभ्यर्थियों का आंदोलन फिर से सुगबुगाने लगा है। प्रतियोगी छात्रों ने ज्ञापन देकर दो दिन में समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मामला प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम जारी करने के पहले उत्तर कुंजी जारी करने को लेकर है। जिससे छात्र अपने उत्तरों का मिलान कर सके। दशक भर पहले आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में 150 प्रश्न सामान्य अध्ययन के हुआ करते थे। जिसमें कई प्रश्नों के उत्तर विकल्प विवादित या गलत होने का आरोप अभ्यर्थी लगाते थे। कई बार किसी प्रश्न का उत्तर आयोग जिसे सही मानता, उसे प्रतियोगी छात्र या पुस्तकें सही नहीं मानती थी। लेकिन परिणाम आयोग अपने अनुसार जारी कर देता था। इसे लेकर प्रतियोगी छात्रों ने आंदोलन शुरु कर दिया था और न्यायालय की शरण में जाना पड़ा था।

इसी मामले को लेकर न्यायालय ने आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष को तलब भी किया था। याचिकाकर्ता रहे अवनीश पाण्डेय बताते हैं कि इसके बाद आयोग ने न्यायालय से बचने के लिए 7 सदस्यों की कमेटी बनाई। अगस्त 2014 को निर्णय के अनुसार प्रारंभिक परीक्षाओं के बाद यथाशीघ्र चारों ए, बी, सी व डी सीरीज की उत्तर कुंजी जारी कर अभ्यर्थियों से आपत्ति ली जाएगी। आपत्ति दर्ज किये गए उत्तरों के साथ ही शत-प्रतिशत उत्तरों के परीक्षण हेतु दो अलग एक्सपर्ट कमेटी से आख्या प्राप्त की जायेगी। दोनों आख्या समितियों में अंतर होने पर तीसरी एक्सपर्ट कमेटी गठित कर विवादित प्रश्नों पर अंतिम निर्णय प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद संशोधित उत्तर कुंजी प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम घोषित करते समय ही जारी किया जाएगा। इसके बाद भी आयोग उत्तर कुंजी नहीं जारी किया।

तृतीय चंद्रघंटा

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्र में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए। देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।

बीज मंत्र...ऐं श्रीं शक्तयै नमः।

बाजार में बढ़ी रौनक, दीपावली पर व्यापार में होगा इजाफा

जीएसटी स्लेब में कमी का असर, एक माह के राशन में अब होगी 13 प्रतिशत की बचत, इलेक्टॉनिक, ऑटो मोबाइल समेत अन्य वस्तुओं के दामों में आई कमी

रिकाबगंज स्थित एक दुकान में खरीदारी करतीं महिलाएं। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : जीएसटी व्यवस्था में कटौती के बाद अयोध्या के बाजार में रौनक लौट आई है। जीएसटी 2.0 सुधारों ने 22 सितंबर से प्रभावी होकर 375 से अधिक वस्तुओं पर करों को कम कर दिया है। इससे उपभोक्ताओं को सस्ते सामान मिलने की उम्मीद है। व्यापारियों को दीपावली के मौसम में बिक्री में उछाल की संभावना नजर आ रही है।

जीएसटी दरों में कमी से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और किराना स्टोर्स पर भीड़ बढ़ गई है। अनुमान के मुताबिक, एक औसत परिवार के मासिक राशन पर 13 प्रतिशत की बचत होगी। पहले 12 से 18 प्रतिशत स्लैब में आने वाली किराना वस्तुएं अब 5 प्रतिशत पर आ गई हैं। दूध, दही, अनाज, दालें, तेल और मसालों जैसे वस्तुओं पर जीएसटी शून्य से 5 प्रतिशत हो गया है। उदाहरण के लिए, पहले आप एक हजार रुपये का राशन खरीदते थे तो इस पर 180 रुपये टैक्स देना पड़ता था। अब आपको सिर्फ 50 रुपये टैक्स देना पड़ेगा, आपको 130 रुपये का लाभ मिलेगा। आमतौर पर एक मध्यमवर्गीय परिवार माह में करीब पांच हजार रुपये का राशन खरीदता है, ऐसे में उसे अब 650 रुपये की बचत होगी।वहीं, ऑटो मोबाइल सेक्टर में भी दामों में भारी कमी आई है। छोटी कारों (1200 सीसी तक) पर जीएसटी 28 से 18 प्रतिशत पर आ गया, जिससे 70 हजार रुपये तक की बचत संभव है।

रेट वहीं रहेगा, कंपनियां बढ़ाएंगी वजन

- राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने बताया कि जीएसटी के क्रियांवयन का सरलीकरण हुआ है, बल्कि दरों में ऐतिहासिक कटौती की गई है। जिससे आम लोगों को लाभ मिलेगा। साथ ही व्यापार भी समृद्ध होगा। मेरी कुछ थोक व्यापारियों से बिस्कुट, नमकीन, साबुन, शैंपू आदि कंपनियों के प्रतिनिधि से रेट को लेकर वार्ता हुई है। आश्वासन मिला है कि रेट वहीं रहेगा लेकिन सामान का वजन बढ़ा दिया जाएगा। इससे ग्राहकों को भी कोई दिक्कत नहीं होगी, साथ व्यापारियों को खुदरा पैसे देने की झंझट का भी सामना नहीं करना पड़ेगा।

संजय श्रीवास्तव।

25 सौ से कम कीमत के कपड़े खरीदने पर होगा फायदा

- 25 सौ रुपये तक के कपड़ों और उससे संबंधित उत्पादों पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई है। कंबल, बेडशीट समेत अन्य कपड़ों के दाम घटे हैं। इनके दामों में 100 से 150 रुपये का अंतर आ गया है। शहर के कपड़ा व्यवसाई आनंद मोटवानी कहते हैं कि शादी विवाह व होली, दिपावली पर व्यापार कई गुना बढ़ता है। जीएसटी के नए स्लेब से 25 सौ रुपये के अंदर के दाम पर कपड़ा खरीदने पर लोगों को फायदा जरूर होगा लेकिन शादी विवाह आदि पर महंगे कपड़े खरीदने पर लोगों को इसका फायदा नहीं मिल सकेगा।

आनंद मोटवानी।

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में खुशी की लहर

- जीएसटी दरों में कमी से इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में भी खुशी की लहर है। टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, स्मार्ट फोन व एसी जैसे व्हाइट गुड्स पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। शहर के बाबा इलेक्टॉनिक्स के सतनाम सिंह का कहना है कि इसका असर दिखने लगा है। लोग दाम के संबंध में पूछताछ कर रहे तो कुछ अभी से दीपावली की बुकिंग करा रहे हैं। कहा कि यह बदलाव उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाएंगे व त्योहारी सीजन को बूस्ट देंगे।

सतनाम सिंह।

स्लेब में कमी करने पर उत्सव मनाना समझ से परे

- उद्योग व्यापार मंडल (श्याम बिहारी गुट) के जिलाध्यक्ष कवींद्र साहनी का कहना है कि व्यापारियों ने सात वर्ष बढ़ी दरों से जीएसटी भरा। ऐसे में स्लेब में कमी करने पर उत्सव मनाना समझ से परे है। आज जब दुकानदार महंगे दरों पर सामान खरीदकर लाया है तो उसे सस्ता कैसे बेचेगा। सरकार को नया स्लेब लागू करने से पहले व्यापारियों को थोड़ा समय देना चाहिए था जिससे वह पुराना स्टाक बेच सकें।

कवींद्र साहनी।

दुकानदार चिंतित, पुराने सामान पर कैसे लागू करें दरें

- जीएसटी स्लेब में कमी आने से उपभोक्ताओं को फायदा तो हो रहा है, लेकिन छोटे दुकानदारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बिस्कुट, नमकीन और चॉकलेट जैसे पैकेट उत्पादों पर जीएसटी कटौती से दाम 20-25 पैसे कम हो गए हैं। पांच रुपये वाले बिस्कुट पैकेट पर अब 15-20 पैसे की कमी आनी चाहिए, लेकिन पुराने स्टॉक पर नई दरें लागू करना चुनौतीपूर्ण है। अयोध्या में जनरल स्टोर की दुकान चलाने वाले धीरज गुप्ता ने बताया कि पुराना माल 18 प्रतिशत पर खरीदा था, अब 5 प्रतिशत पर बेचें तो नुकसान होगा। कहा कि नए स्टाक आने पर ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

धीरज गुप्ता।

जीएसटी में सुधारों से बढ़ेगी उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि जीएसटी में सुधार से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ेगी। ज्यादा सामान बिकेगा तो व्यापारियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। वह बुधवार को सर्किट हाउस में जीएसटी-2 को लेकर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जीएसटी-दो देश के 142 करोड़ नागरिकों के लिए सहूलियत भरा कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में वन नेशन-वन टैक्स की परिकल्पना की थी। 2017 में जीएसटी लागू की गई। वैट, एक्साइज, कस्टम ड्यूटी, सर्विस टैक्स जैसे अनेक करों को समाहित कर एक कर प्रणाली बनाई गई। इससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली, भारत वैश्विक स्तर पर 11वें से चौथे स्थान पर पहुंच गया।

बताया कि जीएसटी लागू होने पर पांच स्लैब थे, वर्तमान में इसके चार स्लैब थे, जिन्हें अब सरल बनाकर केवल दो प्रमुख दरों पांच फीसदी और 18 फीसदी में समाहित किया गया है। 28 और 12 फीसदी के स्लैब समाप्त कर दिए गए। आम लोगों के लिए सबसे जरूरी दूध, दाल, चावल, मसाले, पनीर जैसी 135 आवश्यक वस्तुएं अब शून्य या पांच फीसदी की दर पर उपलब्ध होंगी। किसानों को राहत दी गई। ट्रैक्टर और कृषि यंत्रों पर कर 12 से 18 फीसदी से घटाकर टैक्स पांच फीसदी कर दिया गया। 25 सौ रुपये तक के रेडीमेड कपड़ों पर कर 18 से घटाकर पांच फीसदी किया गया। होटल-रेस्टोरेंट, कार व मोटरसाइकिल, फुटवेयर पर टैक्स कम किया गया। जीवन रक्षक दवाओं को शून्य कर श्रेणी में लाया गया है। इस मौके पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता करते कृषि मंत्री व प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

- **प्रभारी मंत्री बोले- उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ने से व्यापारियों को होगा लाभ**

डीबीटी प्रणाली से समाप्त हुए बिचौलिए

कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा सरकार ने आयकर में भी बड़े बदलाव किये। टैक्स फ्री सीमा दो से बढ़ाकर 12 लाख कर दी गई। डीबीटी प्रणाली से बिचौलिए खत्म हुए और योजनाओं का लाभ सीधे खाते में पहुंचा। वन नेशन-वन टैक्स से देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है। अयोध्या में एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक रेलवे स्टेशन इसका उदाहरण हैं। मोदी सरकार में पात्र लाभार्थियों को शौचालय, मुफ्त बिजली कनेक्शन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ भी मिला है।

न्यूज ब्रीफ

काली पट्टी बांध कर किया शिक्षण कार्य

अयोध्या, अमृत विचार : टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा काली पट्टी बांध कर शैक्षणिक कार्य किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष अवधेश यादव ने बताया कि जिले भर के शिक्षक साथी विरोध के रूप में काली पट्टी बांध कर 15 अक्टूबर तक काम करेंगे। आंदोलित शिक्षक साथियों का हस्ताक्षर पत्र प्रधानमंत्री, सर्वोच्च न्यायालय, केंद्रीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्री व मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। जिला मंत्री अशोक वर्मा ने कहा कि शिक्षकों का अहित नहीं होने दिया जाएगा।

आरोपों से घिरीं दो स्टॉफ नर्स अलग संबद्ध

अयोध्या, अमृत विचार : मुख्यचिकित्सा अधिकारी डॉ.सुशील कुमार बानियान ने सोहावल सीएचसी में नवजात की मौत प्रकरण में कार्रवाई करते हुए स्टाफ नर्स रितिका को प्रकरण की जांच तक सीएचसी हैदरगंज से सम्बद्ध किया है। वहीं रुदौली सीएचसी में प्रसूता को बेड न मिलने पर फर्श पर जने बच्चे के मामले में स्टाफ नर्स वर्षा को सीएचसी तारुन से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक सम्बद्ध किया है। सोहावल प्रकरण की जांच उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वेद प्रकाश त्रिपाठी को सौंपी गई है।

सर्पदंश से महिला की गई जान

बड़ागांव, अमृत विचार : सोहावल तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत हाजीपुर बरसेन्डी के मजरे बसहा के रहने वाली महिला ललित (24) पत्नी राम बाबू घर में जानवरों के लिए भूसा निकाल रही थी। इसी बीच जहरीले सर्प ने डस लिया। उसे जिला चिकित्सालय भिजवाया गया।जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। चौकी प्रभारी सती चौरा जितेंद्र सिंह ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

अवध विवि में रिक्त सीटों पर लें प्रवेश

अयोध्या, अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि में यूपीटीएसी काउंसलिंग सत्र 2025-26 के बाद शेष बची रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश के लिए छात्र ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि प्रथम वर्ष बीटेक (ई सी ई, एम ई, ई ई एवं सी ई) और द्वितीय वर्ष बीटेक (लेटरल एंट्री) (ईसीई, एम ई और ई ई) बीफार्मा. (लेटरल एंट्री) पाठ्यक्रमों के लिए समर्थ प्रवेश पोर्टल पर 31 सितंबरतक पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सीटों की उपलब्धता के अधीन आवेदन हुए हैं।

24 दिनों में 1238 बाइक चालकों का चालान

अयोध्या, अमृत विचार : नो हेलमेट-नो पेट्रोल अभियान में एक से 24 सितंबर तक परिवहन विभाग ने बिना हेलमेट लगाकर बाइक चला रहे 1238 चालकों का चालान किया है। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य लोगों को अपनी जिंदगी बचाने के लिए हेलमेट की अनिवार्यता को लागू कराना है। बताया कि बुधवार को 24 चालकों का चालान किया गया।

दुर्घटना में एक की मौत, दो मजदूर गंभीर

मिल्कीपुर अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर इनायतनगर थाने के बारून बाजार क्षेत्र में मंगलवार रात एक एसयूवी ने बाइक सवार तीन मजदूरों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में जमुआ गांव निवासी पलटू (30) की मौके पर मौत हो गई, जबकि उनके साथी रामपाल निवासी जमुआ और देवराज निवासी भदोखरा गंभीर रूप से घायल हो गए।

आंचल, रिद्धिमा, याना, श्रेया, दिव्यांश, आयुष अंतिम चार में

एकल मुकाबले में शॉट खेलता खिलाड़ी। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

राज्य बैडमिंटन

अमृत विचार: डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में चल रही प्रदेशीय सीनियर बैडमिन्टन प्रतियोगिता में बुधवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में वाराणसी की आंचल व याना गुप्ता, गोरखपुर की रिद्धिमा, अयोध्या की श्रेया पाल ने बालिका एकल के अंतिम चार में स्थान सुनिश्चित किया। अयोध्या की निष्ठा व श्रेया, संजना व उज्ज्वला, गोरखपुर की शमीमा व सोनम, वाराणसी की अदिति व याना ने युगल स्पर्धा के अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं बालक एकल में अयोध्या के दिव्यांश व आयुष ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस अवसर पर आरएसओ अनिमेष सक्सेना, उप क्रीड़ाधिकारी शकील अहमद, बैडमिन्टन कोच अनुपम शुक्ला सहित ऑफीसियल, खिलाड़ी व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

हैरिंग्टनगंज में बीडीओ ने संभाला पदभार

मिल्कीपुर, अमृत विचार : हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के नवनियुक्त खंड विकास अधिकारी रूप नारायण भारती ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। नवागत बीडीओ ने कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग बनाए रखना उनकी पहली जिम्मेदारी है। इस दौरान एडीओ पंचायत अरविन्द कुमार, एडीओ आईएसबी गौतम वर्मा, एडीओ को-ऑपरेटिव अवधेश कुमार वर्मा, पूर्व बीडीओ अखिलेश मिश्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में खुला वसूली का खेल

अयोध्या कार्यालय

बेसिक शिक्षा विभाग

- **तारुन ब्लॉक की न्याय पंचायत मिझौली किशुनदासपुर के एक ग्रुप से हुआ खुलासा**

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग में ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर पर हो रही खेलकूद प्रतियोगिताओं में लंबे खेल का खुलासा हुआ है। शिक्षकों से सहयोग धनराशि ली जा रही है, जबकि प्रतियोगिता के लिए शासन द्वारा बजट भी प्रदान किया जाता है। इसका खुलासा मिझौली किशुनदासपुर के एक ग्रुप में चल रही चैटिंग से हुआ। चैटिंग के स्क्रीन शॉट वायरल होने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी भी हतप्रभ हैं। हालांकि शिक्षकों का तर्क है कि बजट इतना काम है कि ऐच्छिक सहयोग ले लिया जाता है।

शिक्षक संकुल मिझौली के ग्रुप में नोडल बनाए गए ओंकार नाथ पांडेय शिक्षकों को मैसेज कर धनराशि मांग रहे हैं, जिसे सहयोग धनराशि नाम दिया गया है। एक शिक्षक ने लिखा सहयोग धनराशि किस मद से लेकर आनी है तो उन्होंने जवाब दिया कि तत्काल मीटिंग में पहुंचे। नोडल ने लिखा है कि कंपोजिट विद्यालय सोनेडीह, प्राथमिक विद्यालय गयासपुर, मिझौली किशुनदासपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय गयासपुर, प्राथमिक विद्यालय गौरा, प्राथमिक विद्यालय मठिया आदि से सहयोग राशि प्राप्त हो गई है, शेष विद्यालय भी सहयोग करें। इस वायरल चैट में जब एक शिक्षक ने सहयोग धनराशि भुगतान का माध्यम पूछा तो संबंधित नोडल अधिकारी ने फोन-पे का स्क्रीन शॉट भेज दिया। कुछ शिक्षकों ने फोन-पे के माध्यम से धनराशि भेजे जाने की सूचना दी। खेल में हो रहे इस खेल में खंड शिक्षा अधिकारी समेत कई के भी लिप्त होने की संभावना है। जिले में 12 खंड शिक्षा क्षेत्रों में वर्तमान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि अभी तक तारुन छोड़ किसी अन्य ब्लॉक से ऐसा मामला सामने नहीं आया है।

तारुन शिक्षा क्षेत्र के मिझौली शिक्षक संकुल के ग्रुप पर चैटिंग का स्क्रीन शॉट।

> शासन से खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए बहुत न्यूनतम बजट मिलता है। वह भी ब्लॉक स्तर पर मात्र तीन से चार हजार। ऐसे में ट्रॉफी और जलपान आदि के लिए आपस में सहयोग स्वाभाविक है, लेकिन यह गलत है। ऐसे नहीं किया जाना चाहिए।
> -नीलमणि त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष व प्रांतीय ऑडिटर, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, अयोध्या।

> मुझे इसकी जानकारी नहीं है। आप द्वारा सूचना मिल रही है। खेलकूद प्रतियोगिता का एक बजट निर्धारित है जो ब्लॉकों को भेजा जाता है। वैसे यह पूरी तरह से गलत है। बीईओ को बोलता हूं।
> -लालचंद सरोज, बेसिक शिक्षा अधिकारी।

> मेरी ओर से ऐसा कोई आदेश निर्देश नहीं दिया गया है। यह मामला संज्ञान में आया है तो तत्काल नोडल अधिकारी शिक्षक ओंकार नाथ पांडेय को नोटिस भेजी जा रही है। जांच भी होगी।
> -यशवंत सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी, तारुन

मवई को मिला नया आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज

मवई, अयोध्या

49 करोड़ की लागत से तैयार हुआ आधुनिक भवन, जल्द शुरू होंगी चिकित्सा सेवाएं

अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र के मांजनपुर गांव में निर्मित आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज अब क्षेत्रवासियों को समर्पित होने को तैयार है। लगभग 49 करोड़ रुपये की लागत से बना यह कॉलेज आने वाले समय में ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और छात्रों को शिक्षा का अवसर प्रदान करेगा। कॉलेज के नोडल अफसर डॉ. महेंद्र सिंह विष्णु ने बताया कि कॉलेज का निर्माण कार्य वर्ष 2021-22 में शुरू कराया गया था। जिम्मा कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज को सौंपा गया था। निर्धारित समय सीमा में संस्था द्वारा भवन का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसे हैंडओवर लेकर प्रारंभिक दो वर्षों तक चिकित्सा सेवाएं और ओपीडी जैसी सुविधाएं शुरू की जाएंगी। इसके बाद, जब चिकित्सा सेवाएं (सेंट्रल काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन) के मानकों पर खरी उतरेंगी, तब यहां पूर्ण शैक्षणिक गतिविधियां आरंभ होंगी। बताया कि पहले चरण में इस कॉलेज में 60 छात्रों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

मवई में बनकर तैयार आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज। अमृत विचार

कॅरिअर फेयर में अभिभावक और छात्राएं हुईं सम्मानित

बीकापुर, अयोध्या

अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज तोरोमाफी दराबगंज में कॅरिअर फेयर 2025 कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके किया गया। विद्यालय के छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नुक्कड़ नाटक, गीत, एकांकी, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य सरिता यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। खंड शिक्षा अधिकारी अमित श्रीवास्तव ने विद्यालय में शत-प्रतिशत उपस्थिति पर कई छात्राओं व अभिभावकों को सम्मानित किया। छात्राओं को कॅरिअर में सफलता के टिप्स दिए। बीकापुर कोतवाली के निरीक्षक गौरी शंकरपाल, महिला उप निरीक्षक सना पाल ने महिला सशक्तिकरण, बालिका और महिला सुरक्षा साइबर क्राइम से बचाव संबंधित सुरक्षा का टिप्स दिया। संचालन देश दीपक इंटर कॉलेज के अध्यापक अजय तिवारी ने किया। प्रधानाध्यापिका विद्या यादव, लक्ष्मी प्रसाद तिवारी, प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह, सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, प्रधान प्रतिनिधि अहमद रजा, ट्रेनर मानवेंद्र राय ने भी टिप्स दिये।

रानी लक्ष्मी बाई स्कूटी योजना अवध विवि व डिग्री कॉलेजों में स्नातक द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं को मिलेगा लाभ

12 हजार बेटियों को मुफ्त पिंक स्कूटी देने की तैयारी

- **प्रथम वर्ष की परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाली पांच प्रतिशत मेधावी छात्राओं का होगा चयन**

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : योगी सरकार शिक्षकों को कैशलेस सुविधा प्रदान करने के बाद अब विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों में अध्ययनरत छात्राओं को मुफ्त पिंक स्कूटी देने का वादा भी पूरा करने जा रही है।

रानी लक्ष्मी बाई स्कूटी योजना के अंतर्गत स्नातक द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत बेटियों को मुफ्त स्कूटी दिए जाने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों से ब्यौरा मांग लिया गया है। संभावना जताई जा रही कि अक्टूबर में इसका समारोह के साथ वितरण किया जाएगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में वर्तमान में कुल जितनी छात्राएं अध्ययनरत हैं उसमें से प्रथम वर्ष की परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाली पांच प्रतिशत मेधावी छात्राओं का चयन किया जाना हैं। पहले चरण में विश्वविद्यालय व डिग्री कॉलेजों में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं को देने पर मंथन किया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग इसके लिए नियम-कानून तैयार करने में भी जुटा हुआ है। स्नातक के परंपरागत पाठ्यक्रमों व प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पढ़ रहीं छात्राओं का चयन उनकी संख्या के आधार पर किया जाएगा। जिस कोर्स में अधिक छात्राएं होंगी उन कक्षाओं की अधिक मेधावी छात्राएं स्कूटी पाएंगी।

छात्राओं में बढ़ेगी प्रतियोगिता

छात्राओं के बीच स्कूटी पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में सर्वाधिक मेडल छात्राओं के ही खाते में आते हैं। ऐसे में सरकार की इस योजना से बेटियों के बीच श्रेष्ठ अंक लाने को को लेकर प्रतियोगिता बढ़ेगी। खास बात यह है कि यह पहली बार है इंटरमीडिएट तक साइकिल प्रदान करने के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मुफ्त स्कूटी का प्रावधान किया गया है।

> शासन से पत्र आया है। सभी महाविद्यालयों को भेज दिया गया है। सूची बनाने के लिए समय लगेगा। महाविद्यालयों की ही अधिकतर छात्राएं इस श्रेणी में आयेगी।
> -विनय कुमार सिंह, कुलसचिव, अवध विश्वविद्यालय

डीएम ने प्रतिमा विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

अयोध्या

अमृत विचार: जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बुधवार प्रतिमा विसर्जन स्थल निर्मलीकुण्ड का निरीक्षण किया। मूर्ति विसर्जन के लिए सरयू नदी में निर्धारित जलस्तर के अनुसार व्यवस्था कराए जाने, प्लेटफार्म व बेरिकेटिंग आदि का कार्य समय से पूर्ण कराने, निर्मलीकुण्ड पर समुचित प्रकाश व्यवस्था, टैंकरों से पेयजल की व्यवस्था, चूने एवं एन्टीलार्वा का छिड़काव, विसर्जन स्थल पर पब्लिक एनाउंसमेंट आदि की व्यवस्था का निर्देश दिये। विसर्जन के लिए प्लेटफार्म पर सीमेंट बैग में मिट्टी भरकर रखवाने की व्यवस्था और सुरक्षा के लिए बल्लियों को नदी के किनारे पाइलिंग कराने के लिए कहा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी/मेलाधिकारी, अपर नगर आयुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी, केन्द्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

- **डीएम ने प्लेटफार्म पर सीमेंट बैग में मिट्टी भरकर रखवाने के दिए निर्देश**
- **घाट पर बेरिकेटिंग, लाइटिंग, टैंकरों से पेयजल व्यवस्था करने को दिए आदेश**

10 हजार लूटने के दो आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या, अमृत विचार : थाना पूराकलंदर पुलिस ने ई-रिक्शा चालक ददेरा निवासी संजय सिंह से 10 हजार लूटने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी संजीव सिंह ने बताया कि दो बाइक पर सवार चार लोगों ने 22 जनवरी की रात बड़ी नहर पुल से दो सौ मीटर पहले वारदात की थी। उप निरीक्षक आलोक श्रीवास्तव व धीरज कुमार की टीम ने दो आरोपियों को मंगलवार रात ददेरा गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान सौरभ वर्मा निवासी उघरपुर थाना पूराकलंदर व विशाल वर्मा निवासी यादगारपुर मोहतसिमपुर थाना पूराकलंदर के रूप में हुई। दोनों का चालान कर दिया गया है।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाइक लूटने के आरोपी को पांच साल की सजा

अयोध्या, अमृत विचार : बाइक सवार पूराकलंदर थाना क्षेत्र के नरायनपुर गांव के रहने वाले नंदकिशोर को पीट कर उसकी बाइक लूटने के मामले में कोर्ट ने आरोपी को पांच साल की सजा से दंडित किया है। उस पर पांच हजार रुपये जुर्माना भी हुआ है। फैसला विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर कोर्ट के जज मोहिंदर कुमार की अदालत से बुधवार को हुआ। विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर अधिनियम विकास शुक्ला ने बताया कि घटना 6 नवंबर 2000 की है। इसकी रिपोर्ट महेश कुमार निवासी सरौली थाना पूरा कलंदर, पतिराम निवासी पलिया रिसाली व मोहम्मद निजाम निवासी ताजपुर कोडरा के खिलाफ दर्ज कराई गई थी। दौरान मुकदमा पतिराम की मौत हो गई। मोहम्मद निजाम को कोर्ट ने संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया, जबकि महेश को दोषी पाते हुए सजा दी।

शिक्षकों व छात्रों ने लिया खादी अपनाने का संकल्प

अयोध्या, अमृत विचार : पंडित हृदयराम शर्मा पी डी पांडेय इंटर कॉलेज सोनैसा रसूलाबाद में बुधवार को प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी समेत शिक्षक और कर्मचारियों समेत 650 छात्र-छात्राओं ने खादी अपनाने का संकल्प लिया।प्रधानाचार्य ने कहा कि सभी को स्वदेशी चीजों को अपनाने के लिए आगे होना होगा। खादी हमारे देश की पहचान है और खादी के वस्त्रों को अपनाकर हम अपने देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। अरविंद वर्मा, अनिल पांडेय, राजकुमार, संदीप चक्रवर्ती,विनीत मिश्रा, सुनील दूबे, सच्चिदानंद शुक्ला आदि मौजूद रहे।

संयुक्त कृषि निदेशक ने जाना फसलों का हाल

अयोध्या, अमृत विचार : संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. एके मिश्रा और उपनिदेशक कृषि डॉ. पीके कनौजिया ने बालापुर गांव के प्रगतिशील किसान राम प्रसाद वर्मा के खेत पर उगाई जाने वाली अमरूद-पपीता आदि फसलों का निरीक्षण किया। किसान को अधिक उपज का सुझाव भी दिया। चरावां के आरएल जैविक ड्रैगन फ्रूट फार्म का भी निरीक्षण किया। किसान राम लौट मौर्य, बृजेश मौर्य से ड्रैगन फ्रूट के पौधों उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। पछियाना के किसान सुरेंद्र कुमार वर्मा के फार्मस्कूल धान प्रदर्शन प्रजाति सियाटस -चार की फसल की जानकारी ली। पुरखेपुर में प्राकृतिक खेती के तहत बायो रिसोर्स सेण्टर आलोक कुमार वर्मा के यहाँ बीजामृत, घनामृत, जीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट आदि के उत्पादन और उत्पादों पर जानकारी ली। इस दौरान राजकीय बीज भंडार प्रभारी कन्हैयालाल, प्राविधिक सहायक प्रज्ञानंदन व्यास, राम जीत, विवेकानंद पाण्डेय, दिवाकर पाण्डेय,विजय वर्मा आदि मौजूद रहे।

हेल्पलाइन नंबर 1930 का महत्व बताया

मवई, अमृत विचार : बैंक ऑफ इंडिया से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत बुधवार को मवई के अमरचंद पटेल इंटर कॉलेज में सभा का आयोजन किया गया। दुल्लापुर शाखा प्रबंधक सौरभ शुक्ला ने छात्रों को साइबर ठगी से बचने के तरीके समझाए। कहा कि यदि कभी कोई ऑनलाइन धोखाधड़ी हो जाए तो सरकार से जारी 24 घंटे उपलब्ध टोल फ्री नंबर 1930 पर तुरंत संपर्क करें। बैंक अधिकारी हरकेश चंद्र श्रीवास्तव ने छात्रों को अनजान नंबरों से आने वाली कॉल से सतर्क रहने की सलाह दी।

अश्लील हरकत करने पर रिपोर्ट दर्ज

अयोध्या, अमृत विचार : विवाहिता से उसके घर में घुसकर अश्लील हरकत करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना करने का आदेश हुआ है। यह आदेश अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महेंद्र पासवान की अदालत से बुधवार को हुआ।अधिवक्ता शेख मोहम्मद फारूक ने बताया कि घटना 18 जून 2025 की है। इसकी रिपोर्ट थाने पर नहीं लिखी गई तो विवाहिता के पति ने अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना करने का आदेश थाना प्रभारी तारुन को दिया है।

नहर में मिले वृद्ध के शव की हुई शिनाख्त

पूराबाजार, अमृत विचार : पुलिस चौकी पूरा बाजार अंतर्गत ग्राम चरेरा के सामने शारदा सहायक नहर में मंगलवार को मिले वृद्ध के शव की शिनाख्त हो गई। चौकी प्रभारी पूरा बाजार चित्रेश प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी कुसुम व पुत्री श्वेता ने शव की पहचान करते हुए बताया कि मृतक राम जीत कोरी कोरी निवासी परसपुर ददेरा थाना पूरा कलंदर अयोध्या का निवासी है।

चिकित्सक का टोटा, डीएनबी सीट पर संकट

जिला अस्पताल से ईएनटी सर्जन के इस्तीफे के बाद बढ़ी परेशानी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : जिला अस्पताल में ईएनटी (कान, नाक, गला) विभाग में चिकित्सकों की कमी के चलते मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में अस्पताल के एकमात्र ईएनटी सर्जन डॉ. अजीत कुशवाहा ने इस्तीफा देकर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में नई जिम्मेदारी संभाल ली। उनके इस्तीफे के बाद से जिला अस्पताल में ईएनटी ओपीडी और ऑपरेशन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। इस स्थिति ने न केवल मरीजों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि अस्पताल प्रशासन के समक्ष भी कई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) की सीट को लेकर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। एक सीट को लेकर वार्ता चल रही थी और यह अस्पताल के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही थी।

जिला अस्पताल का मुख्य प्रवेश द्वार। अमृत विचार

जिला अस्पताल में ईएनटी विभाग की स्थिति पहले से ही नाजुक थी। डॉ. अजीत कुशवाहा के जाने के बाद मरीजों को उपचार के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। ऑपरेशन की प्रतीक्षा सूची भी लंबी होती जा रही है, जिससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इस समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। अपर निदेशक स्वास्थ्य ने डॉ. सौम्य तिवारी को सप्ताह में दो दिन जिला अस्पताल की ईएनटी ओपीडी संभालने के लिए संबद्ध किया था, लेकिन मरीजों की बढ़ती संख्या और उनकी परेशानियों को देखते हुए अब इसे बढ़ाकर सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया है। हालांकि, यह व्यवस्था भी स्थायी समाधान नहीं मानी जा रही है, क्योंकि डॉ. तिवारी की सीमित उपलब्धता के कारण ओपीडी और ऑपरेशन की मांग पूरी नहीं हो पा रही है।

शासन को पत्र लिखकर दो वरिष्ठ ईएनटी सर्जन व डीएनबी की नियुक्ति की मांग की है : डॉ. अजय

अमृत विचार : जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. अजय सिंह गौतम ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमने शासन को पत्र लिखकर दो वरिष्ठ ईएनटी सर्जनों की नियुक्ति की मांग की है। इसके साथ ही डीएनबी सीट को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डॉ. गौतम ने यह भी बताया कि डीएनबी सीट के तहत आने वाले विद्यार्थी न केवल पढ़ाई करते हैं, बल्कि क्लीनिकल कार्यों में भी सहयोग करते हैं, जिससे अस्पताल की सेवाएं सुचारू रहती हैं।

12 महिलाएं व चार बच्चे हुए सम्मानित

अयोध्या, अमृत विचार : महिला अस्पताल में "स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार" के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महापौर गिरीशपति त्रिपाठी रहे। सीएमएस डॉ. विभा कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त करना था। कार्यक्रम में 12 महिलाओं और चार बच्चों को सम्मानित किया गया। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि स्वस्थ नारी ही परिवार और समाज की नींव है। उन्होंने अस्पताल के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में ऐसे आयोजनों को और व्यापक करने का आह्वान किया।

महिला को फल की टोकरी देते महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व मौजूद सीएमएस डॉ. विभा कुमारी। अमृत विचार

मानवता की पहली धरती अयोध्या : स्वामी दिनेशाचार्य

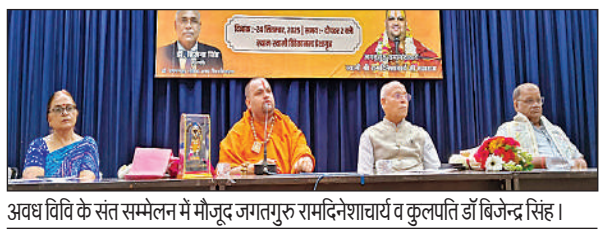

अवध विवि के संत सम्मेलन में मौजूद जगतगुरु रामदिनेशाचार्य व कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह।

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में सेवा पखवाड़ा के तहत संत सम्मेलन का आयोजन बुधवार को कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि जगदगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि मानवता की पहली धरती अयोध्या है। अयोध्या का नाम लेने मात्र से संपूर्ण विश्व की मानवता का ज्ञान हो जाता है।

कहा कि 33 कोटि देवताओं में राम सर्वोपरि क्यों हैं। मानवता में परमात्मा का बोध कराने के लिए राम अवतरित हुए जिसने सत्ता, सिंहासन का परित्याग कर दिया वह राम हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि सृष्टि की प्रथम भूमि अयोध्या है। जीवन जीने की परिकल्पना राम है।

विश्व के प्रणेता राम हैं। श्रीराम ने समूची मानवता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर आशुतोष दास, प्रो. सी के मिश्र, प्रो. जी आर मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. अवध नरायन, समेत बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

होमगार्ड कानून व्यवस्था के अहम अंग : प्रमोद पाल

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : होमगार्ड पुलिस के सहायक बल के रूप में कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था में योगदान देते हैं। वह धूप और कठिन परिस्थितियों में भी पुलिस के साथ ड्यूटी निभाते हैं। इनकी भर्ती राज्य सरकार के नियमों के अनुसार ही होती है। यह बातें होमगार्ड के डीआईजी प्रमोद कुमार पाल ने कहीं।वह बुधवार को अयोध्या पुलिस लाइंस सभागार में मंडल के सभी जिलों के होमगार्ड कमांडेंट के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने आवश्यक सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान डिविजनल कमांडेंट अमित कुमार मिश्र, अयोध्या कमांडेंट राघवेंद्र कुमार शुक्ल, अंबेडकर नगर के कमांडेंट अंतिम सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

होमगार्ड के डीआईजी प्रमोद पाल का स्वागत करते जिला कमांडेंट राघवेंद्र शुक्ल।

ट्रायल में खिलाड़ियों का चयन

अयोध्या, अमृत विचार: सरकार से आयोजित केजीवीपी अंडर 14, अंडर 17 बालिका कबड्डी एवं योग का कार्यक्रम सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा कार्यालय के ग्राउंड पर हुआ। मुख्य अतिथि जिला व्यायाम शिक्षक विश्वनाथ सिंह ने शुभारंभ किया। ट्रायल में प्रयागराज, अयोध्या, अलीगढ़, लखनऊ, मिर्जापुर, वाराणसी आदि मंडलों ने प्रतिभाग किया। संचालन सरवरे आलम ने किया। डीसी बालिका शिक्षा भास्कर के निर्देशन में हुए ट्रायल में बच्चों का कबड्डी और योग के लिए चयन किया। अंडर 14 में अंजलि मिर्जापुर, नेहा भार्गव लखनऊ, राधा हापुर, संध्या प्रार्थना झांसी, तनु गाजियाबाद आदि शामिल रही। अंडर 17 में अंशु, अंजलि, खुशी, सोनम अलीगढ़ से और ममता मिर्जापुर से, सुनैना लखनऊ से रोहिणी और अंजनी लखनऊ का चयन हुआ।

वुशु प्रतियोगिता में मेरठ को दोहरा खिताब

- **लखनऊ दूसरे व अयोध्या तीसरे स्थान पर रही**

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रदेशीय विद्यालयीय बालक-बालिका वुशु प्रतियोगिता बुधवार को आदर्श इंटर कॉलेज में पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में सर्वाधिक पदक हासिल कर मेरठ मंडल ने दोहरा खताब जीता। वहीं लखनऊ दोनों वर्गों में उपविजेता और अयोध्या मंडल तीसरे स्थान पर रही। मुख्य अतिथि वित्त विहीन विद्यालय प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष राम कृपाल सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रदेशीय स्कूली बालक वुशु प्रतियोगिता की विजेता मेरठ मंडल टीम ट्रॉफी के साथ।

आदर्श इंटर कॉलेज के संयोजन में हुई प्रदेशीय वुशु प्रतियोगिता के बालक वर्ग में मेरठ मंडल ने छह स्वर्ण पदक, चार रजत व दो कांस्य पदक के साथ सर्वाधिक 44 अंक हासिल किए। लखनऊ टीम ने तीन स्वर्ण पदक, पांच कांस्य पदक के साथ 20 अंक हासिल किए। अयोध्या मंडल दो स्वर्ण पदक, एक रजत व 4 कांस्य पदक के साथ 17 अंक प्राप्त किए। बालिका वर्ग में मेरठ मंडल ने तीन स्वर्ण पदक, तीन रजत व तीन कांस्य पदक के साथ 26 अंक प्राप्त किए।

लखनऊ टीम ने छह रजत व दो कांस्य पदक के साथ 20 अंक और अयोध्या ने तीन स्वर्ण व चार कांस्य पदक के साथ 19 अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर आदर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य वरुण प्रताप सिंह, मंडलीय क्रीड़ा सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक सिंह, जयेन्द्र पाठक सहित खिलाड़ी व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विजय को क्लीन चिट, सर्वेश जायेंगे कोर्ट

अयोध्या कार्यालय

- **जिला अस्पताल की मलाईदार सीट का मामला फिर गरमाया**

अमृत विचार : जिला अस्पताल के इमरजेंसी ओपीडी में फार्मासिस्ट प्रभारी की कुर्सी को लेकर एक बार फिर खींचतान शुरू हो गई है। मलाईदार सीट मानी जाने वाली इस कुर्सी का दायित्व फार्मासिस्ट विजय वर्मा को दे दिया गया है।

पूर्व में हुई शिकायतों के मामले में उन्हें क्लीन चिट मिलने के बाद कुर्सी संभालने का आदेश जारी किया गया। इस पर अभी तक इमरजेंसी ओपीडी की जिम्मेदारी संभाल रहे फार्मासिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव ने हंगामा करना शुरू कर दिया। उन्होंने सीएमएस कार्यालय पहुंचकर आपत्ति भी दर्ज कराई है। फैसले के खिलाफ कोर्ट जाने का ऐलान कर दिया है।

चार जुलाई 2025 को तत्कालीन सीएमएस ने विजय वर्मा को पद से हटाकर फार्मासिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव को इमरजेंसी ओपीडी का दायित्व सौंपा था। आरोप लगे थे कि इमरजेंसी ओपीडी में आने वाले मरीजों के उपचार के बाद उनसे अनावश्यक रूप से बाहर की दवाएं मंगाई जाती थी। बाहरी व्यक्तियों के द्वारा पैसों के मांगने का भी मामला सामने आया था।

शिकायतों की जांच चल ही रही थी कि बुधवार को प्रमुख अधीक्षक डॉ. अजय सिंह गौतम की ओर से दोपहर में एक पत्र जारी हुआ, जिसमें कहा गया है कि जांच पत्रावलियों में दोषमुक्त पाए जाने के बाद उन्हें चार्ज सौंप दिया गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी तरह की शिथिलता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बेटियां देश की शान, शिक्षा व स्वास्थ्य का रखें ध्यान : सीओ

पूराबाजार, अमृत विचार : मिशन नारी शक्ति के तहत बच्चू लाल इंटर कॉलेज में पुलिस विभाग द्वारा बुधवार को सशक्त नारी सशक्त प्रदेश अभियान के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीओ सदर योगेंद्र कुमार ने कहा कि बेटियां देश की शान के साथ-साथ देश की धरोहर हैं। देश का भविष्य इन्हीं के कंधों पर है इसलिए उनकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारा दायित्व है। उन्होंने हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी देने के साथ छात्राओं को जागरूक किया। प्रभारी सीओ शशि प्रकाश मिश्र, प्रभारी थानाध्यक्ष राजेश सिंह, चौकी प्रभारी चित्रेश प्रताप सिंह, महिला उप निरीक्षक स्वाति, वैशाली अग्रवाल और बच्चू लाल इंटर कॉलेज के प्राचार्य देवेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

श्रीराम जन्म व ताड़का वध के प्रसंग का हुआ मंचन

- **ऑनलाइन देखी जा रही रुदौली की प्रसिद्ध राम लीला**

भेलसर,अयोध्या

अमृत विचार: श्री राम लीला समिति के तत्वावधान में नगर में चल रहे 136 वें रामलीला मंचन के दूसरे दिन राम जन्म और ताड़का वध का मंचन किया गया। समिति के मुदित अग्रवाल और यश बंसल ने बताया की प्रथम दिन में ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 11 देशों के 22146 दर्शकों ने रामलीला देखी। महाराज दशरथ की वृद्धावस्था में भी संतान प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने श्रृंगी ऋषि द्वारा पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया।

रुदौली की रामलीला में ताड़का वध का अभिनय करते स्थानीय कलाकार।

यज्ञ की अग्नि से प्रकट हुए अग्निदेव ने सेब रूपी प्रसाद महाराज को दिया, जिसे तीनों रानियों में बांटा गया। शुभ ग्रहयोग में महारानी कौशल्या के गर्भ से भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। शिशु का मोहक स्वरूप देखकर पूरा राजमहल आनंद से गूंज उठा। ऋषि विश्वामित्र ने महाराज दशरथ से यज्ञ की रक्षा के लिए श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ ले जाने आते हैं। राक्षसी ताड़का के आतंक से ग्रस्त वनवासियों को श्रीराम ने उसका वध करके मुक्ति दिलाई तो तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा मैदान गूंज उठा। ऋषि के यज्ञ में बाधा डालने वाले राक्षसों में से मारीच और सुबाहु आए। श्रीराम के बाणों से सुबाहु का वध हुआ, मारीच दूर समुद्र में जा गिरा।

घर का ताला तोड़कर जेवरात व 25 हजार नकद उड़ाए

मिल्कीपुर, अयोध्या,अमृत विचार : कुमारगंज थाने के नेमा का पुरवा में बुधवार को चोरों ने एक घर में ताला तोड़कर जेवरात और 25 हजार नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित नौशाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि घटना बुधवार तड़के करीब तीन बजे के बाद हुई। चोरों ने उनके घर के पीछे से दीवार फांदकर कमरे का ताला तोड़ा। बक्से से सोने-चांदी के जेवरात के साथ 25 हजार नकद भी चुरा ले गए। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य बरामदे में सो रहे थे। थाना प्रभारी कुमारगंज ओमप्रकाश ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

आरोपियों पर हो बुलडोजर कार्रवाई : सांसद अवधेश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी में देह व्यापार जैसा अनैतिक कार्य आठ साल से चला रहा था, जो निंदनीय है। यह बात सांसद अवधेश प्रसाद ने कही। वह बुधवार को शहर के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि वह इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बुलडोजर कार्रवाई करें।फतेहगंज स्थित खीर वाली गली में सामने आए गेस्ट हाउस कांड पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह स्वयं मौके पर गए थे, जहां मोहल्ले के अनेक लोगों ने आरोप लगाया कि यह अवैध कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा था, जिसकी शिकायत समय-समय पर स्थानीय पुलिस चौकी को दी जाती रही, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि सात वर्षों में जितने भी चौकी प्रभारी यहां तैनात रहे, उनकी विस्तृत जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने गेस्ट हाउस में चल रही अवैध गतिविधियों की उच्चस्तरीय जांच करने, दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करने व शामिल व्यक्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते सांसद अवधेश प्रसाद।

रामलीलाओं के विकास पर काम करना मेरा कर्तव्य

- **पुस्तक 'रामनगरी की रामलीला' के वितरण समारोह में बोले नगर विधायक**

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बुधवार को कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की पावन धरती पर रामलीला और रामलीलाओं के विकास के बारे में काम करना मेरा कर्तव्य है। वह सर्किट हाउस में समाजसेवी केशव बिगुलर द्वारा लिखी गई पुस्तक ''रामनगरी की रामलीला'' के वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि रामलीलाओं के उत्तरोत्तर विकास मेरे कार्यकाल की प्राथमिकता है। इस क्षेत्र मैं कार्य भी कर रहा हूं। पुस्तक के लेखक केशव बिगुलर ने कहा कि 10 वर्ष के परिश्रम से तैयार इस पुस्तक से निःसन्देह अयोध्या की साहित्य के क्षेत्र में गरिमा बढ़ेगी। साहित्य जगत के लोग पुस्तक को अपनाएंगे। पुस्तक अयोध्या पर शोध करने वाले लोगों के लिए भी एक अनूठी सामग्री सिद्ध होगी। पूराबाजार रामलीला के अध्यक्ष शंभू नाथ सिंह ने कहा कि पुस्तक समाज की एक अमूल्य धरोहर के रूप में सार्थकता प्रदान करेगी। अध्यक्षता कर रहे वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष देवेंद्र अग्रहरि ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से केशव बिगुलर ने समाज को एक अमूल्य धरोहर सौंपी है। जो भावी पीढ़ी के अध्ययन में काम आएगी।

सर्किट हाउस में पुस्तक देकर सम्मानित करते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता साथ में लेखक केशव बिगुलर।

संचालन बाकरगंज रामलीला के संयोजक रामबाबू का कसौंधन ने किया। समारोह को मुमताजनगर रामलीला के अध्यक्ष माजिद अली, मया के ध्रुव गुप्ता, रामनगर धौरहरा के शेषनाथ सिंह, रायपुर रामलीला के अशोक सिंह, अरथर रामलीला के राम सुरेश सिंह बाबा ने भी संबोधित किया।

आयोजन समिति के सचिव मनीष देव गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम में संपूर्ण जिले में हो रही 51 चर्चित रामलीलाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। लगभग पैंतीस रामलीलाओं के प्रतिनिधिगण अपनी-अपनी टोली के साथ मौजूद रहे।

हालात रीड़गंज स्थित आकर्षक गुलाबबाड़ी मैदान की बदल गई तस्वीर

नुमाइश, रैली, खेल मैदान से अब बन गया कूड़े व पानी का मैदान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अभिलेखों में भले ही न बदली हो लेकिन देखने में इसकी तस्वीर जरूर बदली दिखती है। कभी नुमाइश देखने वालों का तांता लगता था तो कभी रैलियों के लिए। यह गवाह है देश के नामचीन नेताओं के संबोधन का। अब तो इसकी तस्वीर और तदवीर दोनों बदल गई। यह कूड़ा घर के साथ पानी का मैदान बन गया। काफी दिनों से इसकी स्थिति ऐसी ही है लेकिन कोई देखने वाला नहीं है।

- **चुनावी सीजन में रोज ही यहां दिखते थे टेंट, झंडे-बैनर**

यह ऐतिहासिक गुलाबबाड़ी से सटा है। गुलाबबाड़ी एएसआई की देखरेख में है। गुलाबबाड़ी के बगल यह ऐतिहासिक मैदान है। इसे गुलाबबाड़ी का मैदान कहते हैं। शहर क्या, जिले के लोग भी इससे परिचित हैं। अतीत बेहतर था। चारों ओर छहारदीवारी थी। नुमाइश के लिए सबसे माकूल जगह यही मानी जाती थी। सर्कस के लिए यही जगह चुनी जाती थी। कार्यक्रम न हो तो खेल के आयोजनों के लिए यह प्रसिद्ध जगह थी। सबसे खास तो चुनावी सीजन में रोज ही यहां टेंट, झंडे-बैनर दिखते थे।

गुलाबबाड़ी मैदान में भरा पानी व गिट्टी। अमृत विचार

वीआईपी, वीवीआईपी की आवाज और अंदाज की यह जमीन साक्षी रही। राजग के डिप्टी पीएम लाल कृष्ण आडवाणी से सिने तारिका हेमामालिनी जैसी तमाम हस्तियां यहां सभा को संबोधित कर चुके हैं। छहारदीवारी गिरी, जिसकी इच्छा हुई कूड़ा ठेल दिया। खाली होने पर छोटे आयोजन अब भी होते हैं लेकिन अब वह रौनक कहां?

पुरानी यादें और आज की बदहाल स्थिति

शहर के राम किशोर गुप्ता कहते हैं, देखने पर दर्द उभरता है। पुराने दिन याद आते हैं। खिलाड़ी राजेश कहते हैं यह कभी क्रिकेट, हॉकी जैसे खेलों के लिए जाना जाता था। आज बारिश के पानी से लबालब है। जहां खिलाड़ी खेलों में पसीना बहाते थे, आज वहां मच्छरों का डेरा है। दिनेश जायसवाल कहते हैं यहां सभी दलों के बड़े नेता इस स्थल पर चुनावी रैली को संबोधित कर चुके हैं। लेकिन अब इसकी हालत खराब हो गई। लोगों का कहना है कि इससे खेलने और टहलने लायक बनाया जाए।

छात्रों से साझा किए पीएम के पंच प्रण व 11 संकल्प

अवध विवि में विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम में मौजूद यूथ आईकान शिवेंद्र प्रताप सिंह व अन्य। अमृत विचार

अयोध्या, अमृत विचार : अवध विवि के एमबीए परिसर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नामित यूथ आइकॉन शिवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा विकसित युवा कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित किया गया। उन्होंने बदलते भारत की तस्वीर पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण और 11 संकल्प छात्र-छात्राओं से साझा किया। एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो.शैलेन्द्र वर्मा ने भारत सरकार के यूथ आईकॉन को प्रभु श्रीरामनामी पट्टिका भेंट कर स्वागत किया। इसी क्रम में उन्होंने विकसित भारत के महत्वपूर्ण पैरामीटर को समझने के लिए छात्र छात्राओं को सजग किया।संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अनुज पटेल ने किया।

न्यूज ब्रीफ

475 स्ट्रीट लाइट जलीं

रुदौली, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद रुदौली की 475 स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ विधायक राम चंद्र यादव और पालिकाध्यक्ष जब्बार अली ने संयुक्त रूप से श्रीराम वार्ड के परी माता मंदिर से किया। विधायक के स्विच ऑन करते ही पूरा नगर दूधिया रोशनी से जगमगा उठा। इसके बाद विधायक रामचंद्र यादव ने परी माता मंदिर पर साढ़े आठ लाख रुपये की लागत से बनने वाले विश्रामालय का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने शारदीय नवरात्रि के पवित्र पावन अवसर पर नगरवासियों को यह सौगात है। इस अवसर पर जिपं सदस्य रामनेवल लोधी सहित बाबू कल्याण सिंह वार्ड के सभासद भाजपा नगर अध्यक्ष रामराज लोधी, रामलला यादव, उमाशंकर कसौधन, आशीष वैश्य आदि मौजूद रहे।

साप्ताहिक बंदी का मिला जुला असर

शुजागंज, अमृत विचार : रुदौली तहसील क्षेत्र की शुजागंज बाजार में बुधवार को साप्ताहिक बंदी इस सप्ताह प्रभावी नहीं रही। बाजार में कुछ दुकानों पर ताले लटके रहे, जबकि कई प्रतिष्ठान सामान्य दिनों की तरह खुले नजर आए। व्यापार मंडल के वरिष्ठ सदस्य रमेश गुप्ता ने कहा कि सप्ताह में एक दिन का अवकाश बेहद जरूरी है। लगातार काम से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें आती हैं।व्यापारी महेश गुप्ता ने कहा कि साप्ताहिक बंदी तभी प्रभावी हो सकती है जब सभी व्यापारी मिलकर इसका पालन करें। जिला अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता ने कहा कि दो से चार फीसदी लोगों ने दुकान खोली थी, अगले सप्ताह में वह भी बंद हो जाएंगी।

ड्योढ़ी टू फैजाबाद के लिए बस संचालन शुरू

सोहावल, अमृत विचार : ड्योढ़ी बाजार से फैजाबाद के लिए लंबे समय से लोगों की मांग आखिरकार पूरी हो गई। यहां से नियमित बस सेवा शुरू हो गई। ड्योढ़ी बाजार से फैजाबाद जाने वाली बस का किराया 45 रुपये तय किया गया है। फैजाबाद से ड्योढ़ी बाजार लौटने पर किराया 40 रुपये लगेगा। बस सुबह साढ़े आठ बजे ड्योढ़ी बाजार से फैजाबाद के लिए रवाना होगी। शाम छह बजे फैजाबाद से ड्योढ़ी बाजार के लिए वापस लौटेगी। नई बस सेवा से छात्रों, कर्मचारियों के साथ व्यापारियों और ग्रामीण यात्रियों को भी आसानी होगी। प्रधान संघ अध्यक्ष अनुराग सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता मुन्ना सिंह ने डीएम से मिलकर बस सेवा शुरू कराने की मांग की थी।

स्कालरशिप आवेदन 30 से पहले करें जमा

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : धार्मिक संस्था अंजुमन वजीफए सादात वा-मोमनीन की ओर से इंटरमीडिएट से ऊपर के शिक्षार्थियों को पढ़ाई के लिए स्कालरशिप दी जाएगी। संस्था के जनपद प्रभारी मौलाना मुहम्मद अब्बास रिजवी ने बताया कि स्कालरशिप के इच्छुक छात्र-छात्राएं इंटरनेट के माध्यम से आवेदन पत्र निकाल कर उनके हस्ताक्षर के उपरांत 30 सितंबर से पूर्व अलीगढ़ स्थित संस्था के मुख्यालय पर ऑनलाइन प्रेषित कर सकते हैं। बताया गया कि आवेदन-पत्र के साथ अंकपत्र, आधार, बैंक पासबुक और विद्यालय शुल्क की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

ग्रमीणों को मिल रही है बेहतर सुविधाएं

नगपुर, जलालपुर, अमृत विचार : आयुष्मान आरोग्य मंदिर जमीनपुर सुरजुपुर में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपकेंद्र प्रभारी बाल किशुन प्रजापति का सराहनीय योगदान है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, जमीनपुर सुरजुपुर उपकेंद्र क्षेत्र के निवासियों के लिए उम्मीद की किरण बना हुआ है। इस केंद्र की सफलता और सुचारू संचालन में उपकेंद्र प्रभारी बाल किशुन प्रजापति के परिश्रम और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका है। बाल किशुन के कुशल नेतृत्व में यह स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीणों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इस केंद्र पर नियमित रूप से बाह्य रोगी विभाग, प्रसव पूर्व देखभाल, टीकाकरण अभियान और जांच संबंधी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। आंचल, छेदी, बृजेश को उपचार के बाद निःशुल्क दवा दी गई।

सातवें दिन लगा शिविर

टांडा, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सदरपुर में लगातार सातवें दिन भी मंगलवार को चिकित्सा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव के दिशा-निर्देश में किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित पटेल सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे।

खो-खो हमारा परम्परागत खेल : शाही

मुख्य अतिथि कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री बोले- विदेशी टीमें शामिल होने से यह प्रतियोगिता अन्तरर्राष्ट्रीय हो गई

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : खो-खो हमारा परम्परागत खेल है। विदेशी टीमें शामिल होने से यह प्रतियोगिता अब राष्ट्रीय न होकर अन्तरर्राष्ट्रीय हो गई है। नवरात्र के मौके पर मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ द्वारा चलाये जा रहे अभियान मिशन 'शक्ति' के अवसर पर आयोजित यह प्रतियोगिता अत्यन्त सराहनीय है, क्योंकि इसमें बालिकायें ही प्रतिभाग कर रही हैं।ये बातें कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को कहीं। वह आशापुर स्थित अवध इण्टरनेशनल स्कूल के संयोजन में चल रही पांच दिवसीय सीबीएसई राष्ट्रीय खो-खो चैम्पियनशिप (बालिका)-2025 के दूसरे दिन के कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व स्कूल के अध्यक्ष शान्तनु सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के संरक्षक अतुल कुमार कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों, अभिभावकों, निर्णायक मण्डल के सभी सदस्यों, प्रतिभागी सभी टीमों के कोच- मैनेजरों व कार्यक्रम की व्यवस्था देख रहे विद्यालय परिवार का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महामंत्री अरुण अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, कमलेश श्रीवास्तव, शक्ति सिंह, चेत नरायन सिंह, उग्रसेन मिश्रा, सीबीएसई के प्रतिनिधि श्याम सुन्दर शर्मा, पर्यवेक्षक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, तकनीकी प्रतिनिधि आशीष समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं अभिभावकगण मौजूद थे।

अवध स्कूल में आए हुए टीम के कोच को सम्मानित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

दो कोच को सम्मानित करते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व रूदौली विधायक रामचंद्र यादव।

सभी कोच व मैनेजरों को किया सम्मानित

मुख्य अतिथि शाही समेत विशिष्ट अतिथि नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व विधायक रुदौली रामचन्द्र यादव ने प्रतियोगिता में आये सभी कोच एवं मैनेजरों को भगवान श्रीराम की प्रतिमा प्रदान कर सम्मानित किया। ओमान से प्रतिभाग कर रही तीन टीमों के कोच व मैनेजरों ने संयुक्त रुप से अपने देश का राष्ट्रीय ध्वज मुख्य अतिथि को भेंट किया।

अवध इण्टरनेशनल ने भगवत प्रसाद मेमोरियल को हराया

अवध इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में प्रतिभा करती टीमें।

अमृत विचार : अवध इंटर नेशनल स्कूल के खेल मैदान पर चल रही प्रतियोगिता के दूसरे दिन समाचार लिखे जाने तक सभी आयु वर्ग के कुल 41 मैच खेले जा चुके थे। अंडर 19 वर्ग में अवध इण्टरनेशनल स्कूल ने भगवत प्रसाद मेमोरियल स्कूल बांदा को पराजित कर जीत हासिल की। अण्डर 17 वर्ग में श्रीनारायना पब्लिक स्कूल केरल ने ऑवर ओन इंगलिश स्कूल शारजाह को पराजित किया। अण्डर 14 वर्ग में यश विद्या मन्दिर स्कूल अयोध्या ने इण्डियन स्कूल, सलाला ओमान को पराजित कर जीत हासिल की।

जच्चा की मौत, स्वास्थ्य उपकेंद्र के बाहर शव रख किया प्रदर्शन

तारुन, अयोध्या

- मामला सीएचसी तारुन के ननसा बाजार स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र का

अमृत विचार: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन अंतर्गत स्वास्थ्य उपकेंद्र ननसा बाजार में इलाज के दौरान जच्चा की मौत हो गई। इससे भड़के लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा काटा। शव को रखकर स्वास्थ्य उपकेंद्र का घेराव किया। शिवानी सोनी (25) पत्नी विशाल सोनी निवासी धौरहरा कुटी को प्रसव पीड़ा के बाद परिवार के लोग 16 अगस्त को आयुष्मान आरोग्य मंदिर ननसा बाजार पहुंचे।

एएनएम को दिखाया, 19 अगस्त को हालत बिगड़ने पर एएनएम ने तारुन स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भेज दिया। संचालक ने उसी रात ऑपरेशन करवा दिया, जिससे एक बच्चा पैदा हुआ, लेकिन महिला की हालत बिगड़ती देख उक्त संचालक ने 20 सितंबर को नाका स्थित एक हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया। वहां पर भी हालत बिगड़ती देख उसी दिन डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल लखनऊ भर्ती करना पड़ा। डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान पूरे शरीर में इंफेक्शन हो गया है। अंततः एक माह बाद 24 सितंबर को उक्त महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष के लोग ढेमा, मुड़िला, थाना मोतीगरपुर सुल्तानपुर निवासी शव को एंबुलेंस से स्वास्थ्य उपकेंद्र ननसा बाजार लाए और सामने रख कर प्रदर्शन किया। मांग रखी कि सीएमओ आकर प्रार्थना पत्र लें। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी तारुन संदीप त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद सीओ पीयूष व नायब तहसीलदार बीकापुर घनश्याम शुक्ला ने शव का पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजवा दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार बनियान ने कहा कि मैं मीटिंग में व्यस्त हूं।

सुल्तानपुर के दिनेश अध्यक्ष और बाराबंकी के विनोद बने महामंत्री

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद की मंडलीय बैठक बुधवार को एसएसवी इंटर कॉलेज में प्रदेशीय संरक्षक डॉ.श्रीनिवास शुक्ला की अध्यक्षता में हुई। सर्वसम्मति से नवीन मंडलीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। प्रधानाचार्यों का प्रदेशीय सम्मेलन दिसंबर माह में अयोध्या में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मंडल की नई कार्यकारिणी में अयोध्या के डॉ.मणिशंकर तिवारी को संरक्षक, सुल्तानपुर के दिनेश प्रताप सिंह को अध्यक्ष, अयोध्या के अमित सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष, बाराबंकी के डॉ. विनोद कुमार सिंह को महामंत्री, अंबेडकरनगर के अवनींद्र कुमार वर्मा को कोषाध्यक्ष, अमेठी के डॉ.मान सिंह को संगठन मंत्री व अयोध्या के डॉ.रामकृष्ण मिश्र को संरक्षण मंत्री चुना गया है। इसके साथ अमेठी की डॉ. सरिता सिंह, अयोध्या की नेहा सिंह, बाराबंकी के डॉ. शैलेंद्र कुमार, सुल्तानपुर के डॉ. रघुनायक द्विवेदी, अंबेडकरनगर के डॉ. अभय कुमार मौर्य, अयोध्या के विवेक श्रीवास्तव, अमेठी के मोहम्मद वाजिद को उपाध्यक्ष बनाया गया है। संयुक्त मंत्री के रूप में बाराबंकी के डॉ. रामू मौर्य सुल्तानपुर के शीतला प्रसाद तिवारी, अमेठी के देवी प्रसाद पाठक, अयोध्या के देवेंद्र सिंह, अंबेडकरनगर की ज्ञानमती वर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आय व्यय निरीक्षक के रूप में अयोध्या की ममता निषाद को मनोनीत किया गया है।

मलिन बस्ती में नगर निगम की स्वच्छता की मुहिम शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : महाराणा प्रताप वार्ड के अबूसराय गोदनाहर का पुरवा में स्वच्छता उत्सव का आयोजन कर नगर निगम ने बुधवार को मलिन बस्तियों को साफ सुथरा बनाने के साथ ही लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता पैदा करने की मुहिम छेड़ दी। शहर की एक मलिन बस्ती में यह आयोजन हर सप्ताह किया जाएगा। इस मौके पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित कर स्थानीय लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

महापौर गिरीश पति त्रिपाठी की अगुवाई में पार्षद प्रतिनिधि सुफियान, पार्षद रामशंकर, भाजपा के मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आरएम शुक्ल, जोनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी, मुख्य सफाई निरीक्षक कमल कुमार एवं क्षेत्रीय नागरिकों के साथ भ्रमण कर श्रमदान के माध्यम से गलियों की सफाई की। उन्होंने तालाब एवं नालियों में जमा कूड़े की निकासी कराई। तालाब से प्लास्टिक समेत हर प्रकार का कचरा हटाने के लिए जेसीबी मशीन का प्रयोग किया गया।जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया।

नकल की मांग पर तहसीलदार का इनकार

टांडा, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आम जनता को त्वरित न्याय दिलाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग के अधिकारी अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं।

ताजा मामला टांडा तहसील का है। जहां पर एक दर्जन से अधिक मुकदमों के फरियादी लगभग दो महीने से अपने मुकदमों में नकल प्रमाणित प्रति की मांग कर रहे हैं, लेकिन तहसीलदार निखिलेश कुमार लगातार नकल जारी करने से इनकार कर रहे हैं। वहीं फरियादियों के अधिवक्ता प्रदीप कुमार मौर्य ने तहसीलदार से मुलाकात कर नकल आवेदन जारी करने का अनुरोध किया। इस पर तहसीलदार बुरी तरह भडक़ गए और अधिवक्ता से बदसलूकी करते हुए दर्जनों लोगों की मौजूदगी में खुलेआम कहा कि जाइए मैं नकल नहीं जारी करूंगाए जो करना हो कर लीजिए। तहसीलदार के इस रवैये से नाराज अधिवक्ता प्रदीप मौर्य ने वहीं पर धरने पर बैठने की चेतावनी दी। स्थिति बिगड़ती देख तहसीलदार तत्काल अपने आवास चले गए। इस संबंध में जब टांडा तहसीलदार निखिलेश कुमार से बातचीत का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन ही नहीं उठाया।

तहसीलदार का विवादों से रहा है पुराना नाता

तहसीलदार निखिलेश कुमार का विवादों से पुराना नाता रहा है। मार्च माह में भी टांडा अधिवक्ता संघ ने उनके भ्रष्टाचार और मनमानी के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया था। उस समय तत्कालीन जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अधिवक्ताओं को आश्वासन देकर मामला शांत कराया था। लेकिन उनके ट्रांसफर के बाद यह प्रकरण ठंडे बस्ते में चला गया और तहसीलदार की मनमानी और तेज हो गई। सूत्र बताते हैं कि तहसील के सभी पटलों पर प्राइवेट व्यक्तियों के माध्यम से काम कराया जा रहा है और इसके बदले मोटी रकम वसूली जा रही है। यही कारण है कि फरियादी महीनों तक चक्कर काटने को मजबूर हैं। अधिवक्ता संघ का कहना है कि यदि फरियादियों को नकलें शीघ्र उपलब्ध नहीं कराई गईं तो वह बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

घूस लेते पकड़ा गया कंप्यूटर ऑपरेटर

अंबेडकरनगर : अमृत विचार, कटेहरी ब्लॉक में मनरेगा कंप्यूटर ऑपरेटर को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ एंटी करप्शन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि कटेहरी ब्लॉक में तैनात संविदा कर्मचारी विवेक सिंह मनरेगा से संबंधित भुगतान का बिल बनाने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था। नटकहा गांव के प्रधान महेंद्र सिंह ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से किया। प्रधान ने बताया कि विवेक सिंह ने मनरेगा के कार्यों का बिल पास करने के एवज में उनसे पांच हजार रुपए की मांग की गई थी। शिकायत की पुष्टि के बाद एंटी करप्शन की टीम ने बुधवार को कटेहरी ब्लॉक मुख्यालय पर दबिश देकर की कार्रवाई।

ग्रामीणों ने एसपी से की मुलाकात आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जनपद में बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णकांत अंबेडकर पंकज के नेतृत्व में छोटकी हरीपुर गांव के ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने दबंगों द्वारा शशिकांत और सुरेंद्र को घायल किए जाने के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की।

पीडित्त शशिकांत ने बताया कि बीते 21 सितंबर को वह खेत की रखवाली कर रहे थे। इस दौरान लालपुर महमदपुर के नवनीत वर्मा और उनके जीजा महात्मा वर्मा कुछ अन्य लोगों के साथ पुरानी रंजिश के चलते वहां आए। उन्होंने लोहे की रॉड और लाठियों से हमला कर दिया। हमले में शशिकांत का सिर फट गया। बचाव के लिए आए सुरेंद्र को भी रॉड से मारा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पीडित्त के भाई ने घटना के दिन ही एफआईआर दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने आरोपियों को पकडने के बाद शाम को छोड़ दिया। तब से आरोपी मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। वह जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। डरे हुए ग्रामीणों ने एसपी से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन देने के दौरान बसपा नगर महासचिव सुरजीत गौतम, रूपेश, विक्रम, सोनू, आजाराम सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

चारों ने दो लाख रुपये का सामान किया पार

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार: मालीपुर थाना क्षेत्र के सुरहुरपुर बाजार में स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान में बीती रात चोरों ने नकब लगा कर दो लाख रुपए कीमत सके जेवरात को गायब कर दिया। चोरी का पता दुकान मालिक को बुधवार सुबह चला तो पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन किया। बता दें कि मित्तूपुर आजमगढ़ निवासी अविनाश कुमार की सुरहुरपुर बाजार स्थित राधेश्याम शर्मा के कमरे में किराए पर ज्वेलर्स की दुकान है। पीडित्त ने बताया कि मंगलवार को वह दुकान बंद करके घर चला गया और बुधवार को जब वह वापस आया तो देखा दुकान के पीछे नकब लगा कर चोरों ने दुकान से दो लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात गायब कर दिया।

शिकायत के बाद सफाई कर्मचारी निलंबित

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद के कटेहरी विकास खंड के बरामदपुर जरियारी में तैनात सफाईकर्मी ऋषि कपूर को निलंबित कर दिया गया है। उन पर ग्राम पंचायत के सार्वजनिक मार्गों, नालियों और शासकीय भवनों की नियमित साफ-सफाई नहीं करने का आरोप है।ग्राम पंचायत सचिव और प्रधानाध्यापक ने शिकायत की थी कि ऋषि कपूर हरिनाथपुर में सफाई के लिए जाते ही नहीं थे। इस शिकायत पर एडीओ पंचायत कटेहरी ने जांच किया। एडीओ पंचायत ने अपनी रिपोर्ट डीपीआरओ को भेजी। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करते हुए ऋषि कपूर को निलंबित कर दिया गया है। वहीं मामले में एडीओ पंचायत रामनगर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

टांडा में हटा अतिक्रमण, जल निकासी हुई बहाल

टांडा, अंबेडकरनगर

टांडा में अवैध अतिक्रमण को हटाते नगर पालिका के कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार: नगर पालिका के वार्ड संख्या 05 मुबारकपुर पूरब में लंबे समय से जल निकासी की समस्या का निदान जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश पर अतिक्रमण हटाकर कर कर दिया गया है।

बता दें कि मुबारकपुर में वार्ड नंबर पांच में जल निकासी की समस्या लम्बे समय से थी। उसी के निकट दुर्गा पूजा पंडाल सजाया जा रहा है। जल निकासी न होने से भयंकर बदबू आ रही थी और पानी ऊपर बह रहा था। इसी बीच केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति मुबारकपुर के अध्यक्ष पिंटू जायसवाल की शिकायत पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए उपजिलाधिकारी टांडा प्रभारी अधिशाषी अधिकारी अरविंद त्रिपाठी को तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही एसडीएम ने नगर पालिका टीम को मौके पर भेजकर कार्रवाई कराई। टीम ने शंकर पुत्र देवी प्रसाद और श्यामजी सोनी पुत्र बाबूलाल समेत कई लोगों के मकान व दुकानों के सामने बने अवैध चबूतरे को जेसीबी से तोड़ दिया। कार्रवाई के बाद जल निकासी व्यवस्था बहाल हो सकी।अतिक्रमण हटाए जाने पर स्थानीय लोगों ने महासमिति की सराहना की। अभियान के दौरान टीएस शमसाद जुबैर, जलकल अवर अभियंता आशीष कुमार चौहान, सफाई नायक मोहम्मद सुहैल, सफाई नायक परवेज अहमद, मोहम्मद हुसैन सहित करीब एक दर्जन सफाई कर्मी मौजूद रहे। प्रभारी ईओ अरविंद त्रिपाठी ने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा।

युवती से छेड़छाड़ मुकदमा दर्ज

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार: जनपद के मालीपुर थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीडित्ता ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री और उसकी सहेली जब खेत में काम करने या बकरी चराने जाती हैं, तो एक युवक इंद्रजीत उनके सामने अश्लील गाने गाता है। पीडित्ता ने बताया कि इस हरकत से उसकी पुत्री और उसकी सहेलियों को आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार समझाने के बावजूद इंद्रजीत अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। जब पीडित्ता ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। थाना अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने पीडित्ता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई में 90 प्रतिशत तक मिलेगा अनुदान

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई के उपघटक प्पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रोइरीगेशन अन्तर्गत 50 कृषकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम राजकीय डॉ. अंबेडकर उद्यान में जिला उद्यान अधिकारी धर्मेन्द्र चन्द्र चौधरी के अध्यक्षता में कराया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र पांती के अध्यक्ष वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामजीत और अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी द्वारा विभागीय योजना के साथ पर पर ड्रॉप मोर क्रॉप में जनपद का प्राप्त लक्ष्य और प्रगति तथा 75 से 90 फीसदी अनुदान अनुदान के बारे में बताया गया। साथ ही ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई से नैनो यूरिया व नैनो डीएपी का प्रयोग व उससे लाभ तथा उत्पादन पर पडने वाले प्रभाव के बारे में विस्तृत चर्चा की। केवीके के अध्यक्ष डॉ. रामजीत द्वारा कृषकों के मध्य जल संचयन और वैज्ञानिक तरीके से उपयोग करने और विभिन्न फसलों में अलग सिंचाई तकनीक अपनाने की सलाह दी तथा असमय वर्षा और कम अवधि में अधिक वर्षा होने से वाटर लेवल के रिचार्ज न होने को समस्या पर चर्चा करते हुए जल प्रबंधन की तकनीकी से कृषकों को रूबरू कराया गया। पशुपालन के वैज्ञानिक डॉ. प्रशान्त कुमार द्वारा प्राकृतिक खेती के माध्यम से जल संचयन पर जोर दिया गया।

मछुआ समाज को तकनीकी रूप से करें प्रशिक्षित

- जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक
- अगले माह तक 10 हजार नए बीमा एवं रजिस्ट्रेशन कराने का लक्ष्य

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, उप निदेशक कृषि और जिला विकास अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य तथा मत्स्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी की उपस्थिति में मत्स्य विभाग की योजनाओं की प्रगति और वन ट्रिलियन इकोनामी में योगदान की सम्भावनाओं की गहन समीक्षा किया।

बैठक में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, सघन मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम योजना उप्र मत्स्य पालक कल्याण कोष योजनान्तर्गत चिकित्सा सहायता, दैवीय आपदा योजना, शिक्षा सहायता योजना, वैवाहिक सहायता व मोपेड विद आइस बाक्स योजना की विस्तृत समीक्षा किया। मछुआ समुदाय के रोजगार बढ़ाने और आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए बैंको से स्वीकृत किसान क्रेडिट कार्ड मत्स्य की सूची प्राप्त कर उन्हें प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। मछुआ दुर्घटना बीमा योजना से सभी मछुआ समुदाय को आच्छादित करने आसैर एनएफडीपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए गए।

जिसके लिए कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी एवं ब्लाक स्तर से पंचायत सहायकों की सहायता से अगले माह तक 10 हजार नए बीमा एवं रजिस्ट्रेशन कराने का लक्ष्य दिया गया। जनपद में उपलब्ध पर्याप्त जल क्षेत्र की प्रबल सम्भावनाओं के दृष्टिगत शासन स्तर से समस्त विभागीय योजनाओं के लक्ष्य बढ़ाने के लिए डीओ लेटर के माध्यम से प्रेषित करने के निर्देश दिए।

तालाबों का आवंटन जल्द कराने के दिए निर्देश

0.5 हेक्टेयर जलक्षेत्र पर कार्यरत महिला पट्टाधारकों, निजी जल क्षेत्र पर मत्स्य पालन कर रही महिलाओं की सूची समस्त तहसीलों और निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष से प्राप्त कर सघन मत्स्य पालन योजना में आच्छादित कराने के निर्देश दिए। मत्स्य पालकों और मछुआ समुदाय के 5000 व्यक्तियों को मत्स्य पालन से सम्बन्धित देश के प्रमुख मत्स्य शिक्षण संस्थाओं में तकनीकी प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए गए। सभी उपजिलाधिकारियों से सम्पर्क कर जनपद के समस्त तहसीलों के अवशेष पट्टा योग्य तालाबों का आवंटन शीघ्रातिशीघ्र कराने के निर्देश दिए। ताकि मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाई जा सके। 200 से 250 मछुआ समुदाय के लोगों को लोहिया भवन में बैठक कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में उपलब्ध ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन से जुड़ी सभी मशीनों का सुरक्षित और पारदर्शी रख-रखाव सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के समय सभी ताले, सीसीटीवी कैमरे तथा सुरक्षा प्रबंधों की जांच की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक तिमाही में इस प्रकार का संयुक्त निरीक्षण किया जाता है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं विश्वास कायम रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. सदानंद गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडी अनिल कुमार सिंह, डीसी एनआरएलएम, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी महेश चंद्र द्विवेदी सहित भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, सपा, बसपा, अपना दल आदि राष्ट्रीय एवं राजकीय पार्टियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण करते जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम सिंह।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट ने तलब किए शैक्षिक रिकार्ड

सुलतानपुर, अमृत विचार : गैंगरेप के केस में पीड़िता को बालिग बताने के मामले में विशेष कोर्ट न्यायाधीश संध्या चौधरी ने शैक्षिक रिकार्ड तलब कर सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तारीख नियत किया है। पीड़िता के वकील शेख नजर अहमद ने कोर्ट को अवगत कराया कि पीड़िता नाबालिग है तथा मामला पॉक्सो एक्ट के तहत विचारण योग्य है। धम्मौर थानाक्षेत्र के एक गांव के पिता ने उसकी पुत्री से गैंगरेप के आरोप में नीरज व विजय प्रजापति के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : संत तुलसीदास पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। निबंध प्रतियोगिता और गांधी के सपनों का भारत विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। प्राचार्य प्रो. रामनयन सिंह और अन्य शिक्षकों ने स्वयंसेविकाओं के गीत व कार्यक्रमों की सराहना की।

एसवीएम के बच्चों ने बढ़ाया मान

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : माधव ज्ञान केंद्र सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज झारखंड कादीपुर के छात्र-छात्राओं ने त्रिदिवसीय प्रांतीय खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन किया। प्रभुअंश, आयुष यादव, सिद्धार्थ सिंह, हर्ष पांडे और विकास शुक्ला ने विभिन्न खेलों में पुरस्कार जीते। विद्यालय ने वार्षिक गीत व वंदना प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अपहरण व दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष की कैद

न्यायालय ने लगाया 15 हजार रुपये अर्थदण्ड, संपूर्ण रकम पीड़ित किशोरी को देने का कोर्ट ने दिया आदेश

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म मामले में स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट नीरज कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी विजय विश्वकर्मा को अपहरण व दुष्कर्म के अपराध में 10 साल के कैद की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने दोषी पर 15 हजार रुपए अर्थदण्ड भी लगाया है जिसकी सम्पूर्ण रकम कोर्ट ने पीड़िता को देने का आदेश भी दिया है।

अमेठी जिले के संग्रामपुर थाने के एक गांव की रहने वाली पीड़िता किशोरी की मां ने एक मई 2024 की घटना बताते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया। आरोप के मुताबिक स्थानीय थाने का रहने वाला आरोपी विजय विश्वकर्मा उनकी 16 वर्षीय पुत्री को बहलाकर बुलाया और अपहरण कर ले गया और दुष्कर्म जैसी वारदात को अंजाम दिया। मामले का विचारण स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष से विशेष लोक अभियोजक सीएल द्विवेदी ने केस की पैरवी की। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों के आधार पर दोषी को उसकी करनी की सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया।

आत्महत्या के दुष्प्रेरण केस में मेरठ के पुलिस अधीक्षक ने दी गवाही

संवाददाता, सुलतानपुर : पत्नी के उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या करने के मामले में बुधवार को अभियोजन पक्ष के गवाह मेरठ के एसपी राघवेंद्र कुमार मिश्र ने विशेष न्यायाधीश राकेश पांडेय की अदालत में गवाही दर्ज कराई। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता संतोष पांडे ने जिरह की। मामला अयोध्या जिले के कैंट थाना क्षेत्र के चक गौरा नियावां निवासी नरसिंह नारायण पांडेय के पुत्र राहुल की आत्महत्या से जुड़ा है। उसने 10 जनवरी 2013 को सीताकुंड मोहल्ले में फांसी लगाकर जान दी थी। मृतक के पिता की तहरीर पर दर्ज केस में पुलिस ने उनकी पुत्रवधू सुधा पांडे, मुन्ना उर्फ इंद्रेश तिवारी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। मामले में गवाही देने वाले राघवेंद्र कुमार मिश्र घटना के समय लंभुआ के सीओ थे। वर्तमान में वह मेरठ जिले में यातायात पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात हैं। अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 29 सितंबर नियत की है।

गुंगवाछ कांड में वादी की गवाही दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर : अमेठी के गुंगवाछ कांड में बुधवार को वादी मुकदमा अमरजीत यादव से बचाव पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय समेत अन्य आरोपियों के वकीलों ने जिरह की। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 9 अक्टूबर तय की है। 15 मार्च 2022 को अमेठी जिले के ग्राम पूरे राजापुर मौजा गुंगवाछ के पूर्व ग्राम प्रधान संकठा यादव, उनके पुत्र हनुमान उर्फ बजरंगी, अमरेश यादव व पत्नी नइका उर्फ पार्वती देवी की जमीन को लेकर चल रही रंजिश में हत्या कर दी गई थी। मामले में लगातार कार्रवाई चल रही है।

जिले की मुक्केबाज रागिनी ने राष्ट्रीय स्तर पर बिखेरी चमक

- 74वें ऑल इंडिया बॉक्सिंग क्लस्टर में सिल्वर मेडल से बढ़ाया मान

सुलतानपुर, अमृत विचार: जिले की राष्ट्रीय खिलाड़ी रागिनी उपाध्याय ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। रागिनी का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा में हुआ था और वे लगातार बॉक्सिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। हाल ही में हरियाणा पुलिस एकेडमी में 20 से 24 सितंबर तक आयोजित 74वें ऑल इंडिया बॉक्सिंग क्लस्टर में उन्होंने सिल्वर मेडल हासिल कर जिले का मान बढ़ाया।

रागिनी उपाध्याय

रागिनी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जिले से प्राप्त की। उनके पिता रवि दत्त उपाध्याय फायर ब्रिगेड में 16 वर्षों तक सेवा दे चुके हैं। मूलतः आजमगढ़ निवासी रागिनी ने बॉक्सिंग से अपने करियर की शुरुआत की और इसी के बल पर पुलिस सेवा में उनका चयन हुआ। उन्हें 2023 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। वर्तमान में रागिनी साई बॉक्सिंग कोच नवीन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। रागिनी की सफलता पर उनके पिता रवि दत्त उपाध्याय, विजय यादव, नसीरुद्दीन, मुनेंद्र मिश्रा और प्रशिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

बारिश की मार झेल रहा कच्चा मकान भरभरा कर गिरा

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार: मंगलवार शाम लंभुआ नगर पंचायत क्षेत्र के विवेक नगर में जोखई के पुत्र रामू का कच्चा मकान अचानक भरभरा कर गिर पड़ा। हादसे के वक्त घर में मौजूद रामू, उनकी पत्नी अनीता और दो छोटे बच्चे बाल-बाल बच गए।

मकान गिरने से बेघर हुआ परिवार।

मकान ढहने से परिवार का राशन और घरेलू सामान मिट्टी के मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। अचानक बेघर हुए परिवार की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। मजबूरी में परिवार तिरपाल डालकर गुजर-बसर करने को विवश है। पीड़ित ने हल्का लेखपाल और नगर पंचायत को घटना की जानकारी दी

- प्रशासन को दी गई सूचना, मदद के इंतजार में है पीड़ित परिवार

है, लेकिन अब तक कोई अधिकारी मौके पर जांच करने नहीं पहुंचा। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही से गरीब परिवार राहत से वंचित है।

मकसूदन में लाखों के गहने व नकदी चोरी, लोगों में दहशत

लंभुआ, सुलतानपुर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मकसूदन गांव में मंगलवार रात हुई बड़ी चोरी की घटना ने पूरे गांव को दहशत और आक्रोश में डाल दिया। चोर ग्रामीण मोहम्मद रिजवान पुत्र हनीफ साईं के घर से अस्सी हजार रुपये नकद और गहने चोरी कर ले गए। यह रकम परिवार ने मौसी के प्रसव और ऑपरेशन के लिए सुरक्षित रखी थी।

पीड़ित परिवार की पुत्री सब्बो ने घटना की जानकारी वीडियो के माध्यम से सार्वजनिक की। ग्रामीणों ने रातभर अफरा-तफरी के बाद सुबह करीब 4 बजे 112 डायल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे मोटरसाइकिल सवार पुलिसकर्मियों के बयान ने आक्रोश और बढ़ा दिया। पुलिस ने कहा कि यह चोरी गांव के ही लोगों ने की है।

ग्रामीणों ने पलटवार करते हुए कहा कि चोर चाहे गांव का हो या बाहर का, पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह दोषियों को पकड़कर माल बरामद करे। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते कई दिनों से रात में ड्रोन जैसी गतिविधियां देखी जा रही हैं, जिससे भय का माहौल और गहराता जा रहा है। उन्होंने इसके वीडियो भी साझा किए हैं। ग्राम प्रधान रवि मिश्रा, श्याम बहादुर सिंह (सोनू), लम्बदार साईं, रामसुख हरिजन, रामकेवल यादव, पप्पू साईं, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सनी सिंह, मद्दे लाल, वीरू सिंह, अनिल सिंह, अजय शुक्ला, सत्य प्रकाश बरनवाल समेत महिलाओं ने भी पुलिस की रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान। ● अमृत विचार

एक ही रात में चोरों ने दो घरों पर बोला धावा

- कुछमुछ माधवपुर में नकदी-जेवर चोरी दूसरे घर से भैंस ले जाते दिखे चोर

भदैंया, सुलतानपुर : कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के दहलवा, कुछमुछ गांव में मंगलवार रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। पहली घटना में शमशाद के घर से तीन हजार रुपये नकद और गहने चोरी हो गए, जबकि दूसरी घटना में चोर भैंस ले जाने की कोशिश में नाकाम रहे। ग्रामीणों के अनुसार, रात लगभग 12 बजे चोर बाउंड्रीवाल कूदकर शमशाद के घर में घुसे और कमरे का ताला तोड़कर ब्रीफकेस में रखी नगदी व गहने उठा ले गए। सामान ले जाते समय जब शमशाद की पत्नी जागी और शोर मचाया तो चोरों ने असलहा दिखाकर डराया और फिर मौके से भाग निकले। घर की तलाशी लेने पर पता चला कि तीन हजार रुपये नगद, कान का झुमका और पायल चोरी हो चुके थे। घटना की जानकारी पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जुनेद अहमद समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम के साथ बुधवार सुबह कोतवाली देहात पुलिस भी मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार से जानकारी लेकर चोरी का खुलासा करने का आश्वासन दिया। इसी रात गांव की निषाद बस्ती में भी चोरों ने बुड़ारी निषाद के घर पर धावा बोला और भैंस ले जाने की कोशिश की, लेकिन परिजनों के जग जाने पर चोर भैंस छोड़कर जंगल की झाड़ियों में भाग निकले।

खुद के दुख भूल मृतकों के घर पहुंचे पूर्व विधायक ने बांटा दर्द

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के धरियामऊ में सोमवार देर रात निर्माणाधीन मकान की शटरिंग ढहने से हुई दर्दनाक दुर्घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई थी। घटना से व्यथित पूर्व सपा विधायक संतोष पांडेय मंगलवार को मृतकों के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया।

पीड़ित के घर पहुंचे पूर्व विधायक संतोष पांडेय।

पूर्व विधायक ने मृतक अर्जुनपुर गांव के दो सगे भाई आनंद सरोज और विक्रम सरोज तथा हिमांशु के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की। उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया कि हर सुख-दुख में वे उनके साथ खड़े रहेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद सत्तापक्ष का कोई भी जनप्रतिनिधि अब तक मृतकों के घर नहीं पहुंचा है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है।

आभूषणों संग दबोचे गए दो शातिर

गोसाईगंज, सुलतानपुर

अमृत विचार: गोसाईगंज थाना पुलिस ने चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं।

थाना गोसाईगंज क्षेत्र में बीते 28 जुलाई को पलिया निवासी नूरजहां और 11 सितंबर को खेड़ी बाबूगंज निवासी शैलेश कुमार शर्मा ने चोरी की तहरीर दी थी। इन मामलों की जांच के लिए पुलिस टीम गठित की गई। बुधवार को उपनिरीक्षक द्विवेश त्रिवेदी और संजय प्रसाद गश्त के दौरान सुदनापुर चौराहे पर थे, तभी मुखबिर की सूचना पर पखनपुर मोड़ के पास घेराबंदी कर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया।

पुलिस हिरासत में पकड़े गए चोर साथ में जब्त सामान। ● अमृत विचार

- गोसाईगंज पुलिस की बड़ी सफलता कई वारदातों का हुआ खुलासा

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सुंदर वनराजा (22) निवासी बनगवा थाना महराजगंज, जनपद अयोध्या और श्रीराम वनराजा (32) निवासी नटौली खुर्द थाना गोसाईगंज, सुलतानपुर के रूप में हुई। तलाशी में 476 ग्राम सफेद धातु और 5.16 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए। पूछताछ में दोनों ने हाल ही में पलिया और खेड़ी बाबूगंज में हुई चोरियों में संलिप्तता स्वीकार की।

बीएसए से मिल गिनाईं समस्याएं

सुलतानपुर, अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बीएसए उपेन्द्र गुप्ता और वित्त एवं लेखाधिकारी राम बचन राम से मुलाकात कर परिषदीय शिक्षकों की लंबित समस्याओं का निस्तारण मांगा। बैठक में चयन वेतनमान, प्रोन्नत वेतनमान, सेवानिवृत्त शिक्षकों की सूची, निलंबन बहाली व अवरुद्ध वेतन जैसी मांगों पर चर्चा हुई। बीएसए व एएओ ने समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। मौके पर संघ अध्यक्ष दिलीप कुमार पांडेय, संयुक्त मंत्री प्रशांत पांडेय और कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पहचान मत छुपाओ, प्रतिदिन तिलक लगाओ

सुलतानपुर, अमृत विचार : कटका क्लब सामाजिक संस्था ने सुलतानपुर को कुशभवनपुर बनाए जाने को लेकर बुधवार को सीताकुंड घाट पर तिलक लगाओ अभियान चलाया।

कथा वाचक शनि मिश्र ने कहा कि मौजूदा समय में लोग धीरे-धीरे चंदन लगाने की परंपरा से दूर होते जा रहे हैं। तिलक आध्यात्मिक चेतना को जागृत करता है, वहीं नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है। कटका क्लब सामाजिक संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि भगवान राम ने अपने वनवास के दौरान गोमती नदी के तट पर स्थित सीता कुंड में स्नान किया था।मध्यकाल में खिलजी वंश के शासकों ने कुशभवनपुर पर अधिकार कर कुशभवनपुर का नाम सुलतानपुर कर दिया। संस्था कुशभवनपुर बनाने को लेकर लड़ रही है। इस मौके पर बृजेन्द्र मिश्र, अनिल सिंह, अरविंद यादव, विवेक सिंह, अमित तिवारी, विवेक शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपने पुत्र का नाम Raja से बदलकर Harsh Rajput कर दिया है। उसे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। Jeevan Lal S/O Sri Shyam Lal, R/O Village & Post-Bhitauli Kalan, Nababganj, District - Barabanki 225003

सूचना

मैं, **सान्या पत्नी श्री गिरीश कुकरेजा 91 रतन लाल नगर, कानपुर –** 208022, यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम सान्या से बदलकर सान्या सिंघानी कर लिया है। यह नाम परिवर्तन सभी आगामी कार्यो और दस्तावेजों में प्रभावी रहेगा।

सूचना

मैने अपना नाम HASAN BANO से बदलकर HASAN VANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-RAHAMAT ULLAH ग्राम–गोल्हीपुर जिला–बलरामपुर (उ0प्र0)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ARSHI से बदलकर MOHAMMAD ARSHI KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-KAMMAL AHMAD ADD-356/225/433, ASHOK NAGAR NEAR DHANIYA MEHRI PUL RAJAJIPURAM DIST-LUCKNOW-226017 (U.P)

सूचना

मैं **कृष्ण कुमार यादव पुत्र स्व0 सरदार सिंह निवासी–555ज/80, मेंहदी खेड़ा, मानकनगर, लखनऊ,** मेरी पुत्री का सही नाम हनी यादव (HONEY YADAV) है। पुत्री के अंग्रेजी नाम में त्रुटिवश हनी यादव (HUNNEY YADAV) हो गया है जो कि गलत है। पुत्री के अंग्रेजी नाम की स्पेलिंग में (HUNNEY YADAV) की जगह (HONEY YADAV) लिखा जाये जो कि सत्य एवं सही है।

सूचना

विदयानिवास बनाम सरकार ग्राम–बभनगांव, परगना– बुढ़ापायर तहसील – मनकापुर, जनपद–गोण्डा धारा – 80 (2) उ0प्र0 राजस्व सहिंता 2006 गाटा सं0–397/0.3060 हे0 में से 0.0180हे0 की धारा–80 (2) यू0पी0आर0 सी0 घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो न्यायालय उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।

उपजिलाधिकारी
मनकापुर जनपद गोंडा

सूचना

मैं, **संदीप पांडेय, पुत्र श्री रामचंद्र पांडेय निवासी ग्राम देनवा, पोस्ट गोसाईगंज, तहसील जयसिंहपुर, जनपद सुल्तानपुर,**. मेरा पुत्र अथर्व पांडेय का जन्म दिनांक 09/09/2016 है। यह जन्मतिथि उसके जन्म प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड में अंकित है और सत्य एवं सही है। किन्तु स्थानांतर प्रमाण पत्र कक्षा चार (4) की (TC) में भूलवश उसकी जन्मतिथि 09/09/2015 अंकित हो गई है, जो कि गृलत है। अतः मेरे पुत्र अथर्व पांडेय की सही जन्मतिथि 09/09/2016 मानी जाए और विद्यालय के अभिलेखों में उसी के अनुसार दर्ज की जाए।

सूचना

मैं **आयुष अग्रवाल पुत्र आशीष अग्रवाल निवासी 41/146 रामरतन बाजपेयी रोड नरही लखनऊ,** मेरी हाईस्कूल मार्कशीट / सार्टिफिकेट अनुक्रमांक– 23222899 मेरे नाम की स्पेलिंग AYUSH AGRAWAL अंकित है जबकि वास्तविक स्पेलिंग AYUSH AGARWAL तथा माता व पिता के भी SHRUTI AGRAWAL व पिता में ASHISH AGRAWAL के स्थान पर सही स्पेलिंग SHRUTI AGARWAL व ASHISH AGARWAL अंकित किया जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इण्टरमीडिएट सीबीएसई बोर्ड वर्ष– 2020, जिसका अनुक्रमांक– 5170920 है, जिसका अंकपत्र व सहप्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। साथ ही स्थानांतरण प्रमाण पत्र भी कही खो गया है। **हिमांशी रंजन पुत्री राकेश रंजन ग्राम व पोस्ट– बरवारीपुर, कादीपुर, जनपद–सुलतानपुर।**

सूचना

मैं **मफ्फूज़ अहमद पुत्र श्री मुनीर अहमद निवासी–485/250, लकड़मण्डी, बब्बू वाली गली, डालीगंज, फिश मार्केट के पास, निराला नगर, लखनऊ – 226020, उ0प्र0** का हूँ मेरे पासपोर्ट सं0 M 9110501, उक्त पासपोर्ट में मेरी जन्म तिथि 29.12.1991 अंकित है। जबकि आधार कार्ड व पैन कार्ड में मेरी जन्म तिथि 31.12.1987 अंकित है।

कस्तूरबा में मीना मंच के तहत हुए कार्यक्रम

बल्दीराय, सुलतानपुर

मीना मंच कार्यक्रम को संबोधित करती छात्रा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मंगलवार को मीना मंच के तहत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ ही आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना रहा।

इस दौरान मिशन शक्ति अभियान के तहत बीईओ श्याम बिहारी ने विद्यालय की छात्रा नरगिश बानो को एक दिन के लिए खंड शिक्षा अधिकारी का दायित्व सौंपा। छात्रा ने शिक्षा व्यवस्था के संचालन, गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी कार्यों का कुशलता से निर्वहन किया। बीईओ ने कहा कि मिशन शक्ति के जरिए छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम हो रहा है। इस मौके पर प्राशिसं ब्लॉक अध्यक्ष राज बख्श मौर्य, एआरपी विकास सिंह, अमरनाथ यादव, शिवकांत, किरन यादव, सरिता, प्रगति सिंह, अर्चना कुमारी, रीता सरोज समेत अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

- मिशन शक्ति के तहत छात्रा ने संभाला बीईओ का दायित्व

सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण रूप से लागू करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। वहीं, वार्डन तारा वर्मा ने बताया कि मीना मंच और

हादसे पर मुख्यमंत्री से मिले भाजपा नेता

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार: धरियामऊ गांव में मजदूरों के साथ हुए दर्दनाक हादसे को लेकर भाजपा नेता विकास वर्मा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और घटना की पूरी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही मामले की जांच कराने की बात कही। भाजपा नेता विकास वर्मा ने सोमवार को हुए इस हादसे में हताहत हुए मजदूरों के शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन से हर स्तर पर सहयोग दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री से भेंट के दौरान विकास वर्मा ने लंभुआ विधानसभा क्षेत्र की अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया।

संदिग्धावस्था में घूम रहे युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया

अखंडनगर, सुलतानपुर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के अलीपुर से वीरीहाजीपुर मार्ग पर मंगलवार शाम दो युवक बिना नंबर की कीमती मोटर साइकिल से घूमते देखे गए। क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें उमरी मंदिर के पास रोककर पूछताछ की, लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर न मिलने पर शक गहराता चला गया। युवकों की बोली भाषा लोगों की समझ से परे थी, जबकि अंग्रेजी वार्ता से यह स्पष्ट हुआ कि उनमें से एक युवक आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि युवक का कुछ माह पहले किसी युवती से संपर्क हुआ था और मंगलवार को उसके जन्मदिन पर गुलदस्ता व गिफ्ट लेकर क्षेत्र में पहुंचा था। भीड़ ने उसे संदिग्ध मानते हुए अभद्रता भी की। सूचना पर पुलिस रात लगभग साढ़े सात बजे मौके पर पहुंची और एक युवक को थाने ले आई, जबकि उसका साथी फरार हो गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक कुशवाहा ने बताया कि युवक को थाने लाया गया है। उसके साथ मारपीट किए जाने की बात भी सामने आई है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेसवार्ता | नेक्स्ट जेन –जीएसटी रिफार्म को लेकर जिला पंचायत सभागार में प्रेस से बोले विधायक राज प्रसाद उपाध्याय

2047 तक विकसित भारत के लिए हुआ जीएसटी सुधार

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार: नेक्सट जेन -जीएसटी रिफार्म को लेकर जिला पंचायत सभागार में जनप्रतिनिधियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता की।

बुधवार को भाजपा मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी के संयोजन में आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि जीएसटी में सुधार से हर वर्ग को फायदा मिलेगा। 2014 से पहले कांग्रेस जिस तरह की जीएसटी लाने का प्रयास कर रही थी उससे देश और जनता का नुकसान सुनिश्चित था। भाजपा ने हर राज्य की जनता, विपक्षी सरकार और मीडिया से जानकारी लेकर सुधार के साथ जीएसटी लागू की। जिसमे गरीब, किसान व आम आदमी को काफी राहत दी गई है। रोजमर्रा का समान सस्ता हुआ है। जीएसटी सुधार से 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार होगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में मेक इन व मेड इन से स्वदेशी को बढ़ावा दिया जा रहा है। एमएलसी शैलेन्द्र सिंह ने कहा जीएसटी रिफार्म पीएम मोदी का आम लोगों को दीवाली गिफ्ट है। उन्होंने जीएसटी के अनेक बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे

प्रेसवार्ता को संबोधित करते विधायक राजबाबू उपाध्याय। ● अमृत विचार

जनता को बहुत राहत मिलेगी। उन्होंने बताया दूध, पनीर, शैंपू, साइकिल, बच्चों के सामान, जरूरी घरेलू सामान पर अब शून्य या सिर्फ 5 फीसदी टैक्स लगेगा इसके पहले 12 फीसदी लगता था। इससे रोजमर्रा के खर्च कम होंगे। वही किसान के खेती में प्रयोग होने वाले समान, स्वास्थ्य, वाहन, शिक्षा आदि सस्ती होगी।

लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा ने जीएसटी सुधारों से पहले 2004 से 2014 तक और बाद के एनडीए सरकार में 2014 से वर्तमान तक अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की विस्तृत चर्चा की।विधायक राजेश गौतम ने जीएसटी सुधारों का व्यापक आर्थिक प्रभाव पर चर्चा की कहा कि 2017 में जब जीएसटी लागू हुआ तब 65 लाख करदाता थे जो 2025 तक बढ़कर 1.51 करोड़ से अधिक हो गए। प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी, जिला मंत्री आशीष सिंह रानू आदि मौजूद रहे।

85 लीटर कच्ची शराब पकड़ी

सुलतानपुर, अमृत विचार: आबकारी निरीक्षक जयसिंहपुर ने भटमई चौकी इंचार्ज के साथ गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अरवल कीरी करवत, फतेहपुर संगत, पठानीपुर में दबिश दी। दबिश के दौरान 85 लीटर कच्ची शराब मिली जिस छह लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है। वही आठ क्विंटल लहन मिली थी जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। टीम ने क्षेत्र के ईट भट्टे व कबाड़ की दुकानों पर भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आबकारी टीम में प्रधान आबकारी सिपाही दिनेश सिंह, अभिनव व अनुराग वर्मा तथा कांस्टेबल मुकेश तथा वाहन चालक कलीम साथ रहे।

न्यूज ब्रीफ

दबंग ने काट दिया मंदिर परिसर में लगा पेड़

नवाबगंज। वजीरगंज के बहादुरा गांव के एक पुराने मंदिर परिसर में लगे आम के पेड़ को गांव के ही दबंग पिता-पुत्र ने काटकर गिरा दिया। गांव के सरकारी पुरवा मजरा निवासी जितेन्द्र श्रीवास्तव ने वजीरगंज थाने पर दी गई तहरीर में कहा कि बीते रविवार को दिन में करीब 12:30 बजे उनके पूर्वजों द्वारा बनवाये गये सैकड़ों वर्ष पुराने मंदिर के नंबर में ट्री गार्ड के भीतर लगा 03 वर्ष पुराना आम का पेड़ गांव के ही प्रदीप कुमार श्रीवास्तव और उनके बेटे मन्नू ने काटकर गिरा दिया। विरोध करने पर अपशब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। थाना अध्यक्ष यशवंत सिंह ने बताया कि मामले का पता करके कार्रवाई होगी।

स्नान करते समय किशोरी से छेड़छाड़

खरगूपुर, गोंडा। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने पर दिए गए तहरीर में आरोप लगाया है कि मंगलवार सुबह नौ बजे उनकी 15 वर्ष की बेटी घर में स्नान कर रही थी। इसी बीच एक गांव के युवक ने घर में घुसकर उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ किया और अश्लील बातें करते हुए बुरी नियत से हाथ पकड़ कर खींचने लगा। बेटी के विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

लाखों के आभूषण चोरी

गोंडा: कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत साहब गंज मोहल्ले के रहने वाले सोनू वाल्मीकि के अनुसार मंगलवार शाम को सभी लोग घर में बैठे थे, प्रतिदिन की तरह दैनिक कार्य निपटा रहे थे। अचानक घर में रखी अलमारी के खुलने की आवाज आई, जब वहां लोग पहुंचे तो कोई अज्ञात युवक वहा से भाग रहा था। पीड़ित के मुताबिक अलमारी में रखे लाखों रुपये आभूषण चोरी हो गए। चोरी की घटना से मोहल्ले में दहशत है। शाम होते ही चोरी की अफवाह मोहल्ले में तैरने लगती है, जिससे लोग सहमे हुए हैं। बड़गांव पुलिस चौकी इंचार्ज विपुल पांडे ने बताया कि सूचना मिली है, जांच की जा रही है।

छात्र-छात्राओं को वितरित किया टाई बेल्ट

गोंडा: मुजेहना के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेसहूपुर में बुधवार को विद्यालय की तरफ से टाई बेल्ट, हेयर बैंड व रिबन वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने छात्रों के लिए बांधने वाली टाई, बेल्ट एवं मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के लिए हेयर बैंड, रिबन वितरित किया। मिशन शक्ति के अवसर पर विद्यालय की छात्रा सलोनी शर्मा व जाह्नवी सिंह ने कविता पाठ प्रस्तुत किया। इस मौके पर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक बृजेंद्र कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, रवींद्र नाथ गुप्ता, विनोद कुमार यादव मौजूद रहे।

केक काटकर मनाया मीना का जन्मदिन

गोंडा: परसपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर में बुधवार को मीना का जन्मदिन मनाया गया। बच्चों ने केक काटा और मीना को माला पहनाकर उसका स्वागत किया और उपहार भी दिया। मीना मंच के सुगमकर्ता मनोज कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि मीना एक काल्पनिक पात्र है, जो एक उत्साही और विचारवान किशोरी है। वह सामाजिक बाधाओं के विरुद्ध लड़ने का जज्बा रखती है। मीना का सबसे बड़ा योगदान समाज में लड़कियों के अधिकारों को पहचानने में है। इस अवसर पर अखिलेश कुमार व महेश चौधरी उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने जुलूस निकाला, सौंपा मांग पत्र

गोंडा: वाराणसी की एसीपी के द्वारा अधिवक्ताओं के प्रति की गई टिप्पणी के विरोध में बार एसोसिएशन व सिविल बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में अधिवक्ताओं ने जुलूस निकाल कर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसपी को दिया है। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बुझारथ द्विवेदी, सिविल वार संगठन के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा, महामंत्री संजय कुमार सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, दीनानाथ त्रिपाठी, रविचंद्र त्रिपाठी समेत सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन के टक्कर से युवक की मौत

कटरा बाजार। पहाडापुर-दुबहा मार्ग पर कुटी गांव के पास कलवारी गांव निवासी मोटरसाइकिल सवार को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे चालक शुभम (18) व पीछे बैठा उसका बहनोई पहलवान (27) गंभीर रूप से घायल हो गये। लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर ने चालक शुभम को मृत घोषित कर दिया। वहीं पहलवान को गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया है।

27 प्रधानाचार्यों को डीआईओएस ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : जिला विद्यालय निरीक्षक की समीक्षा बैठक से 27 स्कूल कॉलेज के प्रधानाचार्य अनुपस्थित रहे। इस पर नाराजगी जताते हुए डीआईओएस ने सभी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. रामचंद्र ने बताया कि स्कूल कॉलेजों में पंजीकृत विद्यार्थियों की यू-डायस प्रगति रिपोर्ट के लेकर जिले भर के राजकीय, अशासकीय व वित्त विहीन कालेजों के प्रधानाचार्यों की बैठक बुलाई गयी थी। इस समीक्षा बैठक में सरदार भगत सिंह इण्टर कालेज, भैया राघव राम पांडेय स्मारक श्री गांधी इंटर कॉलेज, श्री गांधी आदर्श इंटर कॉलेज खरगूपुर, जनता इंटर कॉलेज अमदही, गांधी इंटर कॉलेज नवाबगंज, डीएवी इंटर कॉलेज नवाबगंज, नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज नवाबगंज, राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी स्मारक इंटर कालेज डुमरियाडीह, जंग बहादुर लाल बनवारी लाल इंटर कॉलेज रीवां, विद्यानगर किसान इंटर कॉलेज मोतीगंज, माता प्रसाद साहू किसान इंटर कॉलेज कूकनगर, किसान इंटर कॉलेज पिपरा इस्माइल स्वामी नारायण इंटर कॉलेज छपिया जनता इंटर कॉलेज पाटेश्वर नाथ पतिजिया बुजुर्ग, जनता इंटर कॉलेज बभनान, श्री गुरु नरहरि स्मारक इंटर कॉलेज पूरे तिवारी, कृषक समाज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतौनी डेहरास, श्री राम जानकी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानी बाजार, श्री सुमन संस्कृत विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इटियाथोक, महर्षि जमदग्नि संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमदही, श्री गुरु नरहरि स्मारक संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दिवाकर नगर, श्री तुलसी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरियापुर शीतलगंज, श्री राधेश्याम संस्कृत उच्चतर माध्यमिक चन्दापुर श्री राम नरेश दास सुन्दर दास संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चमसुहा बनगांव, श्री जुगल किशोर सनातन धर्म संस्कृत उच्चतर माध्यमिक पाठशाला किन्धौरा, राजकीय हाईस्कूल महेवा गोपाल मनकापुर व राजकीय हाईस्कूल सोनौली मोहम्मदपुर डीह बेलसर के प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

यू-डायस कार्य में तेजी लाए जाने के दिए निर्देश

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में डीआईओएस डॉ. रामचंद्र ने यू-डायस की प्रगति रिपोर्ट, स्टूडेंट प्रोफाइल व विद्यालय की प्रोफाइल तैयार करने को लेकर प्रधानाचार्यों से जानकारी हासिल की और यू-डायस कार्य में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि इंस्पायर अवार्ड के तहत प्रत्येक विद्यालय के कम से कम 5 छात्रों का नामांकन जरूर कराएं। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के दूसरे फेज में प्रति विद्यालय 70 पौधों का रोपण करने तथा उनकी सूचना पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सेवा पखवाड़ा, वीरगाथा व स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग मे विद्यालयों का पंजीयन कराने के लिए भी सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया। बैठक में जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक उत्तम कुमार मल्ल, उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह, मंत्री सहदेव सिंह, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या गीता त्रिपाठी समेत विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के कुल 200 से अधिक प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

युवक की करंट लगने से मौत

गोंडा : मंगलवार को देर शाम दुर्गा पूजा पंडाल में बिजली का तार जोड़ रहे एक युवक की विद्युत स्पर्शाघात से मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

अशोक कुमार (फाइल फोटो)।

इटियाथोक के भोपालपुर भयकपुरवा गांव में ग्रामीणों द्वारा मां दुर्गा का पंडाल लगाया गया है। पंडाल में बिजली का तार जोड़ रहे गांव के अशोक कुमार (23) लाइन की चपेट में आ गया। पिता खुशीराम व भाई अरविंद उपचार के लिए जिला मुख्यालय स्थित एक नर्सिंग होम में ले गये, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों ने दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार किया। इटियाथोक पुलिस ने दुर्गा पूजा पंडाल का भ्रमण कर मृतक के परिवार सें जानकारी हासिल किया। प्रधान प्रतिनिधि कमलेश पासवान व समाजसेवी मुकेश शुक्ल ने मृतक के घर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधाया।

टीकाकरण सत्र शुरू कर पीएचसी का निरीक्षण

बच्चे को दवा पिलातीं डीएम प्रियंका निरंजन, साथ में सीएमओ। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : स्वस्थ नारी, समर्थ परिवार सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर बैरिया में टीकाकरण सत्र का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सत्र की शुरुआत एक बच्चे को दवा पिलाकर की।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर बैरिया का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति अत्यंत खराब पाई गई। शौचालयों की स्थिति, कूड़ा निस्तारण व्यवस्था एवं मरीजों के बैठने की समुचित व्यवस्था न होने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने सीएचसी अधीक्षक पण्डरी कृपाल डॉक्टर आलोक सिंह एवं एआरओ पीएचसी विशुनपुर बैरिया को लापरवाही के लिए कड़ी फटकार लगाया। तैनात एएनएम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए और दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कार्यक्रम में सीएमओ डॉक्टर रश्मि वर्मा, अधीक्षक पंडरी कृपाल डॉक्टर आलोक सिंह, यूनीसेफ डीएमसी शेषनाथ सिंह जिला वैक्सीन प्रबंधक पंकज तिवारी सहित अन्य सभी संबंधित लोग उपस्थित रहे।

खराब प्रदर्शन करने वाले अफसरों को प्रतिकूल प्रविष्टि

संवाददाता, गोंडा

कार्रवाई

- **समीक्षा में खराब प्रगति वाले 06 ब्लॉक मिशन प्रबंधकों का मानदेय रोकने के दिये निर्देश**

अमृत विचार : विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन की अध्यक्षता में डे-एनआरएलएम अन्तर्गत विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में खराब प्रदर्शन करने वाले विशेषकर सीएम डैशबोर्ड के बिंदुओं पर अपेक्षित प्रगति अर्जित नहीं करने पर खण्ड विकास अधिकारी बभनजोत, मुजेहना एवं झंझरी के खंड विकास अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई। इन विकास खण्डों के सहायक विकास अधिकारियों सहित पण्डरी कृपाल, हलधरमऊ एवं परसपुर के सहायक विकास अधिकारियों को भी प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई। चेतावनी दी गई है कि एक सप्ताह के भीतर अपेक्षित प्रगति न होने पर विभागीय कार्यवाही भी प्रचलित की जायेगी। उन्होंने बताया कि एनआरएलएम के अंतर्गत खराब प्रगति करने वाले बभनजोत, मुजेहना, झंझरी, पण्डरी कृपाल, हलधरमऊ एवं परसपुर के ब्लॉक मिशन प्रबन्धकों का मानदेय अवरुद्ध कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत सीसीएल योजना में लगातार कई महीनों से अपेक्षित प्रगति न होने के कारण उपायुक्त स्वतः रोजगार को भी प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की गई है।

मजदूरी करने गए युवक की नोएडा में मौत

मनकापुर : कस्बा से सटे खजुरिहवा गांव का 20 वर्षीय युवक मोहित वर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में गौतम बुद्ध नगर में मौत हो गई। मंगलवार की देर रात उसकी पत्नी रूबी एम्बुलेंस से शव लेकर गांव पहुंची। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेटे की मौत पर पिता मुन्नीलाल ने गहरी शंका जाहिर करते हुए कहा कि मोहित बिल्कुल स्वस्थ था। अचानक मौत होना संदिग्ध है, इसलिए संभव है कि उसकी हत्या की गई हो। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि परिजनों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच की जा रही है।

मोहित (फाइल फोटो)

मारपीट की घटना से सहमे ब्लॉक कर्मचारी

संवाददाता, कटरा बाजार

- **मंगलवार को विधायक व प्रमुख समर्थकों में हई थी मारपीट**
- **दोनों पक्षों ने दी तहरीर पर मुकदमा नहीं दर्ज हुआ**

अमृत विचार: क्षेत्रीय विधायक व ब्लॉक प्रमुख के समर्थकों के बीच मंगलवार को हुई मारपीट, पत्थरबाजी के दूसरे दिन ब्लॉक के कर्मचारी व अधिकारी सहमे नजर आए। कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह जान जोखिम में डालकर कौन नौकरी करने आएगा। मारपीट में करीब 16 लोग घायल हुए जिन्होंने सीएचसी पर चिकित्सीय परीक्षण कराया है। पांच लोगों को गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इसमें प्रमुख के बेटे की हालत गंभीर होने के कारण ट्रामा सेंटर लखनऊ रिफर किया गया है।

मंगलवार की देर शाम प्रमुख जुगरानी देवी व विधायक की ओर से थाने में तहरीर दिया गया है। लेकिन अभी कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष के लोग भाजपा से जुड़े हैं और दोनों को लखनऊ संगठन की तरफ से बुलाया गया है। अधिकारी विष्णु कुमार प्रजापति ने कहा कि हम तो रुपईडीह से ही जिलाधिकारी की बैठक में जा रहे हैं। वहां अपनी जान जोखिम में डालकर कौन कार्यालय जायेगा। जब हम ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो नौकरी क्या करेंगे। पंचायत कार्यालय में एडीओ पंचायत प्रीतम श्रीवास्तव अपना दैनिक कार्य निपटाते दिखे। निरीक्षक अपराध रमाशंकर राय ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर मिली है। घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। अभी तक किसी भी पक्ष से मुकदमा नहीं लिखा गया है।

संघ के नगर कार्यवाह ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर

मंगलवार को हुई मारपीट व पथराव में गंभीर रूप से घायल आरएसएस के नगर कार्यवाह कटरा विष्णु भगवान की उपचार में सुधार न होने पर उन्हें डॉक्टरों ने सघन चिकित्सा के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। भाजपा नेता भवानी भीख शुक्ल ने बताया कि बेटे के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। विष्णु भगवान सघन चिकित्सा कक्ष में अभी भी बेहोश हैं। हालात में कुछ सुधार हुआ है।

लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कटरा संघ कार्यवाह विष्णु भगवान। अमृत विचार

16 घायलों ने कराया चिकित्सीय परीक्षण : सामुदायकि स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डा इंदू सिंह राणा ने बताया कि मारपीट घटना के बाद 16 लोग सीएचसी पहुंचे और उनका मेडिकल परीक्षण किया गया है। इसमें मुकुल सिंह, कुलदीप पांडे, अवधेश सिंह, अमित कुमार ओझा, अनूप कुमार सिंह, सुंदरम तिवारी, बैकुंठ नाथ शुक्ल, ध्रुव नारायण, सत्यम शुक्ल, नागेंद्र कुमार व राम बाबू शामिल हैं। अधीक्षक के अनुसार शिव भगवान शुक्ल, विष्णु भगवान, नीरज शुक्ल, श्री भगवान, मदन तिवारी व कमल जीत सिंह का प्राथमिक उपचार व चिकित्सीय परीक्षण के बाद सघन उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

मीना मंच मेला में बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

करनैलगंज, अमृत विचार : पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय करनैलगंज में बुधवार को मीना जन्मदिन पर मीना मंच मेला आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी नूतन जायसवाल एवं प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार सिंह ने किया। संचालन पूर्व छात्रा सकीना ने किया।

मीना मंच के बच्चों ने विज्ञान के खेल, गणित ट्रिक, कबाड़ से जुगाड़, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता और कानूनी जागरूकता पर स्टॉल लगाए। नारी सशक्तिकरण, अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियों और पर्यावरण संरक्षण पर नाटक व नाटिकाएं प्रस्तुत की गईं। योगाभ्यास का प्रदर्शन भी किया गया। अभिभावकों के सामने शिक्षिका गौसिया शम्सी, फरहत जहां व नीतू सिंह ने विचार रखे। छात्र अमीन, सुलेमान, साजिया और प्रिया ने भी संबोधित किया। कक्षा 6, 7 व 8 की छात्राओं ने नारी सशक्तिकरण पर नाटक प्रस्तुत कर संदेश दिया। अंत में मीना मंच की सभी पावर एंजिल को सम्मानित किया गया। मौके पर चितरंजन त्रिपाठी, इलियास अहमद, शिल्पी मौर्य, रेशमा सिद्दीकी, विभा मिश्रा, सानिया सिद्दीकी, मिथिलेश, प्रदीप कुमार मौर्य समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मीनामंच मेले में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

गरीब का ई-रिक्शा तोड़ा, धमकी भी दी

नवाबगंज। मुट्ठीगंज मोहल्ला निवासी बृजलाल ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि मंगलवार को उसने अपना ई-रिक्शा नगर पालिका द्वारा चिन्हित स्टैंड, कटी तिराहे पर खड़ा किया था। स्टैंड के पास ही कोल्हमपुर इमाम के ग्राम प्रधान का मकान है। सुबह उनके बेटे ने ई-रिक्शा तोड़ डाला। कस्बा चौकी प्रभारी पंकज यादव ने कहा कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी और सीसीटीवी फुटेज देखी जाएगी।

अनुशासन और रोमांच से भरा जीवन देती है सेना : मेजर शिवानी

नवाबगंज, अमृत विचार : 48 उत्तर प्रदेश वाहिनी एनसीसी गोंडा के तत्वावधान में नंदिनी नगर महाविद्यालय में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-162 तथा प्री-आईजीसी कैंप के नवें दिन बुधवार को आर्मी मेडिकल कोर की अफसर मेजर शिवानी श्रीवास्तव ने कैडेट्स को संबोधित किया। मेजर शिवानी ने कहा कि भारतीय सेना युवाओं को रोजगार के साथ-साथ उत्साह, रोमांच और अनुशासन से परिपूर्ण जीवन देती है। इस मौके पर बटालियन के कमान अधिकारी एवं कैंप कमांडेंट कर्नल सुनील कपूर, प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रणयोद्ध सिंह, मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी मेजर राजाराम आदि मौजूद रहे।

मेजर शिवानी।

ट्रक वापस कर रहे न दिया किराया, मुकदमा

मनकापुर : मदनापुर भान निवासी अरुण कुमार तिवारी का आरोप है कि विपक्षी पवन कुमार मिश्रा ने उनका 10 चक्का ट्रक किराए पर लेकर अपने पास रखा है। न तो अब तक किराया दिया और न ही वाहन वापस कर रहा है। इसी तरह आरोपी के गांव निवासी दीपक कुमार चतुर्वेदी का आरोप है कि पवन मिश्रा ने 19 फुट डीसीएम दिलाने के नाम पर उससे 1,89,850 रुपये ले लिए, लेकिन न तो गाड़ी दी और न ही पैसे वापस किए। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सिटी डायरी

रक्तदान शिविर का आयोजन विधायक ने किया उद्घाटन

विधायक रमापति शास्त्री की उपस्थिति में रक्तदान करता कार्यकर्ता।

नवाबगंज (गोंडा)। सरकार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत बुधवार को सीएचसी नवाबगंज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान न केवल जीवन बचाने का अवसर है, बल्कि यह दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इससे रक्त का संतुलन बना रहता है, हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है और नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है। शिविर में डा. सीमोन बालियान, रमन दूबे, डा. अनूप तिवारी, फार्मासिस्ट ओम नारायण, प्रवीन कुमार, एएनएम गुड़िया, पप्पू पाल, रज्जन सिंह सहित कुल 26 लोगों ने रक्तदान किया।

महिलाओं को जागरूक करते पुलिसकर्मी।

मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

परसपुर : मिशन शक्ति फेज पांच अभियान के तहत मंगलवार को परसपुर पुलिस ने कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया। पुलिस टीम ने तुलसी स्मारक इंटर कॉलेज, चरहुंआ मोड़, पप्पू मड़हा और दुर्गा पूजा पंडाल में चौपाल लगाकर महिलाओं और छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। कार्यक्रम में महिला हेल्प डेस्क पर दर्ज पूर्व शिकायतों की समीक्षा की गई। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जताया। महिला अपराध से जुड़े मुकदमों की दो पीड़िताओं के घर जाकर पुलिस ने समस्याएं जानीं। थाना प्रभारी ने बताया कि तुलसी स्मारक इंटर कॉलेज के सामने, कब्रिस्तान कस्बा परसपुर और भौरीगंज मोड़ को हॉटस्पॉट चिह्नित कर टीम नियमित भ्रमण करती है।

कार्यकारिणी की बैठक में शामिल कार्यकर्ता।

भारत विकास परिषद गोनार्द शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

गोंडा। भारत विकास परिषद गोनार्द शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह ए.पी.एस. ग्लोबल स्कूल में आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल ने कहा कि देश ने हमें बहुत कुछ दिया है, हमें भी समाज को कुछ लौटाना चाहिए। प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र स्वरूप शुक्ला, प्रांतीय महासचिव शशिकांत सक्सेना व अन्य पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अजेय विक्रम सिंह, सचिव जसपाल सिंह सलूजा, कोषाध्यक्ष अजय प्रकाश सिंह समेत सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी के साथ मानसी। अमृत विचार

एक दिन के लिए मानसी प्रजापति बनीं जिलाधिकारी

गोंडा: कलेक्ट्रेट सभागार में मिशन शक्ति 5.0 फेज के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय शिक्षा क्षेत्र झंझरी की कक्षा आठ की बालिका मानसी प्रजापति पुत्री बद्री प्रसाद प्रजापति निवासी ग्राम रामभारी विकासखण्ड झंझरी गोण्डा को एक दिन के लिए जिलाधिकारी बनाया गया। मानसी प्रजापति जिलाधिकारी बनते ही कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित सभी विभाग के अधिकारियों को अपना परिचय दिया। उसने कहा कि पूरी पढ़ाई करने के बाद यदि भविष्य में मुझे डीएम बनने का मौका मिलता है तो जनपद के लिए अच्छा कार्य करूंगी।

आयोजन

खर-दूषण वध होते ही दर्शकों ने श्रीराम के जयकारे लगाए

सूर्पनखा कर्ण नासिका भंग की लीला मंचित

संवाददाता, करनैलगंज

अमृत विचार : श्री रामलीला मैदान में मंगलवार शाम सूर्पनखा कर्ण नासिका भंग एवं खर दूषण वध की लीला दिखाई गई। कथानक के अनुसार रावण की बहन सूर्पनखा ने वन में राम से प्रणय निवेदन किया। इस पर विवाद बढ़ गया। इस पर लक्ष्मण ने सूर्पनखा की नाक काट दी। जब यह समाचार रावण को मिला तो उसने खर-दूषण को सूर्पनखा की कटी नाक का बदला लेने के लिए भेजा।

इसके बाद राम और खर-दूषण में घनघोर युद्ध होता है, जिसमें खर और दूषण मारे जाते हैं। खर-दूषण वध होते ही दर्शकों ने श्रीराम के जयकारे लगाए। इस मौके पर रामचरित्र महाराज, एडवोकेट राजेंद्र सोनी, बरसातीलाल कसेरा, रिंकू वर्मा, अभिषेक पुरवार, अशोक पुरवार, अभिषेक जायसवाल सहित कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

रामलीला में सूर्पनखा का नाक काटते लक्ष्मण। अमृत विचार

राम सीता का मिलन देख प्रफुल्लित हुए दर्शक

गोंडा: मालवीय नगर स्थित रामलीला जनकपुर में फुलवारी लीला का मंचन किया गया। मिथिला में सीता स्वयंवर की चल रही तैयारियों के बीच मुनि विश्वामित्र के आदेश पर जनक की फुलवारी में फुल चुनने पहुंचे भगवान राम लक्ष्मण का गौरी पूजन के लिए आईं सखियों के साथ आईं भगवती सीता से भेंट हो गई। दोनों एक दूसरे को देखकर मुग्ध हो गए। दर्शक भी इस मोहक दृश्य पर भक्ति से भाव विभोर हो गए। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी के आरती महेश तिवारी पूर्व प्रत्याशी विधानसभा ने की।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ई-रिक्शा बैटरी चोरी की सूचना निकली फर्जी

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : में ई-रिक्शा की बैटरी चोरी का मामला जांच में फर्जी निकला। ओमप्रकाश ने पुलिस को दी गई सूचना में दावा किया था कि चार अज्ञात लोगों ने उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर उसके ई-रिक्शा की बैटरी लूट ली। चालक ओम प्रकाश ने जरवल रोड बाजार में एक कबाड़ी की दुकान में बैटरी बेचकर झूठी कहानी गढ़ी थी। ओमप्रकाश ने खराब बैटरी को 13 हजार रुपये में कबाड़ी को बेचा था और पिता से डांट के डर से झूठी कहानी गढ़ी। पुलिस ने बैटरी बरामद कर ली। ओमप्रकाश व उसके पिता दुखीराम ने माफीनामा देकर भविष्य में इस तरह की भ्रामक सूचना न देने का वादा किया।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक कल

बहराइच, अमृत विचार : उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र ने बताया कि 26 सितम्बर को शाम 5:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु समिति एवं एमओयू से सम्बन्धित बैठक होगी।

अधूरा डिवाइडर हटवाने की मांग

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि गोयल तिराहा से विश्वनाथ मंदिर तक नगर पालिका द्वारा अधूरा बनाया गया पक्का डिवाइडर आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। समिति ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि कुछ दिनों बाद इसी मार्ग से दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस निकलेगा ऐसे में डिवाइडर का तत्काल हटाया जाना आवश्यक है। वहीं सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण के कारण जाम लग जाता है। उन्होंने समस्या के समाधान की मांग की।

मां की गोद से बच्ची को छीन ले गया भेड़िया

ग्रामीणों के दौड़ाने पर गंभीर रूप से घायल कर खेत में छोड़ा, मौत, बढ़ता ही जा रहा आदमखोर का आतंक

संवाददाता, कैसरगंज, बहराइच

अमृत विचार : स्थानीय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत मंझारा तौकली के मजरा बाबा पटाव में बुधवार की शाम भेड़िया मां की गोद में खेल रही तीन वर्षीय मासूम को छीन ले भागा। बच्ची की चीख सुनकर परिजन और ग्रामीण लाठी-डंडा लेकर भेड़िया के पीछे दौड़े। भेड़िए ने क मासूम को निवाला बनाने की कोशिश की। ग्रामीण उसके नजदीक पहुंचे तो वह बच्ची को छोड़कर खेत में भाग गया। गंभीर रूप से घायल मासूम को परिजन लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज पहुंचे। जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गंभीर रूप से घायल बच्ची को इलाज के लिए ले जाते परिजन। ● अमृत विचार

ग्राम पंचायत मझारा तौकली के मजरा बाबा पटाव निवासी बाबूलाल की तीन वर्षीया पुत्री सोनी अपनी मां की गोद में खेल रही थी। गर्मी के कारण उसकी मां घर बाहर बैठी थी। कुछ महिलाएं और भी बैठी थीं। इसी बीच आदमखोर भेड़िया मां की गोद से मासूम को छीन लिया। परिजन व ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर करीब 500 मीटर दूर तक भेड़िया का पीछा किया। ग्रामीणों को आता देख वह बच्ची को खेत में छोड़कर गया। बच्ची की हालत गंभीर थी। परिजन उसे सीएचसी लाये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अभी एक दिन पहले भेड़िए ने गांव में एक मासूम को अपना निवाला बनाने की कोशिश की थी। लेकिन ग्रामीणों ने उसके मुंह से मासूम को बचा लिया था। अभी उसका इलाज चल रहा है।

तेंदुए के हमले में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

बहराइच, अमृत विचार : कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के निशानगाड़ा रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत मटेही के शिवबंश पुरवा गांव में बाइक से जा रहे युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना मंगलवार रात की है। युवक अपने गांव से बाइक से मटेही गांव में स्थापित मां दुर्गा जी की मूर्ति की पूजा के लिए जा रहा था। तभी देर रात रास्ते में गढ़ी बाबा नामक स्थान के पास धान के खेत से निकल कर आया तेंदुए ने छलांग लगा दी। युवक को हमला कर बाइक से नीचे गिरा दिया। इसके बाद युवक पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक ने शोर मचाया। जिसके बाद ग्रामीणों के हाका लगाने पर तेंदुआ युवक को छोड़कर धान के खेत में घुस गया। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इसी गांव में सोमवार की रात तेंदुआ देखा गया था। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी थी। लेकिन वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी गांव नहीं पहुंचे न ही ग्रामीण को तेंदुए से बचाव के लिए कोई उपाय किया।

अवैध मदरसे के बाथरूम में बंद मिलीं 40 किशोरियां

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

अमृत विचार : स्थानीय तहसील के पटीहाट चौराहे पर एक अवैध मदरसे में प्रशासनिक टीम ने छापेमारी की। उपजिलाधिकारी अश्वनी पाण्डेय के नेतृत्व में कार्रवाई की गयी। इस दौरान 40 नाबालिग लड़कियां बाथरूम में बंद मिलीं। एसडीएम ने इन लड़कियों को मदरसा संचालक की सुपुर्दगी में देते हुए यहां पुलिस बल तैनात कर दिया है। साथ ही इसकी सूचना अल्पसंख्यक विभाग को भी दे दी है है।

छापेमारी के दौरान, मदरसे के संचालक खलील अहमद ने पहले तो एसडीएम को अंदर जाने से रोका, लेकिन सख्ती बरतने पर उन्हें अंदर जाने दिया गया। अंदर जाकर पता चला कि लड़कियों को मदरसे के अंदर मौजूद बाथरूम में बंद करके रखा गया था। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। इसके साथ ही, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को भी इस पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है।

इस संबंध में एसडीएम पांडेय ने बताया कि इस मामले में बाहरी फंडिंग की बात भी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि ईडी को पत्रचार कराकर मामले की जांच करवाई जायेगी। एसडीएम ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है।

कुरीतियों को रोकने में आगे आएं लोग: बीएसए

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : पीएमश्री विद्यालय झाला तरहर में आयोजित मीना के जन्मोत्सव में बीएसए आशीष कुमार सिंह ने शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए समाज से लिंग भेद और कुरीतियों को पूरी तरह से समाप्त करने की अपील की। बुधवार को पीएम श्री विद्यालय झाला तरहर में आयोजित मीना मंच कार्यक्रम में काल्पनिक बालिका मीना का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कुमार सिंह ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में साल 24 सितंबर को मीना का जन्मदिन स्कूलों में मनाया जाता है। इस अवसर पर महेंद्र प्रताप सिंह, सुनीता बघेल, कल्याणी शर्मा, जया सिंह, गोपालजी व अभिभावक उपस्थित थे।

वाटर कूलर के उद्घाटन के मौके पर मौजूद लोग। ● अमृत विचार

शिक्षक ने भाई की पुण्यतिथि पर लगवाया वाटर कूलर

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : शिक्षक रामकुमार पाण्डेय ने एक सराहनीय पहल की है। उन्होंने अपने बड़े भाई कृष्ण कुमार पाण्डेय की पुण्यतिथि पर पीएमश्री विद्यालय झाला तरहर एवं उसी गांव में स्थित काली माता मंदिर में एक वाटर कूलर (धर्मार्थ प्याऊ) लगवाया। इस वाटर कूलर का उद्घाटन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया। बीएसए ने शिक्षक रामकुमार पाण्डेय के इस कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की कि वे सरकार के साथ-साथ खुद भी स्कूलों के विकास के लिए आगे आएं। विद्यालय परिवार, बच्चों के अभिभावकों और गांव वालों ने भी शिक्षक रामकुमार पाण्डेय के इस परोपकारी कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान विद्यालय परिवार और बच्चों के अभिभावक भी मौजूद थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

बहराइच, अमृत विचार : खैरीघाट थाना क्षेत्र के पिपरिया बसुहार गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मंगलवार देर रात पिपरिया बसुहार गांव निवासी 20 वर्षीया रेशमी पत्नी छोटकऊ ने घर के कमरे में छत की कुंडी में फंदा डालकर फांसी लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने देखा तो कोहराम मच गया। ग्रामीण भी काफी संख्या में उसके घर पर एकत्र हो गए और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को घटना स्थल पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। थानाध्यक्ष रंशीद अली खान ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

बीएसए की कुर्सी पर बैठ अर्चना ने समझा कार्य। ● अमृत विचार

एक दिन की बीएसए बन अर्चना ने दिए निर्देश

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : मिशन शक्ति के तहत विद्यालय की होनहार छात्राओं को एक दिन का प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरा कमाल शिवदहा में कक्षा 8 की छात्रा अर्चना ने बीएसए का पद संभालते हुए कार्यालय में बैठकर विभाग के समस्त कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र ने सहयोग किया तथा कार्यक्रम की नोडल सहायक शिक्षिका महिमा दुबे ने कार्यक्रम की व्यवस्था की। वहीं कक्षा 6 की छात्रा गुड़िया को शिक्षिका बनाया गया, इसी विद्यालय की छात्रा प्रिंका को एक दिन का प्रधानाध्यापक बनाया गया। प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र ने बताया यह पहल केवल छात्रों को प्रशासनिक कार्य के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास नहीं, बल्कि उनमें नेतृत्व कौशल विकसित करने का भी अवसर प्रदान करती है।

नदी में डूबने से महिला की मौत

बहराइच, अमृत विचार : मोतीपुर थाना क्षेत्र में 40 वर्षीय एक महिला पैर फिसलने से भादा नदी में गिर गयी और डूबने से उसकी मौत हो गयी। देर रात तक जब महिला घर नहीं लौटी तो परिजनों उसकी तलाश शुरू की। सूचना पुलिस को भी दी गई पुलिस ने गोताखोरों की मदद से नदी से महिला केशव को बरामद करने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोतीपुर के कुड़वा गांव निवासी 40 वर्षीय महिला लज्जा देवी मंगलवार की शाम भादा नदी के किनारे घास छीलने गई थी। महिला घास छीलने के दौरान भाड़ा नदी के किनारे पहुंच गई और पैर फिसलने के कारण डूब गई।

नारद मोह के मंचन के साथ रामलीला शुरू

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

अमृत विचार : राम लीला के मंचन से आदर्श चरित्रों की सीख मिलती है।आज के बदलते परिवेश में ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है।यह बातें सुकई पुरवा में रामलीला समारोह के उद्घाटन अवसर पर सपा नेता रामजी यादव ने कही। नारद मोह के मंचन के साथ रामलीला शुरू हुई।

लालपुर के मजरा सुकई पुरवा में नवयुवक रामलीला समिति के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव का उद्घाटन सपा नेता रामजी यादव ने मंच का फीता काटकर किया।उद्घाटन अवसर पर सपा नेता ने कहा कि पुत्र का पिता के प्रति,पत्नी का पति के प्रति और भाई के भाई के प्रति क्या कर्तव्य है यह सीख हमें हमें रामलीला के मंचन से देखने व सीखने को मिलती है।उन्होंने समिति के लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुये कहा कि आज के बदलते परिवेश में ऐसे आयोजनों का होना नितांत आवश्यक है।रामलीला महोत्सव के उद्घाटन दिवस पर नारद मोह की लीला का मंचन किया गया। देवर्षि नारद की शानदार भूमिका अदा करने वाले वाले स्थानीय कलाकार रामेंद्र यादव के प्रदर्शन को लोगों ने खूब सराहा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रामकिशन यादव, महामंत्री विक्रम यादव, ग्राम प्रधान लालपुर राजित राम यादव, प्रधान सतरही रवि यादव, चंद्रभान गुप्ता, संगम यादव, लवकुश वर्मा, सोम यादव, होली वर्मा, अर्जुन यादव, रामेंद्र यादव, घनश्याम विश्वकर्मा, रामदेव यादव, राम बदल, अमर यादव आदि मौजूद रहे।

सुकई पुरवा में फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन करते सपा नेता रामजी यादव।

चोर समझकर युवक को पीटा

बहराइच, अमृत विचार : रामगांव इलाके में कबाड़ बीन रहे करन नामक युवक को कुछ लोगों ने चोर समझकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। रामगांव थाना क्षेत्र के हाईवे पुलिस ने उसकी जान बचाई और गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हाईवे पुलिस के अनुसार करन कटी चौराहे के पास किराए के मकान में रहता है। वह सब्जी मंडी के पास कचरा बटोर रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने बिना पूछताछ किए उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

एसपी ने किया नेपाल सीमा का निरीक्षण

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : सशस्त्र सीमा बल के महानिदेशक के दौरे के दूसरे दिन पुलिस अधीक्षक बहराइच राम नयन सिंह ने कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग से लगे नेपाल सीमा का दौरा किया। बताया जाता है कि दो दिन पूर्व नेपाल की तरफ से सीमा क्षेत्र में फायरिंग की गई थी इसके बाद महानिदेशक ने सीमा क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया था।

पुलिस अधीक्षक ने अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकार हर्षिता तिवारी, प्रभारी निरीक्षक मूर्तिहा रामनरेश यादव, धर्मपुर वन क्षेत्राधिकारी दीपक मिश्रा व एसएसबी के जवानों, वन विभाग व पुलिस टीम के साथ भारत नेपाल सीमा का पैदल निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने एसएसबी के जवानों से स्थिति की जानकारी ली।

बैराज के गेट में फंसी नेपाली मोटर बोट

बहराइच, अमृत विचार : घाघरा नदी के पानी में बहकर आई नेपाली मोटर बोट सुजौली थाना क्षेत्र के चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के गेट नंबर 14 पर फंस गई। बुधवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने उसे देखा तो हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। बैराज कर्मचारियों ने तुरंत उच्चाधिकारियों, वन विभाग और स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिस पर कतर्नियाघाट वन रेंज के अधिकारी और सुजौली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। काफी प्रयास के बाद मोटरबोट को निकालकर किनारे बांध दिया गया। थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कतर्नियाघाट रेंज के वन क्षेत्राधिकारी आशीष गौंड भी अपनी टीम के साथ पहुंचे। बैराज प्रभारी नितिन यादव के अनुसार, नाव पर 'मेड इन नेपाल' लिखा मिला। जिससे भ्रांति उत्पन्न हो रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मोटरबोट बाढ़ के पानी के साथ आई है या किसी अन्य तरीके से बैराज तक पहुंची है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण कई कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के विजयी खिलाड़ी। ● अमृत विचार

खेलकूद प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्नों ने दिखाया दम

बलरामपुर, अमृत विचार : सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को नर्सरी से कक्षा 3 तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य असीम रूमी एवं समन्वयक रेखा ठाकुर ने किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने सैक रेस, टेडी रेस, स्पून रेस और मार्बल रेस जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। संचालन पीटीआई पंपा बाग के दिशा-निर्देशन में हुआ। निर्णायक मंडल की प्रमुख रेखा ठाकुर ने परिणाम घोषित किए, जिसमें लैवेंडर हाउस विजेता, ट्यूलिप हाउस उपविजेता और लिली हाउस तृतीय स्थान पर रहा। प्राचार्य असीम रूमी ने शिक्षा के साथ खेलों में सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम की सफलता में समन्वयक रेखा ठाकुर, पीटीआई पंपा बाग तथा नर्सरी से कक्षा 3 तक के सभी अध्यापकों का विशेष योगदान रहा।

यूट्यूब चैनल हैक कर फिरौती मांगने में दो बंदी

बलरामपुर, अमृत विचार : साइबर थाना पुलिस ने यूट्यूब चैनल हैक कर 8 लाख फिरौती मांगने वाले दो साइबर अपराधियों को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक एंड्रायड फोन और एक आईफोन 13 बरामद किया है। विनय कुमार ने साइबर थाना में तहरीर दी थी कि उनके यूट्यूब चैनल को हैक कर लिया गया है। आरोपितों ने चैनल लौटाने के लिए 8 लाख की मांग की थी तथा 1.60 लाख रुपये पहले ही ले चुके थे। प्रभारी निरीक्षक आरपी यादव के नेतृत्व में टीम वादी को साथ लेकर कटिहार रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां आरोपित मो. शाहिल रजा व मो. शब्बीर रजा, निवासी पूर्णिया (बिहार) को गिरफ्तार कर लिया गया।

स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करते विधायक रामप्रताप वर्मा व अन्य।

स्वास्थ्य शिविर का विधायक ने किया उद्घाटन

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला में स्वास्थ्य नारी सशक्त नारी अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन विधायक राम प्रताप वर्मा ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. चंद्र प्रकाश सिंह के साथ संयुक्त रूप से किया। शिविर में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न जांचें एवं परामर्श सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर सीएचसी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय कुमार, डॉ. विनय कुमार, डॉ. यासिर खान, डॉ. सत्यम सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी आशुतोष कुमार उपाध्याय, विजय किशोर तिवारी, अरुण कुमार और पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं और क्षेत्रवासियों ने भाग लिया।

सरयू नहर में डूबने से युवक की मौत

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : सरयू नहर स्थित नये नगर गांव पुल के पास बुधवार सुबह ग्रामीणों ने एक युवक का शव उतराता देखा। शव की शिनाख्त गुलजारी उर्फ गोलू चौहान निवासी रेहरवाके रूप में हुई।

संदिग्ध हालात में बंदी की मौत

बलरामपुर अमृत विचार : ललिया क्षेत्र के ग्राम नंदनगर निवासी जीतेंद्र कुमार (38) की बुधवार तड़के जेल में मौत हो गई। परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताया है। फरवरी में एसएसबी ने जीतेंद्र को मादक पदार्थ संग पकड़ा था। पिता कौशल ने बताया कि मंगलवार को उन्होंने बेटे से मुलाकात की थी, उस समय वह पूरी तरह स्वस्थ था।

किसानों को संबोधित करते पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह व मौजूद अन्य लोग।

मेले में किसानों को दी गई उपयोगी जानकारी

बलरामपुर, अमृत विचार : तुलसीपुर के देवीपाटन प्रांगण में चल रहे कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण, कृषक जागरूकता एवं विराट किसान मेला कार्यक्रम के तीसरे दिन किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। वही संवाद के माध्यम से किसानों की समस्याओं और समाधान पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार कृषक के लिए कई योजनाएं चल रही है। जिससे किसानों की आय दोगुनी हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों को नई तकनीक के बारे में जागरूक होना चाहिए। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक श्याम नारायण राम, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र बलरामपुर डॉ. जगवीर सिंह, , पूर्व मंडल अध्यक्ष बृज गोपाल पांडे , कृषि सहायक तकनीकी प्रबंधक संतोष तिवारी , कृषि सहायक तकनीकी प्रबंधक राजेश वर्मा , गन्ना डायरेक्टर माधव प्रसाद चौधरी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान की भाकियू की मांग

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : भाकियू (भानु गुट) के जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत चेयरमैन रवि वर्मा को पांच सूत्री ज्ञापन सौंपकर नगर की समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने में अनावश्यक देरी हो रही है। वहीं, नए जुड़े वार्डों में तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी रोड लाइट नहीं लगी। सफाई व्यवस्था व कीटनाशक छिड़काव के अभाव में संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा। मुनीर महतो वार्ड व छोटी-बड़ी मस्जिद वार्ड में गंदे पेयजल की आपूर्ति हो रही है। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी सहित भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम | विधायक ने व्यापारियों से किया संवाद

जीएसटी की दरों में कमी से राहत

संवाददात, बलरामपुर

अमृत विचार : पीएम मोदी के नेतृत्व में लागू 'नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधार' अब बलरामपुर में भी चर्चा का विषय बन गया है। फराशखाना, पहलवारा व चौक बाजार में व्यापारियों से संवाद कर उन्हें नई जीएसटी दरों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि रोज़मर्रा की ज़रूरतों की वस्तुओं पर टैक्स घटाकर 0% तक कर दिया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी। व्यापारियों से उपभोक्ताओं को नई दरों की जानकारी साझा करने का आग्रह किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ये सुधार व्यापार प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बना रहे हैं। व्यापारियों ने भी इस पहल का स्वागत किया। इस मौके पर विधायक सदर पल्टूराम, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू', भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस, नगर अध्यक्ष आनंद स्वरूप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों से जीएसटी के बारे में चर्चा करते सदर विधायक व पालिका अध्यक्ष।

जिला अस्पताल में मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं

बलरामपुर, अमृत विचार : जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्थापित इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब का लोकार्पण बुधवार को लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं राज्य मंत्री चिकित्सा शिक्षा व परिवार कल्याण मयंकेश्वर शरण सिंह ने संयुक्त रूप से किया। स्थानीय कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी, राजकीय मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. राजेश चतुर्वेदी, सीएमएस डॉ. राजकुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। लैब में ब्लड, यूरिन, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री व मॉलिक्यूलर स्तर तक की सभी जांच एक ही स्थान पर संभव होंगी।

रामलीला में नारद मोह प्रसंग का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

कलाकारों ने किया नारद मोह का मंचन

बलरामपुर, अमृत विचार : श्रीश्री 108 सत्य प्रचारिणी रामलीला समिति द्वारा चल रही ऐतिहासिक रामलीला के दूसरे दिन नारद मोह और विश्व मोहिनी प्रसंग का मंचन हुआ। मंचन में दिखाया गया कि नारद जी कामदेव को पराजित कर अभिमान से भर उठते हैं। भगवान विष्णु उनके अहंकार को दूर करने के लिए विश्व मोहिनी का स्वयंवर रचते हैं। सुंदरता पाने की लालसा में नारद बंदर रूप धारण कर लेते हैं और स्वयंवर में उपहास का पात्र बन जाते हैं। अंतत: उन्हें अपनी भूल का एहसास होता है। इस प्रसंग ने दर्शकों को स्पष्ट संदेश दिया कि अभिमान मनुष्य के पतन का कारण है। कलाकारों के शानदार अभिनय पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी।

लूट की झूठी कहानी रचने में दंपति गिरफ्तार

बलरामपुर, अमृत विचार : थाना महराजगंज तराई क्षेत्र में दर्ज लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसे झूठा पाया। पुलिस ने घटना की साजिश रचने वाले दंपित को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से जेवरात बरामद किए। 10 सितम्बर को चैपुरवा शिवानगर निवासी रामराज गौतम ने पुलिस को तहरीर दी थी कि तीन लोग घर में घुसकर उसकी पत्नी रीमा को चाकू दिखाकर जेवर और नकदी लूट ले गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस जांच में मामला झूठा निकला। रीमा ने लालच में सास के जेवरात छिपा लिए और पति रामराज के साथ मिलकर लूट की फर्जी कहानी बनाकर मुकदमा दर्ज कराया था।

न्यूज ब्रीफ

प्रदर्शनी का सांसद ने किया उद्घाटन

सिद्धार्थनगर : सेवा पर्व के अवसर पर सूचना एवं जन संपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा तहसील नौगढ़ परिसर में लगाई गयी चित्र प्रदर्शनी का सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल द्वारा चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। यह प्रदर्शनी 02 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल ने निर्देश दिया जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्कूली बच्चों को लाकर प्रदर्शनी का अवलोकन कराये। इस अवसर पर अपर जिला सूचना अधिकारी विमलेश कुमार, व अन्य जनप्रतिनिधिण, अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

कई ट्रेनों के संचालन में किया गया बदलाव

गोरखपुर : रेलवे प्रशासन रेल संरक्षा को ध्यान में रखते हुये उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद स्टेशनों के मध्य पुल संख्या-141 बी पर री-गर्डरिंग कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि मार्ग परिवर्तन- दौराई से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15091 दौराई–टनकपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग दिल्ली सराय रोहिला–नई दिल्ली–तिलक ब्रिज–साहिबाबाद के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव दिल्ली स्टेशन पर नहीं रहेगा। दिल्ली से 23 नवम्बर,2025 को चलने वाली 12036 दिल्ली–टनकपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नई दिल्ली–तिलक ब्रिज–साहिबाबाद के रास्ते चलाई जायेगी। लालगढ़ से 22 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15910 लालगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग शकूर बस्ती–नई दिल्ली–तिलक ब्रिज–साहिबाबाद के रास्ते चलाई जायेगी।

रेलवे ने 3,03,095 रुपये वसूला राजस्व

गोरखपुर : पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। इसी परिप्रेक्ष्य में महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 11 से 22 सितम्बर,2025 तक गोरखपुर से बस्ती, गोरखपुर से गोण्डा, गोरखपुर से सिसवा बाजार, गोरखपुर से सीवान एवं गोरखपुर से बेलथरा रोड रेल खंड में विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित किया, जिसमें अनधिकृत यात्रियों/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ के आईडी की जांच की गयी, जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित/बिना बुक सामान के कुल 481 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 3,03,095 रुपये) के रेल राजस्व की वसूली की गई।

तस्करी की रोकथाम के प्रयास जारी

गोरखपुर, अमृत विचार : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर–पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि इसी क्रम में, 23 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं 14674 में 15 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, छपरा को सुपुर्द किया गया।

नागपुर-समस्तीपुर एक्स. का बदला गया रूट

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण की कमीशनिंग के परिप्रेक्ष्य में प्री नॉन-इण्टरलॉक/नान इण्टरलॉक कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण पूर्व में निरस्त की गई 01207/01208 नागपुर-समस्तीपुर-नागपुर विशेष गाड़ी का निरस्तीकरण समाप्त कर परिवर्तित मार्ग से निम्नवत चलाया जा रहा है। नागपुर से 24 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 01207 नागपुर-समस्तीपुर विशेष गाड़ी का निरस्तीकरण समाप्त कर परिवर्तित मार्ग वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-गोविन्दपुरी-सूबेदार गंज-प्रयागराज जं.-ज्ञानपुर रोड-वाराणसी-औड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जा रही है। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, गोंडा, बस्ती एवं गोरखपुर स्टेशनों पर नहीं रुकेगी।

उपमुख्यमंत्री ने दी कई योजनाओं की सौगात

19 करोड़ की 4 परियोजनाओं डुमरियागंज, खेसरहा व बांसी बसन्तपुर में फील्ड हॉस्पिटल का हुआ लोकार्पण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अंबेडकर सभागार में लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान जनपद जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

अमृत विचार। उपमुख्यमंत्री, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग राज्य मंत्री बृजेश पाठक ने संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण उप्र की उपस्थिति में प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान इन्दिरा नगर लखनऊ से किया। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण कर जिलेवासियों के लिए कई सौगाते दीं।

जनपद स्तर सांसद, डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक डुमरियागंज प्रतिनिधि जहीर अहमद, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया की उपस्थिति में जनपद में 19 करोड़ की लागत से 4 परियोजना डुमरियागंज में जनपदीय ड्रग वेयर हाउस, विकास खण्ड नौगढ़ में इन्ट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्प लैब, विकास खण्ड खेसरहा में 50 शैय्या फील्ड हॉस्पिटल एवं विकास खण्ड बांसी बसन्तपुर में 50 शैय्या फील्ड हॉस्पिटल का लोकार्पण अम्बेडकर सभागार में किया गया।

- सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा- जनपद में बड़े पैमाने पर चिकित्सा सुविधा को किया जा बेहतर

इस लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सांसद, डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं विधायक बांसी जय प्रताप सिंह को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी एवं विधायक डुमरियागंज प्रतिनिधि को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

सांसद, डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश व जनपद में बड़े पैमाने पर चिकित्सा सुविधा को बेहतर किया जा रहा है। जनपद सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद एवं विकास खण्ड खेसरहा आकांक्षी ब्लॉक की श्रेणी में है। जनपद के लागों को छोटी छोटी बीमारियों के इलाज के लिए अन्य जनपदों में जाना पड़ता था। आकांक्षी ब्लाक खेसरहा को 50 शैय्या हॉस्पिटल मिलने से लोंगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में वरदान साबित होगा। प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सशक्त बनाने के लिए सेवा पखवाड़ा तथा स्वस्थ नारी सशक्त नारी अभियान चलाया जा रहा हैं।

मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने कहा कि यह आकांक्षी जनपद है। यहां स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने की आवश्यक्ता है जिसके क्रम में जनपद में 04 स्वास्थ्य परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है। जिसके माध्यम से लागों को आसानी से अपने जनपद में ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सभी चिकित्सा अधिकारी, आशा मिलकर कार्य करें तथा गर्भवती महिलाओं, एचआरपी महिलाओं को चिन्हित करते हुये उनका स्वास्थ्य परीक्षण करायें। गांव में भ्रमण कर सर्दी, खांसी, बुखार आदि के लक्षण वाले मरीजों को चिह्नित कर उनका सीएचसी/पीएचसी पर स्वास्थ्य परीक्षण करायें।इस अवसर पर एमओबाईसी, बीसीपीएम, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं आशा कार्यकत्री आदि की उपस्थिति रहीं।

अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाई जा रही: जय

विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने कहा कि कोविड के दौरान उप्र जैसे अधिक आबादी वाले प्रदेश में लागों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा था। लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा उस कठिन चुनौती का सामना करने में स्वास्थ्य विभाग के लोगों द्वारा काफी मेहनत किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा मेडिकल कालेज, सीएचसी/पीएचसी पर ऑक्सीजन प्लान्ट स्थापित कराया गया। उसी के दृष्टिगत किसी भी बीमारियों से निपटने के लिए ड्रग वेयर हाउस एवं अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाया जा रहा है। लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए मेडिकल कालेज, सीएचसी/पीएचसी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर को सभी चिकित्सकीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भी कमी लाया जा सके।

जायजाद के लालच में बेटी व दामाद ने की थी वृद्ध की हत्या

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी व मामले का खुलासा करते एएसपी। अमृत विचार

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

- एएसपी ने वृद्ध शिवपूजन की हत्या का किया खुलासा

अमृत विचार। थानाक्षेत्र खेसरहा के गेंगटा गांव में 19/20 की रात्रि में वृद्ध शिवपूजन की हत्या हो गई थी। जिसकी सूचना परकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई थी। बता दें कि उक्त हत्या के मामले में मंगलवार को खेसरहा पुलिस व सर्विलांस की संयुक्त टीम को सफलता मिली है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए वृद्ध के बेटी व दामाद को गिरफ्तार कर लिया है।

जिले के अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार ने मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया। एएसपी ने बताया कि खेसरहा थानाक्षेत्र के गेंगटा में वृद्ध शिवपूजन की हत्या के मामले में दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है और यह अभियुक्त मृतक शिवपूजन की सौतेली बेटी व दामाद हैं। जिन्होंने जायदाद के लालच में वृद्ध शिवपूजन की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त जूता व पत्थर भी बरामद किया है। पुलिस ने इन अभियुक्तों को खेसरहा थानाक्षेत्र के कुड़जा गांव से गिरफ्तार किया है। वहीं गिरफ्तार अभियुक्तों में मृतक का दामाद मनोज पुत्र ब्रम्हा निवासी कुड़जा थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर और मृतक की पुत्री कविता पत्नी मनोज निवासी कुड़जा थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर है। बरामदगी में घटना मे प्रयुक्त आला कत्ल (जूता व पत्थर) बरामद हुआ। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष खेसरहा अनुप कुमार मिश्र, प्रभारी सर्विलांस हरेन्द्र चौहान, थाना खेसरहा के उप निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप यादव, सर्विलांस टीम के हेड कांस्टेबल जनार्दन, विवेक, कांस्टेबल पुष्पेन्द्र, अभिनन्दन, संजीव गोयल, थाना खेसरहा के हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार, कांस्टेबल चन्दन सिंह, महिला कांस्टेबल ज्योति तिवारी मौजूद रहें।

साइबर अपराध और मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता, शोहरतगढ़ (सिद्धार्थनगर)

अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी के तुलसियापुर चौराहे पर स्थित पं. बाबूराम शुक्ल विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज में बुधवार को साइबर अपराध व मिशन शक्ति जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ढेबरुआ थाने के एसआई जय प्रकाश व कांस्टेबल मोहित कुमार पुण्डीर ने साइबर सुरक्षा के बारे में बताया।

उन्होंने छात्रों को फिशिंग, हैकिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी आईडी, साइबर बुलिंग से बचने के उपाय भी बताए। साथ ही विद्यार्थियों को हेल्पलाइन नम्बर 1930 और साइबर क्राइम पोर्टल की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों के सवालों के भी जवाब दिये। महिला आरक्षी श्रद्धा त्रिपाठी ने मिशन शक्ति के बारें में बताया। उन्होंने बताया कि यदि किसी छात्रा को कोई शोहदा विद्यालय आते-जाते समय परेशान करता है, तो चुप रहने के बजाए उसके खिलाफ शिकायत करें। स्कूल और घर में जानकारी दें, कोई हल न निकले तो पुलिस की मदद लें। अब तो जिले में किसी का हुलिया बताकर उसका स्केच बनवाने की सुविधा उपलब्ध हो गई है। ऐसे में शोहदे या अराजकतत्व की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने में आसानी होगी। प्रधानाचार्य रवि शुक्ल ने बताया कि सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नम्बरों की व्यवस्था की गई है। इस दौरान आरक्षी हिमांशु सिंह, बृजेश कुमार व रमेश यादव, शिक्षक धन्नजय पाठक, आशाराम यादव, सीतू गुप्ता, शिवानी तिवारी, रंजना तिवारी, रेखा गुप्ता, जितेन्द्र शुक्ल, प्रदीप मौर्य, मलिक मोहम्मद अकरम, सुनील यादव आदि मौजूद रहे।

जीआरपी ने तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

संवाददाता, गोरखपुर

पुलिस की गिरफ्त में तीन तस्कर व बरामद गांजा। अमृत विचार

अमृत विचार। जीआरपी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन अभियुक्तों को सोमवार देर शाम गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 15 किलो गांजा भी बरामद हुआ है। तीनों अभियुक्त बिहार के रहने वाले बताये जाते हैं ।

पुलिस अधीक्षक रेलवे लक्ष्मी निवास मिश्र ने जीआरपी कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुएबताया कि पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गोरखपुर इंजन के पास से गिरफ्तार किया है मुखबीर की सूचना पर तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया.अपने पीठ पर बैग रखें थे, तलाशी के दौरान अलग-अलग बाग में पांच-पांच किलो गांजा पाया गया। तीनों व्यक्तियों के पास से मिलकर 15 किलो गाजा बरामद हुआ है ,जिसकी कीमत 2,60,000 रुपए हैं.ये अभियुक्त बिहार के रहने वाले हैं,और गाजा राजस्थान लेकर जा रहे थे.दो का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड. वे जेल जा चुके हैं.तीनों अभियुक्तों के बारे में और जानकारी इकट्ठा की जा रही है। अभियुक्त,अभिषेक कुमार मिश्व पुत्र उपेन्द्र मिश्र निवासी सरयाखास पिपरा थाना गोविन्दगंज पूर्वी चम्पारण बिहार उम्र करीब 27 वर्ष , अभियुक्त धीरज कुमार पाल पुत्र हीरा प्रसाद निवासी खरया खास पिपरा थाना गोविन्दगंज जनपद पूर्वी चम्पारण बिहार उम्र करीब 22 वर्ष अभियुक्त आलोक कुमार पुत्र हरीश ठाकुर निवासी खरया खास पिपरा थाना गोविन्दगंज जनपद पूर्वी चम्पारण बिहार उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है । टीम में जीआरपी थाना प्रभारी अनुज कुमार सिंह ,उपनिरीक्षक सुनील कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक विनोद कुमार, उपनिरीक्षक सत्यम दुबे, एएसआई दिनेश यादव हेड कांस्टेबल आशुतोष मिश्रा, गुरु प्रसाद कनौजिया, धीरेंद्र प्रताप सिंह पीयूष सिंह कांस्टेबल विपिन यादव देवेंद्र यादव सत्यबीर सिंह शामिल रहे।

- बिहार के आरोपियों के पास से 15 किलो गांजा भी बरामद

देवी-देवताओं की मूर्तियों को खण्डित करने की घटना अत्यन्त ही निंदनीय : विधायक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नवरात्र के पावन अवसर पर नौगढ़ स्थित विकास भवन के पास प्राचीन हिंदू मंदिर को पूरी तरह तोड़े जाने और देवी-देवताओं की मूर्तियों को खण्डित करने की घटना अत्यन्त ही निन्दनीय एवं सनातनियों की आस्था पर आघात है। यह मंदिर विगत 40 वर्षों से स्थानीय जनता की आस्था का केन्द्र रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते थे। उक्त बातें विधायक शोहरतगढ़.विनय वर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि जानकारी के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आधी रात को बिना किसी सूचना एवं सहमति के मंदिर को ध्वस्त कर प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त किया गया। यह कार्य न केवल हिन्दू समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है, बल्कि धार्मिक स्वतन्त्रता और परम्पराओं का भी उल्लंघन है। दुर्भाग्य से यह घटना नवरात्रि के अवसर पर हुई। यह दर्शाता है कि प्रशासन किस तरह से संवेदनहीन और मुगलिया शासन जैसा व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि आस्था का अपमान किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जायेगा। सनातन की रक्षा करने वाली सरकार के रहते हुए इस तरह का कृत्य करने वाले अफसर किसी भी हालत में बख्शे नहीं जाने चाहिए।

शिविर में 92 महिलाओं का किया गया उपचार

गोरखपुर, अमृत विचार। ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, के झिंगरन मेमोरियल हॉल में 24 सितम्बर,2025 को ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' अभियान के अन्तर्गत महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे चिकित्सकों के अतिरिक्त अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,गोरखपुर की चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच एवं उनकी काउन्सिलिंग की गई। इस अवसर पर ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, के चिकित्सा निदेशक डॉ. मोहम्मद ए.ए.खान, विभागाध्यक्ष कम्प्यूनिटी मेडिसीन/एम्स डॉ. आनन्द दीक्षित द्वारा इस अभियान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। शिविर में कुल 92 महिलाओं की जांच की गई। इस दौरान अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक गायनी डॉ. तनु वर्मा, डॉ. उमेश मौर्या, अवधेश कुमार, पंकज कुमार सिंह, सहायक फार्मेसी अधिकारी व चिकित्साकर्मी रहे।

भारतीय जीवन बीमा निगम ने मनाया हिंदी पखवाड़ा

गोरखपुर, अमृत विचार। तारामंडल रोड स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के मंडल कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा के तहत पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गोरखपुर मण्डल के मंडल प्रबंधक प्रभारी दीपक चावला की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा चावला थी। मुख्य अतिथि ने फीता काटकर पुस्तक मेले का भव्य उद्घाटन किया। श्रीमती सीमा चावला ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नि:संदेह पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं, पुस्तकें अनमोल होती हैं इनका कोई मोल नहीं होता। पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र होती हैं।यह हमारा मार्गदर्शन करती हैं। पुस्तकें इतिहास बताती हैं, पुस्तकों से ही देश विदेश की संस्कृति एवं सभ्यता का पता चलता है। पुस्तक मेले का अवलोकन करने के पश्चात् मंडल प्रबंधक प्रभारी दीपक चावला ने कहा कि पुस्तकें अंधकार में प्रकाश की किरण होती हैं, उन्होंने कहा कि पुस्तकों के माध्यम से महापुरुषों के विचार अमर हो जाते हैं, उनका ज्ञान, उपदेश सदैव जीवित रहता है। पुस्तक मेले में अरविंद मिश्रा, सुनील तिवारी, प्रदीप मिश्र, कृपानंद, इंद्रनील, सुजाता गिरकर,नीतू प्रसाद चौधरी, सुशील तिवारी, राजीव त्रिपाठी, प्रतिभा उपाध्या,रजनीश गुप्ता, कमल, प्रभांशु, मनोज श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में एलआईसी के कर्मचारी रहे।

रासेयो का मनाया गया स्थापना दिवस

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना रासेयो इकाई द्वारा बुधवार को रासेयो के 57वें स्थापना दिवस पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयसेवकों ने मानव श्रृंखला भी बनाई। रासेयो स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें भविष्य में समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ता बनाता है। यहां डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ति, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. रश्मि झा, डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय, धीरज कुमार, डॉ. श्रीनाथ आर, डॉ. वैशाख आर आदि रहे।

कलेक्ट्रेट में शीघ्र होगी शहीद स्मारक की स्थापना

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा पिछली बैठक का संज्ञान लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से प्राप्त आख्या के सम्बन्ध में अवगत कराया गया जिसमें 4 प्रकरण निस्तारित हो चुके है। की कार्यवाही शुरु की गयी। कुल 5 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जो जमीनी विवाद, अवैध कब्जा, न्यायालय में विचाराधीन, गन लाईसेंस एवं वेलफेयर से सम्बन्धित थे। जिसको जिलाधिकारी द्वारा निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में शहीद स्मारक की स्थापना की जा रही है जिसके लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, उम्मीद है शीघ्र ही कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने बैठक का दायरा बढ़ाए जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया कि बैठक का उद्देश्य सैनिक बंधुओं, आश्रितों को सेवा संबंधित समस्याओं सहित और क्या क्या किया जा सकता है इस पर भी मंथन किया जाय जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी मामले न्यायिक स्तर पर लंबित हैं या जो जनपद क्षेत्र/प्रदेश के बाहर के हैं ऐसे मामलों के निस्तारण करना कठिन है। बैठक में गुन्जन द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी, कुशीनगर, मेजर महेश कुमार बर्नवाल, सुनील कुमार यादव, वरिष्ठ कोषाधिकारी, डा० धर्मेन्द्र यादव, क्षेत्राधिकारी सदर, सूबेदार एसके हुड्डा, 50 यूपी एनसीसी, पडरौना, कुशीनगर, आदि के अलावा सम्मानित पूर्व सैनिक कैप्टन लाल बहादुर, कैप्टन शमसुद्दीन अंसारी, कैप्टन दयाशंकर पाण्डेय, नायक अनिल सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

पैदल गश्त कर पुलिस ने आमजन को कराया सुरक्षा का एहसास

पैदल गश्त करती पुलिस।

संवाददाता, कुशीनगर, अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में नवरात्र त्यौहार के दृष्टिगत चाक-चौबन्द सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था,महिला सुरक्षा हेतु जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष,चौकी प्रभारी द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र में सायं फ्लैग मार्च किया गया। इस नगर सहित दौरान प्रमुख मार्गो, चौराहों, बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सराय, होटल व रेस्टोरेन्ट इत्यादि स्थानों पर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की गहनता से जांच पड़ताल की गई। पैदल गश्त के दौरान पुलिस ने शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने अपील की।

पुलिस क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में पीस कमेटी मीटिंग का आयोजन, संवाददाता

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन कुमार सिंह द्वारा थाना कोतवाली हाटा पर बुधवार को दुर्गा पूजा एवं दशहरा त्यौहार के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के सभ्रांत व्यक्तियों एवं आयोजनकर्ताओं ने भाग लिया। क्षेत्राधिकारी कुंदन कुमार सिंह ने दुर्गा पूजा समिति एवं आयोजनकर्ताओं से वार्ता की और उनकी समस्याओं को सुना। उपस्थित सभी लोगों से त्यौहारों के दौरान आपसी सौहार्द, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार सुनील कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी रामसहाय चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

आस्था

कार्तिक मेला की तैयारी शुरू, बैठक में दिए गए आवश्यक दिशा- निर्देश

जयकारों के साथ गूंज उठा मां आदि शक्ति का पंडाल

संवाददाता, शोहरतगढ/सिद्धार्थनगर

पंडाल में विराजी मां की प्रतिमा के समक्ष पूजन करते पुरोहित। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर पंचायत बढ़नी स्टेशन रोड बढ़नी में मां आदिशक्ति नव दुर्गा पूजा समिति की स्थापना 2007 से की जाती है। समिति के सभी सदस्य श्रद्धापूर्वक लाकर विशाल पंडाल बनकर तैयार करते हैं। कई दिनों से तैयारी के बाद नवरात्र के प्रथम से नवमी तक विधि विधान द्वारा आचार्य देवनाथ पाण्डेय वैदिक मंत्रों द्वारा माता रानी का पूजा पाठ होता है। बुधवार की रात भी पूजन के दौरान मां आदि शक्ति के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

नवरात्र के दौरान रोजाना हवन से पहले माताजी का मालपुआ का भोग लगता है, इससे सारी मनोकामनाएं पूर्ण होते हैं। पण्डाल को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। समिति के अध्यक्ष हरिओम अग्रहरि ने बताया कि भक्त अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण होने पर गुप्त दान श्रद्धापूर्वक दक्षिणा देकर जाते हैं। वहीं लोगों का कहना है कि विधि विधान से पूजा होने के कारण आये हुए भक्तों का मनोकामना पूर्ण होती हैं। माता जी का दिव्यता महा अष्टमी के दिन और निखर जाता है। मां अष्टमी के पर्व पर माता जी का गोद भराई कार्यक्रम होता है। जिसमें सभी महिलाएं माताजी के लिए श्रृंगार, चुनरी, नारियल कोयच्छा भरा जाता है। महिलाएं नम आंखों से माता रानी की विदाई करती हैं। नवमी के दिन हवन के उपरान्त विशाल भण्डारे का आयोजन होता है, जिसमें सैकड़ो लोगों के प्रसाद की व्यवस्था होता है। समिति के कार्यकर्ता द्वारा सभी भक्तों को ध्यान में देकर प्रसाद वितरण होता है।

बता दें कि समिति के अध्यक्ष हरिओम अग्रहरि और मिथुन अग्रहरि, रिंकू अग्रहरि, शनि कमलापुरी माताजी के पूजन भक्ति में जजमान विष्णु अग्रहरि, रिंकू कमलापुरी, सुनील अग्रवाल, मोनू अग्रहरि, पिन्टू जायसवाल, नितेश रौनियार, विक्की कमलापुरी समिति के कार्यकर्ता द्वारा साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विशाल पण्डाल होने के कारण लोग दूर-दराज से आकर पण्डाल के सामने बैठकर दर्शन करते हैं। दशमी के दिन माता रानी का डोला बढ़नी नगर भ्रमण करते हुए रामलीला मैदान में नगर पंचायत बढ़नी की सारी मूर्तियां एकत्रित होती हैं। रामलीला मैदान में डीजे कम्पटीशन होता है। उसके उपरान्त चरगहवा नाले में सुबह तक विसर्जन होता रहता है। वहीं उत्तर प्रदेश के ढेबरुआ पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था में लगी रहती है।

भारत-नेपाल सीमा पर निकलेगा पथ संचलन

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़.कस्बे के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पर बुधवार की शाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शोहरतगढ़ खण्ड की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान जिला प्रचारक विशाल ने शताब्दी वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तैयारियों पर चर्चा किया। बैठक में भारत-नेपाल सीमा खुनुवां में निकलने वाले पथ संचलन पर विशेष चर्चा की। उन्होंने बतााया कि खुनुवां में 6 अक्टूबर को दोपहर बाद पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकलेगा। यह संचलन सरस्वती शिशु मंदिर से भारत-नेपाल सीमा तक निकाला जायेगा। उन्होंने पूर्ण गणवेश पर जोर देते हुए कहा कि कि 14 से 50 साल की उम्र के बीच के स्वयंसेवकों पर गणवेश के लिए जोर देना है। बैठक में पंकज श्रीवास्तव, भारतीय मजदूर संघ के संयुक्त मंत्री सुरेन्द्र पाल, सन्तोष कुमार सिंह, अमित चौधरी रहें।

मीना दिवस पर बच्चों ने काटा केक

सिद्धार्थनगर। पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय गौरा बाजार अलीदापुर कपिलवस्तु में बच्चों ने केक काटकर मीना दिवस मनाया गया। इस दौरान इंस्पेक्टर शोहरतगढ़ मृत्युंजय राय, सुमित कुमार पांडेय, वेद प्रकाश, इमामुद्दीन, प्रदीप कुमार पाठक अध्यापक उपस्थित रहे।

सूचना
मेरा मूल दस्तावेज बैनामा दिनांकित 01/06/2015 को बही सं. 1 जिल्द सं. 6493 पृष्ठ सं. 379 से 420 पर क्रमांक 4785 पर कार्यालय उपनिबंधक तहसील सदर जनपद महाराजगंज में रजिस्ट्रीकृत है। जो आराजी मौजा पिपर देउरा (राजीव नगर आराजी सं. 589/0.013 हेक्टेयर) कहीं खो गया है। उसे किसी बैंक या वित्तीय संस्था में बंधक नहीं किया गया है, उसे भारतीय स्टेट बैंक मिनी आर. ए. सी. पी. सी. पडरौना, कुशीनगर में बंधक कर ऋण ले रहा हूँ। – राकेश कुमार पटेल पुत्र देवी शरन नि– ग्रा.–पकरी सिसवा, त. सदर, महाराजगंज

अमृत विचार

गुरुवार, 25 सितंबर 2025

प्रतिबद्धता के क्षण में, ब्रह्मांड आपकी सहायता करने के लिए षड़यंत्र रचता है।

–जोहान वोल्फगैंग वॉन गोएथे, जर्मन दार्शनिक

सरकार का ऐतिहासिक कदम

जातिगत भेदभाव भारतीय समाज की सबसे जटिल और पुरानी समस्याओं में से एक रहा है। संविधान ने समानता का अधिकार देकर सभी नागरिकों को एक समान दर्जा प्रदान किया, लेकिन व्यवहारिक जीवन में जाति का उल्लेख, भेदभाव और उससे उपजे तनाव लगातार मौजूद रहे। हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में योगी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए यह निर्देश जारी किया है कि अब पुलिस दस्तावेजों, सरकारी कार्यवाहियों, एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, शव परीक्षण रिपोर्ट, तलाशी मेमो या किसी भी तरह के आधिकारिक दस्तावेजों में जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, राजनीतिक रैलियों, सार्वजनिक मंचों और शिकायतों में भी जाति का नाम जोड़ना प्रतिबंधित होगा। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि समाज में जातिगत विषमता को मिटाने की दिशा में एक ठोस पहल है। जाति का उल्लेख कई बार कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालता है। किसी अपराध के आरोपी या पीड़ित की जाति लिखे जाने से सामाजिक तनाव भड़क सकता है। पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति अंकित करने से एक वर्ग विशेष की छवि हमेशा के लिए अपराध से जुड़ जाती है, जिससे सामाजिक न्याय की मूल भावना को ठेस पहुंचती है। सरकार का यह निर्णय इस कुप्रथा को समाप्त करने और सभी नागरिकों को समान दर्जा देने का प्रयास है। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाली जाति-आधारित नारेबाजी और भड़काऊ संदेशों पर भी सख्त निगरानी रखने की बात कही गई है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब समाज को धीरे-धीरे जाति की जकड़न से बाहर लाने की जमीन तैयार होगी। जब किसी सरकारी दस्तावेज में जाति अंकित नहीं होगी, तो धीरे-धीरे लोगों की सोच से भी यह भेदभाव मिटने लगेगा। प्रशासनिक स्तर पर यह एक साहसी कदम है, क्योंकि इससे न केवल पुलिस और प्रशासनिक कार्यवाहियों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों में यह संदेश जाएगा कि राज्य सबको समान दृष्टि से देखता है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि केवल दस्तावेजों से जाति हटाने भर से सामाजिक समरसता स्थापित हो जाएगी।

राजनीतिक दलों को भी इस कदम से सबक लेना होगा। चुनावी रैलियों और भाषणों में जाति-आधारित गोलबंदी हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति पर धब्बा है। यदि ऐसे उल्लेख समाप्त होंगे तो राजनीति का ध्यान असल मुद्दों-रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की ओर जाएगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इसे स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि यह निर्णय जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सही भी है, क्योंकि जब तक जाति की दीवारें बरकरार हैं, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है। आखिरकार, यह निर्णय केवल प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि सामाजिक सुधार की ओर बढ़ता हुआ संदेश है। यदि इसे सख्ती से लागू किया गया और राजनीतिक-सामाजिक संगठनों ने भी सहयोग किया, तो आने वाले वर्षों में भारतीय समाज जातिगत बंधनों से बहुत हद तक मुक्त हो सकता है।

प्रसंगवश

बदलता समाज और खत्म होता बचपन

आधुनिकता के इस युग में दुनिया जैसे-जैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बूते स्मार्ट होती जा रही है, वैसे-वैसे वह अपना कुछ खोती भी जा रही है! आधुनिकता की चकाचौंध में हम क्या खो रहे हैं, इसका आभास भी नहीं है। भारत सहित दुनिया भर में मासूम बच्चे, जो ठीक से बोल भी नहीं पाते, वह स्मार्ट फोन आपरेट करना सीख जाते हैं। वह स्मार्ट फोन से क्या-कुछ सीख रहे हैं, इसका माता-पिता को आभास भी नहीं है। आधुनिक दौर का यह बचपन स्मार्ट फोन की तरह दिनों-दिन अपडेट हो रहा है। यह बच्चे माता-पिता की कल्पना से भी आगे की बात करने लगा है। इन बच्चों के कार्य-व्यवहार को जब करीब से देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि इनका बचपन समय से पहले ही चला गया है। यह अपनी उम्र से कहीं अधिक बड़ों जैसा व्यवहार करते नजर आते हैं।

अरविंद रावल

लेखक

बचपन मानव जीवन का सबसे सुंदर और सर्वोतम दौर होता है। न कोई फिक्र न कोई चिंता और न कोई जिम्मेदारी। बचपन सदा मस्तमौला होता है और बचपन में जीवन निर्माण का खाका तैयार होता है, जिसमें भविष्य गढ़ा जाता है। समाज जैसे-जैसे बदलता जा रहा है, उसका असर भी बच्चों पर पड़ रहा है। इन सबके बीच बचपन गुम हो रहा है। आज मानव के पास अथाह दौलत और शोहरत है। बड़ी-बड़ी इमारतें हैं और इन इमारतों में आधुनिक विलासिता की वह सारी चीजें मौजूद हैं, जिनके बूते जीवन ऐशो-आराम से जिया जा सकता है! इन इमारतों के दरवाजों में बच्चों को एक तरह से कैद कर दिया गया है। ज्यादातर बच्चों के हाथों में स्मार्ट मोबाइल थमा दिया गया है। मोबाइल से यह बच्चे वह सब कुछ सीख रहे हैं, जो उनकी उम्र के लिहाज से काफी बुरा है। यहां तक कि बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो जा रही है। इससे बच्चों का मन-मस्तिष्क दूषित हो रहा है। कच्ची उम्र में उन्हें यह सब कुछ बर्बादी की तरफ ले जा रहा है। खराब बात यह है कि मां-बाप को इसका अंदाजा भी नहीं है कि उनका बच्चा मोबाइल पर कैसी सामग्री देख रहा है?

अपने देश में बच्चों के लिए कोई रीति-नियम नहीं बचा है। न कोई सामाजिक मानक ही तय किए गए हैं। कोविड में आन लाइन क्लासेज के जरिए एक बार जब स्कूली बच्चों के हाथ मोबाइल लगा तो वह फिर उनसे नहीं छूटा। बात सिर्फ अश्लील सामग्री तक ही नहीं है, अब ज्यादातर बच्चे स्कूल की किताबों की जगह यूट्यूब से पढ़ना पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब पर मौजूद कोर्स की हर सामग्री अपडेटेड या सही हो, यह जरूरी नहीं है। वहां से पढ़ा बच्चा जब एग्जाम में गलत जवाब लिखकर आता है और मार्क्स कम आते हैं तो मां-बाप जान ही नहीं पाते कि कमी कहां पर रह गई। वह यही कहते मिलते हैं कि उनके बच्चे ने बहुत मेहनत से पढ़ाई की थी, जाने कैसे उसके नंबर कम आए हैं!

नई पीढ़ी में नैतिकता हो, वह भविष्य में समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें, इसकी जिम्मेदारी समाज के साथ ही मां-बाप की भी है। मासूम अपने बचपन को इंज्वाय कर सकें और वह अपनी उम्र के हिसाब से धीरे-धीरे ज्ञान अर्जित करें, यह बहुत आवश्यक है, क्योंकि जिस तरह से मस्तिष्क का विकास होता है, उसी तरह की जानकारी भी उनके दिमाग में जानी चाहिए। कच्ची उम्र में बड़ों की बातें सीख जाना उनके लिए खतरनाक है और यह उन्हें गलत दिशा में ले जाएगा। ऐसी कई सारी घटनाएं हो चुकी हैं, जहां बच्चों ने मोबाइल देखकर क्राइम करना सीखा। बच्चों का भविष्य सुंदर हो और वह अपने बचपन को बेहतर जी सकें, यह जिम्मेदारी सभी की है।

'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए विश्वविद्यालय

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी भौतिक संपत्तियों या प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी मानव संसाधन क्षमता से भी निर्धारित होती है। विशेषकर तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में यह अकाट्य सत्य रूप में प्रकट होता है। अमेरिका ने पिछले तीन-चार दशकों में जिस गति से स्वयं को वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में स्थापित किया है, उसमें विदेशी प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों ने सिलिकॉन वैली की सफलता में अहम योगदान दिया है। यही कारण है कि H-1B वीजा को अमेरिका और भारत के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाता है।

प्रतिवर्ष हजारों भारतीय इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाते हैं, अपनी जिंदगी संवारते हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं, लेकिन अब बड़ा अवरोध खड़ा हो गया है। ट्रंप ने घोषणा की कि नए H-1B वीजा आवेदकों से $100,000 का एकमुश्त शुल्क लिया जाएगा। यह राशि इतनी अधिक है कि अधिकांश पेशेवरों के लिए अमेरिका की राह मुश्किल होने वाली है। यह निर्णय केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को रोकने की एक कोशिश है, हालांकि यह नीति केवल नए आवेदकों पर लागू होती है, मौजूदा वीजा धारकों पर नहीं। फिर भी प्रश्न यह है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे? अमेरिका और भारत दोनों के लिए इसका क्या अर्थ होगा? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या यह नीति अमेरिका के लिए आत्मघाती साबित होगी और भारत के लिए अवसर का द्वार खोलेगी?

कई रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित (STEM) पेशेवरों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों के सापेक्ष उपलब्धता सीमित है। इस कमी को अब तक विदेशी प्रतिभा पूरी करती रही है। भारतीय पेशेवर अकेले H-1B वीजा धारकों का 70% से अधिक हिस्सा रखते हैं, लेकिन अब $100,000 की बाधा के चलते तमाम योग्य पेशेवर अमेरिका जाने का सपना छोड़ देंगे। आईटी दिग्गजों के लिए भी चिंता यही है कि उन्हें काम करने के लिए सही लोग नहीं मिलेंगे अथवा खर्चा बहुत ज्यादा बढ़ने वाला है। अध्ययनों से साबित हुआ है कि विदेशी प्रतिभा स्थानीय नौकरियां छीनती नहीं, बल्कि पैदा करती हैं। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन की यह नीति घरेलू श्रमिकों को खुश करने के नाम पर विदेशी प्रतिभा के दरवाजे लगभग बंद कर रही है। इसका परिणाम होगा धीमी नवाचार गति, उत्पादन में गिरावट और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना।

अब बात भारत की। सबसे बड़ा नुकसान भारतीय पेशेवरों को होगा। अमेरिका लंबे समय से भारतीय पेशेवरों, खासकर आईटी क्षेत्र के लिए 'करियर डेस्टिनेशन' रहा है। बेहतर वेतन, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और स्थायी निवास की संभावना ने लाखों युवाओं को वहां खींचा, लेकिन इस नई नीति ने इस रास्ते को लगभग असंभव बना दिया है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं, भावनात्मक भी है। कई परिवार टूटेंगे, कई सपने अधूरे रह जाएंगे। भारतीय आईटी कंपनियों के लिए भी यह झटका है। तमाम कंपनियां वर्षों तक अपने कर्मचारियों को H-1B के जरिए अमेरिका भेजकर प्रोजेक्ट्स संभालती रहीं। अब यह मॉडल बेहद महंगा होता जा रहा है। छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के लिए तो यह शुल्क विनाशकारी साबित होगा।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। अमेरिका में मुश्किलें बढ़ने का अर्थ है कि भारतीय प्रतिभा अब देश के भीतर ही अवसर ढूंढने को प्रयासरत होगी। पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है। भारत में पहले से ही 1,580 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCC) मौजूद हैं, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपना रिसर्च, डेवलपमेंट और सपोर्ट का काम भारत से करवाती हैं। 2030 तक इनकी संख्या 2,300 से अधिक होने का अनुमान है। इससे लाखों नई नौकरियां और अरबों डॉलर का निवेश भारत में आ सकता है। भारतीय स्टार्टअप इको सिस्टम पहले से ही दुनिया के अग्रणी ईको सिस्टम्स में से एक है। अगर बेहतरीन इंजीनियर और वैज्ञानिक यहीं रुकते हैं, तो स्टार्टअप्स की संख्या में बढ़ोत्तरी भी संभव है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है।

यह नीति केवल भारत और अमेरिका का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ी है। चीन अपनी STEM शिक्षा और रिसर्च पर भारी निवेश कर रहा है। यूरोप और कनाडा जैसी जगहें भी भारतीय प्रतिभा को आकर्षित करने में सक्रिय हैं। यदि अमेरिका ने अपने दरवाजे बंद कर दिए तो यह प्रतिभा कहीं और जाएगी। सवाल यह है कि भारत इस मौके को पकड़ पाएगा या नहीं? शिक्षा और कौशल विकास में निवेश, शोध को प्रोत्साहन, कर ढांचे में सुधार, स्टार्टअप्स को पूंजी और सरल नियम तथा वैश्विक कंपनियों को स्थिर माहौल, ये सब मिलकर भारत को प्रतिभा का असली घर बना सकते हैं।

भारत के लिए यह कठिनाई भी है और अवसर भी। कठिनाई इसलिए कि हजारों भारतीय पेशेवरों के सपने टूटेंगे और आईटी कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ेंगी, लेकिन अवसर इसलिए कि यही प्रतिभा अब भारत की धरती पर रहकर देश के उद्योग, स्टार्टअप और शोध को मजबूत करेगी। अगर भारत सरकार और उद्योग जगत मिलकर सही रणनीति अपनाते हैं तो बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवाचार के लिए अनुकूल माहौल और वैश्विक मानकों के अनुरूप वेतन संरचना की बदौलत भारत के लिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत हो सकती है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका ने क्या खोया, बल्कि यह है कि भारत क्या हासिल करता है।

पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है।

आमने

केंद्र के अधीन फरक्का बैराज व डीवीसी के डैमों की वर्षों से ड्रेजिंग नहीं होने से हर बार जब बिहार, झारखंड, यूपी, उत्तराखंड में बारिश होती है, तो वहां का पानी बंगाल आ जाता है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। –**ममता बनर्जी**
सीएम, पश्चिम बंगाल

सामने

कोलकाता व आसपास बीती रात मूसलाधार बारिश के कारण जल जमाव और विभिन्न स्थानों पर करंट लगने से 10 लोगों की मौत की घटना के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। एक बार फिर साबित हो गया है कि बंगाल के लोग ममता के विनाशकारी कुशासन से जूझ रहे हैं। –**सुवेंदु अधिकारी**
नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल

भारतीय सिनेमा फाल्के से मोहनलाल तक

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली का विज्ञान भवन 23 सितंबर को भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम क्षण का गवाह बना। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया गया। यह क्षण केवल एक अभिनेता की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की विविधता, उसकी कलात्मकता और उसके वैश्विक प्रभाव का प्रतीक भी था। दक्षिण भारतीय सिनेमा की परंपरा और गौरव को नए शिखर पर ले जाने वाले मोहनलाल ने अपने चार दशक लंबे अभिनय करियर में न केवल मलयालम बल्कि तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का परचम लहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को इस सम्मान पर बधाई देते हुए कहा कि उनका सफर न केवल एक अभिनेता की कहानी है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा की विविधता, जीवंतता और वैश्विक पहुंच का भी प्रतीक है। यह टिप्पणी इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मोहनलाल केवल एक फिल्म स्टार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गर्व के दूत भी हैं।

मोहनलाल विश्वनाथन, जो दक्षिण भारत में 'मोहनलाल' के नाम से विख्यात हैं, का जन्म 21 मई 1960 को केरल में हुआ था। 1978 में 'थिरनोट्टम' नामक फिल्म से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई, लेकिन वास्तविक पहचान उन्हें 1980 के दशक के मध्य में मिली, जब वे मलयालम सिनेमा के नए चेहरे के रूप में स्थापित हुए। चार दशकों से अधिक के इस सफर में मोहनलाल ने 400 से अधिक फिल्मों में काम करते हुए दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और मलयालम सिनेमा को नई पहचान दिलाई। मोहनलाल की अभिनय शैली को 'नेचुरल एक्टिंग' का पर्याय माना जाता है। चाहे साधारण मध्यवर्गीय युवक की भूमिका हो, ऐतिहासिक चरित्र हो या एक्शन हीरो का रूप, मोहनलाल हर किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। यही कारण है कि उन्हें भारतीय सिनेमा का 'द कंप्लीट एक्टर' कहा जाता है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में 'किरिडम' (1989), 'भारतं' (1991), 'वानप्रस्थम' (1999), 'दृश्यम' (2013, 2021), 'इरुप्पथम नूट्टांडी' और 'पुलिमुरुगन' (2016) शामिल हैं। 'वानप्रस्थम' ने तो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की और कांस फिल्म महोत्सव में भी प्रदर्शित हुई, जबकि 'दृश्यम' को हिंदी तथा अन्य भाषाओं में रीमेक किया गया।

मोहनलाल का अभिनय सफर केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। वे पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी शामिल है। उन्हें पद्म भूषण (2019) और पद्म श्री (2001) जैसे भारत सरकार के उच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं। कई बार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार भी उन्हें प्राप्त हुए हैं। इन सभी उपलब्धियों के बावजूद दादासाहेब फाल्के पुरस्कार उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान है, जिसने उनके योगदान को भारतीय सिनेमा की विरासत में अमर कर दिया है।

भारतीय सिनेमा की नींव रखने वाले धुंडीराज गोविंद फाल्के (दादासाहेब फाल्के) को 'भारतीय सिनेमा का जनक' कहा जाता है। 1913 में उन्होंने भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई थी। उनकी स्मृति में ही 1969 से दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत हुई थी, जो भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सिनेमा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में आजीवन योगदान दिया हो। पहली बार यह पुरस्कार देविका रानी को मिला था और तब से लेकर अब तक यह पुरस्कार पृथ्वीराज कपूर, सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, लता मंगेशकर, अशोक कुमार, राजकपूर, अम्मानोरमलिनी, रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों को मिल चुका है।

मोहनलाल का सम्मान दर्शाता है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग (मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़) ने वैश्विक स्तर पर भारतीय फिल्मों की पहचान को मजबूत किया है। भारतीय सिनेमा पर अक्सर बॉलीवुड का दबदबा चर्चा में रहता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोहनलाल इस परंपरा के ऐसे स्तंभ हैं, जिन्होंने मलयालम सिनेमा को न केवल भारत के हर कोने तक पहुंचाया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान दिलाया। उनकी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ, पारिवारिक भावनाएं, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कर मोहनलाल ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सिनेमा की आत्मा उसकी विविधता और कलात्मकता में निहित है। कुल मिलाकर, मोहनलाल को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा की उस यात्रा का उत्सव है, जो दादासाहेब फाल्के की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुई और आज वैश्विक मंचों तक पहुंच चुकी है।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के मौके पर राष्ट्रपति ने मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया।

सोशल फोरम

'मिरर लाइफ' के खतरे

दुनिया भर के वैज्ञानिकों के बीच मिरर लाइफ यानी ऐसी जीवन संरचना, जिसमें जीवों के सारे अणु उल्टे (mirrored) हों, पर चल रहे रिसर्च को रोकने की मांग तेज हो गई है। विश्व भर के 38 प्रमुख वैज्ञानिकों ने 2024 के अंत में Science जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें कहा गया था कि मिरर बैक्टीरिया मानव, जानवरों, पौधों और पूरे पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर किसी तरह से ऐसे उल्टे-जैसे बैक्टीरिया लैब से बाहर आ जाएं, तो पृथ्वी पर कई जीवों की पूरी आबादी के लिए वास्तव में कोई बचाव तंत्र ही नहीं रहेगा, क्योंकि अब तक हमारे इम्यून सिस्टम सिर्फ प्राकृतिक (मूल) जैविक अणुओं को पहचानने के लिए विकसित हुए हैं।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

मिरर लाइफ प्रयोगशाला में बनाई जाने वाली जीवन की ऐसी व्यवस्था है, जिसमें जीवन के सभी अणु, जैसे डीएनए, आरएनए और प्रोटीन अपने प्राकृतिक रूप के ठीक उल्टे यानी दर्पण-छवि (mirror image) जैसे होते हैं। जैसे हर इंसान के दाएं और बाएं हाथ की बनावट एक जैसी है, लेकिन एक-दूसरे की दर्पण छवि है, वैसे ही मिरर लाइफ के अणु भी सामान्य जीवन के अणुओं के ठीक विपरीत होते हैं।

धरती पर पाए जाने वाले सभी जीवों में डीएनए और आरएनए के नयूक्लियोटाइड्स दाहिने (right-handed) होते हैं और प्रोटीन के अमीनो एसिड्स बाएं (left-handed) होते हैं। मिरर लाइफ में ये बिलकुल उल्टे होंगे। डीएनए और आरएनए के नयूक्लियोटाइड्स बाएं और अमीनो एसिड्स दाहिने होंगे। ऐसा जीवन अब तक धरती पर कहीं नेचुरली नहीं मिला है। वैज्ञानिक सिंथेटिक जीव विज्ञान की मदद से इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सिर्फ प्रयोगशाला की कल्पना है। चिंता यह है कि अगर ऐसे मिरर जीव बन जाते हैं, तो इन्हें पहचानना, रोकना या नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो सकता है, क्योंकि हमारे शरीर की सुरक्षा प्रणाली इन्हें नहीं पहचान पाएगी।

मई 2025 में मैनचेस्टर में वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और नैतिक विशेषज्ञों की अहम बैठक हुई थी। इसमें अधिकांश विशेषज्ञों ने माना कि मिरर लाइफ पर रिसर्च बंद करना जरूरी है, ताकि ऐसी संरचनाएं न बनाई जा सकें, जिन्हें रोका न जा सके। यह भी कहा गया कि जो रिसर्च दवाओं में मिरर इमेज अणुओं का इस्तेमाल करती है, वह अलग और सुरक्षित हैं, क्योंकि ये पहले ही FDA द्वारा अनुमोदित दवाओं में प्रयोग हो रहे हैं। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

यूपीएस में कर्मचारी नहीं दिखा रहे हैं रुचि

केंद्रीय सरकार ने कर्मचारियों के लिए यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम के चयन करने की तारीख 30 सितंबर 2025 तक बढ़ा दी थी। यूपीएस जो देश में पहली अप्रैल 2025 से लागू की गई थी। यह तारीख इसलिए बढ़ानी पड़ी, क्योंकि यूपीएस के चयन में अभी तक काफी कम कर्मचारियों ने रुचि दिखाई है। कर्मचारी ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग काफी पहले से करते आ रहे हैं, दूसरी ओर यूपीएस के चयन में इनकी दिलचस्पी कम आंकी जा रही है। एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम में तब्दील किए गए कर्मचारी यूपीएस में जाने से गुरेज कर रहे हैं।

लगभग 24 लाख कर्मचारियों में से कुल 40,000 कर्मचारियों ने ही अभी तक यूपीएस के चयन की स्वीकृति दी है, जो संख्या में बहुत कम है। यही मुख्य कारण है कि केंद्र सरकार ने यूपीएस के विकल्प के लिए तिथि को बढ़ा दिया है। इसके साथ ही राज्य सरकारों को भी यूपीएस चुनने का विकल्प केंद्र द्वारा दिया जा रहा है। अब बात करते हैं ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की। ओपीएस, एनपीएस के पूर्व में प्रदान की जानी वाली पेंशन स्कीम है, जिसमें कर्मचारियों के वेतन से इसके लिए किसी भी तरह की कोई कटौती नहीं की जाती थी, अथवा अंशदान नहीं लिया जाता था, जबकि सरकार ही पूरी राशि प्रदान किया करती थी। सरकार पेंशन की गारंटी देती थी और मूल वेतन के साथ-साथ डीए का 50% हिस्सा कर्मचारियों की पेंशन के लिए दिया जाता था।

शिवालिक अवस्थी

लेखक

एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम पहली जनवरी 2004 से लागू की गई थी। इस स्कीम में ओपीएस की तुलना में रात-दिन का फर्क देखने को मिला। नतीजन, कर्मचारियों का 10 प्रतिशत अंशदान और सरकार का 14 प्रतिशत अंशदान इस स्कीम में शामिल किया गया। इस अंशदान के बाद राशि को बाजार आदि में निवेश किया जाना प्रस्तावित हुआ। बस यहीं से मानों कर्मचारियों ने एक जंग सी छेड़ दी। कर्मचारी ओपीएस की मांग सरकार से करने लगे। मूलतः एनपीएस बाजार नियंत्रित रिटर्न्स पर निर्भर रहने वाली स्कीम है, जिसमें रिस्क फैक्टर बने रहने के चांस भी हैं। इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बीच का रास्ता निकाल कर यूपीएस स्कीम को लांच किया। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम एक ऐसी स्कीम है, जहां पर अंशदान के साथ-साथ पेंशन की गारंटी भी प्रदान की जाएगी।

अब बात करते हैं यूपीएस यानी यूनिफाइएड पेंशन स्कीम की। यहां साफ करना होगा कि यूपीएस एक वैकल्पिक स्कीम है यानी एनपीएस की तरह इसे अपनाना जरूरी नहीं है। यूपीएस का चयन कर्मचारियों को अपने हिसाब से करना है। इसके लिए सरकार की तरफ से कोई दबाव नहीं है। चूंकि यूपीएस, ओपीएस और एनपीएस का एक समावेशी पहलू है, इसलिए यूपीएस एक महत्वपूर्ण योजना हो सकती है, जहां सुरक्षा भी मिले वह भी गारंटी के साथ। यूपीएस में न्यूनतम 25 वर्ष की सेवा उपरांत कर्मचारी को उसके अंतिम 12 माह के मूल वेतन का 50 प्रतिशत, पेंशन व्यवस्था के तौर पर सुनिश्चित किया गया है। वहीं 10 वर्ष की सेवा उपरांत 10,000 मासिक पेंशन की व्यवस्था की गई है। ग्रेच्युटी एवं डीए भुगतान का विकल्प भी समायोजित किया गया है, जबकि अंशदान की बात करें तो इसमें कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत व सरकार द्वारा भी कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत अंशदान शामिल किया गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त 8.5 प्रतिशत यूपीएस पूल कॉर्पस भी सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यानी सरकार का योगदान लगभग 18.5 प्रतिशत तक रहेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***

05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

सितारों और ग्रहों की रहस्यमयी दुनिया में बनाएं भविष्य

ब्रह्मांड हमेशा से इंसानों के लिए रहस्यमयी रहा है। रात के अंधेरे में टिमटिमाते तारे, चमकता चांद और ग्रहों की अनोखी दुनिया हर किसी को आकर्षित करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन रहस्यों को समझने के लिए एक खास विज्ञान है- एस्ट्रोफिजिक्स। अगर आप विज्ञान और गणित के छात्र हैं और अंतरिक्ष की गुत्थियों को सुलझाने का सपना देखते हैं, तो एस्ट्रोफिजिक्स आपके करियर का अगला बड़ा कदम हो सकता है। यह न केवल तारों और ग्रहों का अध्ययन करता है, बल्कि हमें बताता है कि ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे हुई, वह कैसे बदलता है और भविष्य में कैसा होगा।

रोमांच से भरा करियर

- रहस्यमयी विषयों से जुड़ाव- यह आपको यूनिवर्स की सबसे गहरी पहेलियों से रूबरू कराता है।
- इनोवेशन और रिसर्च- इसमें रिसर्च का दायरा बहुत बड़ा है। आप नई खोजों में योगदान दे सकते हैं।
- वैज्ञानिक करियर - इस क्षेत्र में करियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसरों से भरा है।
- प्रेरणादायक कार्यक्षेत्र- अंतरिक्ष एजेंसियों, रिसर्च संस्थानों और विश्वविद्यालयों में काम करने का मौका मिलता है।

कौन कर सकता है ये कोर्स

- एस्ट्रोफिजिक्स में एडमिशन लेने के लिए 12 वीं फिज़िक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएस) से पास होना चाहिए। इसके साथ ही छात्रों को कम से कम 50 प्रतिशत या उससे ज़्यादा होने अंक होना चाहिए।

एंट्रेंस एग्जाम

- आईआईएसआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी)- भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- एसईएसटी- नेशनल स्क्रीनिंग टेस्ट
- जेईई एडवांस्ड – जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन एडवांस्ड
- सीयूईटी-यूजी – कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु।
- राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भुवनेश्वर।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद।
- हर्ष चंद्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज।
- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान बेंगलुरु।
- टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान मुंबई।
- अतंर- विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी केंद्र पुणे।
- आर्यभट्ट प्रेक्षणीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान नैनीताल।
- रमन अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु।

क्या है एस्ट्रोफिजिक्स

- एस्ट्रोफिजिक्स खगोलशास्त्र और भौतिकी का मिश्रण है। इसमें वैज्ञानिक ब्रह्मांड के हर छोटे-बड़े पहलू का अध्ययन करते हैं। इसमें हम अध्ययन करते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते और खत्म होते हैं। ग्रह और उपग्रह अपनी कक्षाओं में कैसे चलते हैं। ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार और डार्क मैटर क्या होता है। ब्रह्मांड कितना बड़ा है और समय के साथ कैसे फैल रहा है। इस विज्ञान में दूरबीन, उपग्रह और गणित का इस्तेमाल होता है। आजकल हबल और जेम्स वेब जैसी दूरबीनें ब्रह्मांड की तस्वीरें भेजती हैं, जिससे वैज्ञानिक नई खोज कर पाते हैं।

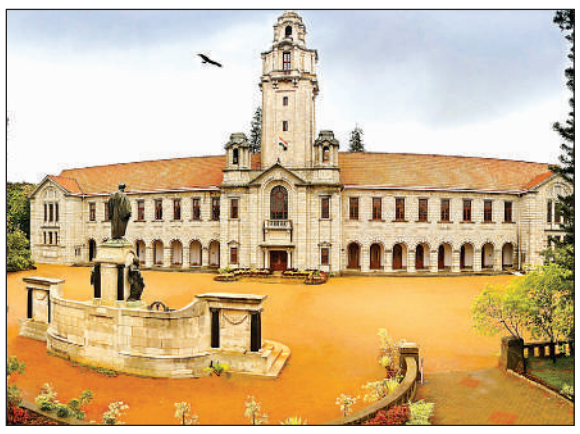

इस फील्ड में करियर

- एस्ट्रोफिजिक्स की पढ़ाई पूरी करने के बाद आप इन क्षेत्रों में काम कर सकते हैं:
- रिसर्च संस्थानों और प्रयोगशालाओं में रिसर्च साइंटिस्ट
- इसरो, नासा, ईएसए जैसी स्पेस एजेंसियों में स्पेस साइंटिस्ट
- डेटा एनालिस्ट खगोलीय और कॉस्मिक डेटा को समझने व विश्लेषण करने के लिए।
- सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैज्ञानिक शोध के लिए सिमुलेशन तैयार करना।
- एयरोस्पेस एंड टेलीकॉम सेक्टर- उपग्रह और अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में
- साइंस लेखक या पत्रकार- विज्ञान को सरल भाषा में आम जनता तक पहुंचाने के लिए।

सैलरी

- एस्ट्रोफिजिसिस्ट की सैलरी अनुभव, जगह और काम के प्रकार के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। एक फ्रेशर एस्ट्रोफिजिसिस्ट को लगभग 4-6 लाख रुपये सालाना मिल सकता है, जबकि अनुभवी फ्रेशर को 8-15 लाख रुपये तक का सालाना पैकेज हो सकता है। प्राइवेट सेक्टर में इससे भी ज्यादा हो सकती है।

स्कॉलरशिप बनाएगी पहचान, बैंक पूरी करेगा सपनों की उड़ान

सपने बड़े हैं, पढ़ाई कर कुछ बनने की ललक है। ऐसे में बजट की कमी के चलते पढ़ाई में बाधा आ रही है तो निराश होने की जरूरत नहीं है। सरकारी सहायता से इतर कई बैंक भी हैं, जो मेहनती व पढ़ाई में गंभीर मेधावियों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। इन स्कॉलरशिप के जरिए मेधावी अपने खुली आंखों से देखे गए सपनों को पूरा कर सकते हैं। बैंकों की ओर से दी जाने वाली स्कॉलरशिप स्कूल और कॉलेज स्तर तक की पढ़ाई करने वाले मेधावियों के लिए होती है। कई ऐसी विशेष स्कॉलरशिप भी यह बैंक ऐसी प्रदान करते हैं, जो युवाओं को तकनीकी शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स को करने के लिए होती है।

एसबीआई आशा स्कॉलरशिप

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपनी 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'प्लेटिनम जुबली आशा स्कॉलरशिप' प्रदान कर रहा है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। बैंक की ओर से स्कूल के छात्रों के लिए खासतौर पर कक्षा 6 से 8 तक 15 हजार रुपये तक की सहायता की जा रही है। इसी तरह कक्षा 9 से 12 तक के लिए 20 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप दिए जाने का प्रावधान है। कॉलेज और प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट 40 हजार रुपये से 1 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप बैंक द्वारा दी जाती है। इसी तरह आईआईटी छात्रों के लिए 2 लाख व आईआईएम छात्रों के लिए 5 लाख से 20 लाख तक (विदेश में पढ़ाई के लिए) की सहायता दी जाती है।

कोटक बैंक देता है दो स्कॉलरशिप

कोटक महिंद्रा बैंक दो प्रमुख स्कॉलरशिप प्रदान करता है। इनमें कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम व कोटक कन्या स्कॉलरशिप है। कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम में 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके छात्र, जो मुंबई महानगर क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बैंक 73,500 रुपये तक की स्कॉलरशिप, जिसमें 3,500 प्रति माह की दर से 21 महीनों के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है। इसी तरह कोटक कन्या स्कॉलरशिप में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुकी मेधावी छात्राएं, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। स्कॉलरशिप के तहत छात्राओं को 1,50,000 तक की स्कॉलरशिप प्रतिवर्ष, जो ग्रेजुएशन कोर्स पूरा होने तक प्रदान की जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए छात्राओं को 12 वीं कक्षा में 75 फीसदी या अधिक अंक प्राप्त करने होंगे।

एमबीए के लिए स्कॉलरशिप

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है। विशषतः एमबीए के छात्रों के लिए। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को दो साल की फुल टाइम एमबीए पढ़ाई के लिए 2 लाख रुपये की राशि दी जाती है, जिसमें पहले साल में 1 लाख रुपये और दूसरे साल में 1 लाख रुपये दिए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए छात्रों को कक्षा के लिए 2 साल का फुल टाइम एमबीए प्रोग्राम में चयनित होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से कम या उसके बराबर होनी चाहिए। छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है। स्कॉलरशिप के लिए छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है।

एचडीएफसी बैंक स्कॉलरशिप

एचडीएफसी बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है, जिसे एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ईसीएसएस स्कॉलरशिप कहा जाता है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए कक्षा 1 से 6 तक 15 हजार रुपये। कक्षा 7 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के लिए 18 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इसी तरह स्नातक (सामान्य कोर्स) 30 हजार रुपये व स्नातक (व्यावसायिक कोर्स) 50 हजार रुपये मिलते हैं। उधर स्नातकोत्तर (सामान्य कोर्स) 35 हजार रुपये व स्नातकोत्तर (व्यावसायिक कोर्स) 75 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए पिछली परीक्षा में कम से कम 55 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। साथ ही परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

जॉब अलर्ट

एसएससी कांस्टेबल भर्ती

- पद का नाम : कांस्टेबल
- कुल पद- 7565
- योग्यता- 12 वीं
- अंतिम तिथि- 21/10/2025
- वेबसाइट- https://ssc.gov.in/

केनरा बैंक अपरेंटिस भर्ती

- पद का नाम : अपरेंटिस
- कुल पद- 3500
- योग्यता- स्नातक
- अंतिम तिथि- 12/10/2025
- वेबसाइट- https://nats.education.gov.in/

इंडियन बैंक भर्ती

- पद का नाम : स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- कुल पद- 171
- योग्यता- स्नातक (बीटेक/बीई/ एमबीए आदि)
- अंतिम तिथि- 13/10/2025
- वेबसाइट- https://ibpsreg.ibps.in/ibasep25/

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) भर्ती

- पद का नाम : शिक्षण और गैर शिक्षण
- पद- 7267
- योग्यता- पदानुसार
- अंतिम तिथि- 23/10/2025
- वेबसाइट- https://nests.tribal.gov.in/

यूकेपीएससी प्रधानाचार्य भर्ती 2025

- पद का नाम : प्रधानाचार्य
- कुल रिक्तियां : 692
- योग्यता- पदनुसार
- अंतिम तिथि : 12-10-2025
- ऑनलाइन वेबसाइट : ukpscnet.in

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है। हाल ही में यह ट्रेड युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ये तस्वीरें नब्बे के दशक की हीरोइनों जैसी हैं। यंगस्टर्स अपनी तस्वीरों को सोशल प्लेटफॉर्म पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से एडिट करवाकर शेयर कर रहे हैं। कभी फिल्मी पोस्टर जैसी, कभी किसी फैंटेसी वर्ल्ड की झलक जैसी तो कभी बेहद आकर्षक अंदाज में दिखाई देती है। इस ट्रेंड ने यूजर्स में नई ऊर्जा भर दी है और हर दूसरा व्यक्ति अपनी एडिटेड फोटो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर साझा करता दिखाई दे रहा है। कुछ माह पहले भी हमें ऐसा ही एक ट्रेंड देखने को मिला था-गिबली आर्ट का, जिसमें लोग अपनी तस्वीरों को कार्टून में बदल रहे थे। तकनीक अब केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं रही, अब यह भावनाओं को भी छू रही है। एआई एडिटिंग का जादू

ऐसा है कि लोग अपनी तस्वीरों को कुछ पल के लिए नए और मनचाहे रूप में देखकर खुश हो रहे हैं। जिन लोगों ने हमेशा खुद को किसी खास अंदाज में देखने की कल्पना की थी, एआई ने उन्हें वह अनुभव दे दिया है। इससे न केवल खुशी और उत्साह बढ़ रहा है, बल्कि क्रिएटिविटी और मनोरंजन का भी एक नया माध्यम मिला है। तकनीक के इस प्रयोग ने आम लोगों को भी आधुनिकता का अनुभव कराया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ नकारात्मक पक्ष भी उभर कर सामने आ रहे हैं। एआई से बनी तस्वीरें असली नहीं लगतीं, क्योंकि इनका आकर्षण अक्सर बनावटी दिखाई देता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनमें एकरूपता बढ़ रही है। लगभग हर किसी की फोटो एक जैसी, खूबसूरत और परफेक्ट बनकर सामने आती है। इस वजह से लोग जल्दी ऊब भी जाते हैं, इसलिए यह ट्रेंड ज्यादा लंबे समय तक नहीं चलता। इसके अलावा वास्तविक और एडिटेड चेहरे के बीच अंतर देखने पर लोग अपने असली रूप से असंतुष्ट महसूस कर सकते हैं। डेटा प्राइवेसी का खतरा भी एक अलग चिंता का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर, एआई एडिटेड फोटो का यह ट्रेंड मनोरंजन और तकनीकी अनुभव का एक नया जरिया है। यह लोगों को थोड़े समय के लिए उत्साह और खुशी देता है, लेकिन लंबे समय में इसका आकर्षण फीका पड़ सकता है इसलिए इसे केवल प्रयोग और मनोरंजन की दृष्टि से देखना ही बेहतर है। वैसे भी असली सुंदरता हमेशा हमारी वास्तविकता, आत्मविश्वास और स्वभाव में ही छिपी रहती है।

लेखिका
रीता मटियाली

ट्यूशन पढ़ाकर स्टार्टअप के लिए जुटाया पैसा

रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी। जिसे उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने स्वर्ण पदक देकर डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया। रोजी एकेटीयू की बीटेक की मेधावी छात्रा हैं। आइए आपको बताते हैं कि रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी, उन्होंने अपना करियर कैसे शुरू किया और किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बीटेक की छात्रा रोजी मैंदौलिया ने थर्ड आई स्टार्टअप शुरू किया है। वह बताती हैं कि कभी भी मेरा सपना उद्यमी बनने का नहीं था, लेकिन एक घटना ने मेरी सोच और जीवन की दिशा दोनों ही बदल दी। कॉलेज के दूसरे वर्ष में गांवों में सर्वे के दौरान मेरी मुलाकात एक महिला से हुई। वह बड़े ही मनोयोग से ब्लाउज सिल रही थीं। मैंने सहज ही उनसे पूछा कि "मौसी जी, आप एक ब्लाउज के कितने पैसे लेती हैं?"

उन्होंने कहा- "बेटा, पचास रुपये।" मैं चौंक गई और कहा- "मेरी मम्मी तो एक ब्लाउज के लिए 350 रुपये से ज्यादा देती हैं। आप इतना कम क्यों लेती हैं?" उन्होंने बड़ी मासूमियत से उत्तर दिया- "क्या बताऊं बेटा, कई बार लोग हमसे 45 रुपये में भी ले जाते हैं।"

उनकी यह बात मेरे दिल को छू गई।

इतने अच्छे काम की इतनी कम कीमत क्यों मिल रही है।

मैं वापस लौटकर इस मुद्दे पर सोचना शुरू किया और जरूरी जानकारियों को इकट्ठा करना शुरू की। मुझे समझ आया कि सबसे अधिक शोषण हैंड एम्ब्रॉयडरी कारीगरों का हो रहा है। किसी को 32 रुपये तो किसी को 50 रुपये मुश्किल से प्रतिदिन मिलते हैं, लेकिन यह तो इनकी मेहनत और हुनर का शोषण है। मैंने ठान लिया कि मुझे उनके लिए कुछ करना है। उस समय मेरे सामने दो रास्ते थे। एक बीटेक के उसी सेक्टर में काम करना, जिसे मैं पढ़ रही थी। दूसरा इस अनप्रेडिक्टेबल इंटरप्रन्योरशिप की अनजानी दुनिया में कदम रखना। मैंने दूसरा रास्ता चुना, क्योंकि मेरा दिल कह रहा था कि मुझे इन कारीगरों के लिए बदलाव लाना है। वह मैंने अपने स्टार्टअप से कर दिखाया है। हालांकि इस दौरान मुझे अनेक चुनौतियों से भी जूझना पड़ा। लोग अक्सर पूछते भी हैं कि सबसे बड़ी कठिनाई क्या रही? मेरे लिए यह वित्तीय संकट नहीं था।

मुझे घर से जेब खर्च के लिए हमेशा पर्याप्त धन मिलता था। मेरे माता-पिता ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा, लेकिन मैं अपने स्टार्टअप के लिए उनसे पैसा नहीं लेना चाहती थी। यह मेरी अपनी जिम्मेदारी थी। इसलिए मैंने तय किया कि मैं डेढ़ साल तक घर पर ट्यूशन पढ़ाऊंगी। हर महीने लगभग 7,500 रुपए मुझे दो घंटे ट्यूशन पढ़ाने के मिलने लगे। पैसा खुद कमाती और एक-एक रुपया थर्डआई में ही लगाती। न कहीं और खर्च, न कोई और सपोर्ट। यह अनुशासन और आत्मनिर्भरता ही मेरे उद्यम की पहली नींव बनी। मेरी असली प्रेरणा तो कारीगर महिलाएं ही थीं, लेकिन जब लोग मुझसे पूछते हैं कि जोखिम लेने का साहस कहां से मिला, तो जवाब साफ है कि यह मैंने अपने पिता से सीखा है।

कैसे शुरू करें स्टार्टअप

अब युवाओं का उद्यमी बनना मुश्किल नहीं है। बहुत से युवा उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में आना चाहते हैं, लेकिन अक्सर सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि शुरुआत कैसे करें? मैं हमेशा यही कहती हूं कि अगर आपके पास एक आइडिया है और उसमें एक भी डिफ्रेंशिएटर (यानी कोई अलग या अनोखी चीज़) है, तो बिना डरे शुरुआत करें। मैं स्वयं टियर- 2 और टियर-3 शहरों के छात्रों और युवाओं को प्रशिक्षण देती हूँ कि "कैसे बिना किसी पूंजी के सिर्फ एक आइडिया से शुरुआत की जा सकती है।" जो भी युवा इस राह पर चलना चाहता है, वह मुझसे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। आप मुझसे सीधे जुड़ सकते हैं-Instagram : @thirdeye_shop, Email : support@thirdeyeshop.in से आप मेरे से संपर्क भी कर सकते हैं।

मॉडल और आमदनी

- थर्डआई का मॉडल "वर्क-फ्रॉम-होम" है। हम कारीगरों को सामग्री उपलब्ध कराते हैं, 50 प्रतिशत एडवांस देते हैं और प्रोडक्ट तैयार होने के बाद शेष भुगतान करते हैं। हमारा उद्देश्य यही है कि महिलाएं अपने घरों से अपने समय के अनुसार काम कर सकें। हमारे प्रोडक्ट की कीमत का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा सीधे कारीगरों को दिया जाता है।

मार्केटिंग के तरीके

- ऑनलाइन प्लेटफर्म- फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि
- कॉर्पोरेट हैम्पर्स व गिफ्टिंग
- ऑफलाइन प्रदर्शनियां
- हमारी योजना है कि आने वाले समय में उत्पादों का एक्सपोर्ट भी शुरू हो। वॉलमार्ट जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़ने की दिशा में काम चल रहा है। 2026 तक हमारा लक्ष्य है कि ऑफलाइन स्केलअप कर कई राज्यों में थर्डआई को स्थापित किया जाए।

पुरस्कार और उपलब्धियां

- डब्लूडब्लूएफ स्वीटजरलैंड में 75 वैश्विक कंपनियों में चयन।
- स्टार्टअप महाकुंभ में डीटूसी सेक्टर का विजेता एक लाख रुपए पुरस्कार।
- सी राईजेज कांक्लेव में 21,000 रुपए का पुरस्कार।
- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला द्वारा "सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र-नेतृत्व स्टार्टअप" का सम्मान मिला।
- सुलक्षणा सावंत गोवा की मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी की पदमिनी फाउंडेशन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- थर्डआई से कानपुर और दिल्ली के गांवों की लगभग 82 महिलाएं जुड़ी हैं। पहले जो महिलाएं केवल 50 रुपया प्रतिदिन कमाती थीं, अब वे 500 रुपए से अधिक प्रतिदिन कमा रही हैं। मेरे लिए यही सबसे बड़ी सफलता है कि जब कोई कारीगर आत्मसम्मान से कहता है कि वह अपने परिवार की रीढ़ है। मैं धार्मिक प्रवृत्ति की हूं और मानती हूं कि मेरी कामयाबी में भगवान शिव की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद और कारीगर बहनों के विश्वास के कारण ही संभव हो पाया है।

लेखक: मार्कण्डेय पांडेय

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,715.63	25,056.90
गिरावट	386.47	112.60
प्रतिशत में	0.47	0.45

सोना- 1,18,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे ने आईपीओ के लिए सौंपे दस्तावेज

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्रदाता फोनपे ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि फोनपे लिमिटेड ने 'प्री-फाइलिंग' गोपनीय मार्ग से आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रवक्ता ने आईपीओ के आकार का खुलासा करने से इन्कार कर दिया। सूत्रों ने जून में बताया था कि सार्वजनिक पेशकश में सहायता के लिए कंपनी ने कोटक महिंद्रा कैपिटल, जेपी मॉर्गन चेस, सिटीग्रुप और मॉर्गन स्टेनली को शामिल किया है।

वीएमएस का शेयर बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। टीएमटी बार विनिर्माता वीएमएस टीएमटी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 99 रुपये से छह प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से छह प्रतिशत की बढ़त के साथ 105 रुपये पर शुरुआत की। एनएसई में यह 5.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 500.78 करोड़ रुपये रहा। वीएमएस टीएमटी लिमिटेड के आईपीओ को गत शुक्रवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 102.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 148.50 करोड़ के आईपीओ का मूल्य दायरा 94-99 रुपये प्रति शेयर था। नए निर्गम से प्राप्त 115 करोड़ का उपयोग ऋण चुकाने और शेष राशि का उपयोग अन्य कार्यों में किए जाने की योजना है।

मुहूर्त महोत्सव : 5 मिनट में बिके ओला के सारे वाहन

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के 'मुहूर्त महोत्सव' में ग्राहकों का उत्साह देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार को बताया कि बिक्री शुरू होने के सिर्फ पांच मिनट के भीतर ही उसके सारे वाहन बिक गए। यह भारी मांग ओला द्वारा हाल ही में शुरू किए उत्सव अभियान की वजह से आई है। ओला ने अपने सबसे अधिक बिकने वाले एस1 स्कूटर और रोडस्टरएक्स बाइक के लिए 49,999 रुपये से शुरू होने वाली अब तक की सबसे किफायती कीमतें पेश की हैं। ओला ने कहा कि ओला मुहूर्त महोत्सव ने लोगों के दिलों को छू लिया है।

अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- ऊर्जा सुरक्षा ऐसा क्षेत्र जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश को आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिका की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। दुनिया मानती है कि ऊर्जा सुरक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा। भारत ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी है, हम अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) और भारत के अग्रणी कार्बन मुक्त समाधान प्रदाता 'रीन्यू' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'बदलते वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षा: सीमाओं के पार लचीले ऊर्जा बाजारों का निर्माण' में मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में ऊर्जा उत्पादों पर अमेरिका के साथ हमारा व्यापार बढ़ेगा। घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार होने के नाते हमारे ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिकी भागीदारी अधिक होगी जिससे भारत के लिए मूल्य स्थिरता, ऊर्जा के विविध स्रोत सुनिश्चित होंगे और हमें ऊर्जा एवं उससे परे विभिन्न मोर्चों पर अमेरिका के साथ असीमित संभावनाओं को खोलने में मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि एक और क्षेत्र जहां भारत और अमेरिका मिलकर काम कर सकते हैं और साथ मिलकर काम करने की योजना बना सकते हैं.... वह परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र है। यह ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम लंबे समय से बात कर रहे हैं। कुछ पहलू थे जिन्हें ठीक करने की जरूरत थी। हम भारत में परमाणु ऊर्जा पर निजी प्रयासों का समर्थन करने को काम कर रहे हैं।

● बोले- अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक है भारत

भारत, अमेरिका के बीच विभिन्न स्तरों पर व्यापार वार्ता जारी: अधिकारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और गैर-व्यापार दोनों मुद्दों पर विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका यात्रा पर हैं। प्रतिनिधिमंडल में विशेष सचिव एवं भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी हैं। अधिकारी ने कहा कि मंत्री के नेतृत्व दल के इस सप्ताह के अंत में भारत लौटने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और अग्रवाल के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हाल ही में संपन्न हुई एक दिवसीय चर्चा की पृष्ठभूमि में यह यात्रा हो रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने 16 सितंबर को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी दल के साथ दिनभर चली चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों की भारत की यह पहली यात्रा थी। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से दोगुना से अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर पहुंचाना है। गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए मई की शुरुआत में भी वाशिंगटन की यात्रा की थी।

द्विपक्षीय समझौते पर निष्कर्ष को न्यूयॉर्क गए गोयल

कार्यक्रम में सांसद अनुराग ठाकुर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव पंकज जैन, यूएसआईएसपीएफ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं अध्यक्ष मुकेश अग्नि, रीन्यू की सह-संस्थापक वैशाली निगम सिन्हा और रीन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा शामिल हुए। गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। वह अमेरिकी पक्ष के साथ बैठकों के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ विचार-विमर्श किया। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात) रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

कंपनियों को दो माह में उत्पादों की कीमतों में पूर्ण समायोजन का भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी 2.0

● एफएमसीजी कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक किए हैं कम

जीएसटी की कम दरें लागू होने के साथ रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों को उत्पादों के लिए कम कीमतें तय करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें दो महीने में इसके पूर्ण समायोजन की उम्मीद है। रोजमर्रा के उपयोग वाली वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक कम किए हैं।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास गैर-मानक कीमतें अपनाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है क्योंकि उनके पास चीजों का वजन (ग्रामेज) तेजी से बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, जिसके लिए कारखाने के ढांचे में बदलाव की जरूरत होती है। अस्थायी तौर पर उन्होंने सरकारी निर्देशों का पालन करने के लिए लोकप्रिय मूल्य पैक की अधिकतम खुदरा कीमत कम कर दी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दो स्तरीय पांच और 18 प्रतिशत दरें 22 सितंबर से प्रभावी हैं। पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने कहा कि यह पूरी तरह अस्थायी है। आम तौर पर जब भी आप किसी बदलाव या ऐसी किसी चीज की बात करते हैं, तो पैक के वजन में बदलाव करते हैं। इस तरह की चीजों में डेढ़ से दो महीने लगते हैं। अक्टूबर और नवंबर के रैपर छप चुके हैं। अब बाहर जाकर वजन में बदलाव करना और एमआरपी स्थिर रखना मुश्किल है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अबनीश रॉय ने कहा कि ये एफएमसीजी कंपनियों द्वारा अल्पकालिक उपाय हैं। कंपनियां अपने सामान का वजन बढ़ाएंगी और दो, पांच और 10 रुपये के मूल्य पर वापस आ जाएंगी क्योंकि 4.5 या 4.6 रुपये के मूल्य व्यावहारिक नहीं हैं। डाबर के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि हमने अपने पैक की कीमतों में समायोजन किया है।

कतर में भी यूपीआई से भुगतान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

अब भारतीय यात्री कतर में भी यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के साथ मिलकर इस सुविधा की शुरुआत की है। इस पहल के तहत क्यूएनबी से जुड़े दुकानदार और नेटस्टार्स के भुगतान समाधान का इस्तेमाल करने वाली पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर यूपीआई क्यूआर कोड से भुगतान किया जा सकेगा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि कतर ड्यूटी फ्री की दुकानें इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाले प्रतिष्ठान हैं। धीरे-धीरे यह अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों और बाजारों में उपलब्ध होगी। कतर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों में भारतीय यात्री दूसरे स्थान पर हैं। नई सुविधा से उन्हें नकदी रखने और मुद्रा बदलने से छुटकारा मिलेगा। एनआईपीएल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा कि यह साझेदारी यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क बनाने की दिशा में अहम कदम है। एनआईपीएल देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली का संचालन करने वाली कंपनी एनपीसीआई की अनुषंगी है। क्यूएनबी के समूह मुख्य व्यवसाय अधिकारी यूसुफ महमूद अल-नीमा ने कहा कि इस पहल से भारतीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी और कतर के खुदरा एवं पर्यटन क्षेत्र को भी फायदा होगा। इस सुविधा की शुरुआत से स्थानीय व्यापारियों को ज्यादा ग्राहक मिलेंगे और डिजिटल लेनदेन बढ़ेगा।

● एनआईपीएल ने कतर नेशनल बैंक के साथ मिलकर की सुविधा की शुरुआत

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट

मुंबई, एजेंसी

एफआईआई की पूंजी निकासी व एच-1बी वीजा शुल्क में वृद्धि ने डाला असर

बैंक, वाहन तथा पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 386 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 112 अंक टूटा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क में वृद्धि से भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ना जारी है।

बीएसई का सेंसेक्स 386.47 अंक टूटकर 81,715.63 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 112.60 अंक गिरकर 25,056.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और एक्सिस बैंक नुकसान में रहीं। वहीं, लाभ में रहने वालों में पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी और एचसीएल टेक हैं। शेयर बाजार के अनुसार, एफआईआई ने मंगलवार को 3,551.19 करोड़ के शेयर बेचे।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद घरेलू बाजारों में मुनाफावसूली देखी गई है। निवेशक मूल्यांकन और दूसरी तिमाही की आय अपेक्षाओं को पुनः निर्धारित कर रहे हैं। एच-1बी शुल्क वृद्धि से आईटी शेयरों का प्रदर्शन कमजोर रहा।

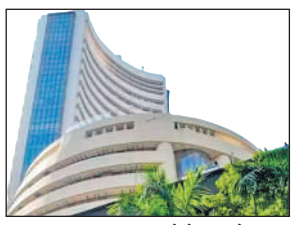

मिड और स्मॉलकैप में भी आई गिरावट

बीएसई के मिडकैप में 0.85 और स्मॉलकैप में 0.50 प्रतिशत की गिरावट आई। चार दिन में सेंसेक्स 1,298.33 अंक यानी 1.56 प्रतिशत टूट चुका है जबकि निफ्टी में 366.7 यानी 1.44 प्रतिशत की गिरावट आई है। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.44 प्रतिशत बढ़कर 67.93 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

राष्ट्रीय

राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई

दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर मौत को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए मौत की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई। राजोआना पिछले लगभग 29 वर्षों से जेल में बंद है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया को अपराध की गंभीरता से अवगत कराया।

पीठ ने पूछा, आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई है। शीर्ष अदालत राजोआना की दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राजोआना के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल की दया याचिका पर कोई फैसला नहीं हुआ है। नटराज ने कहा कि वह निर्देश लेंगे और पीठ को स्थिति से अवगत कराएंगे। रोहतगी ने कहा कि कोई नहीं जानता कि क्या हो रहा है। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि दया याचिका पर समय पर फैसला होना चाहिए। यदि मृत्युदंड को खत्म करना है तो उसे कम किया जाना चाहिए। यदि सजा कम की जाती है तो वह बाहर आ सकते हैं। राजोआना भारतीय हैं और यह भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। शीर्ष अदालत ने पाया है कि राजोआना ने की दया याचिका गुरुद्वारा समिति ने दायर की है।

पीठ ने सुनवाई 15 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी और कहा कि केंद्र के अनुरोध पर मामले को स्थगित नहीं किया जाएगा। 20 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से राजोआना की दया याचिका पर निर्णय लेने को कहा था। केंद्र ने तब कहा था कि दया याचिका विचाराधीन है। गत वर्ष 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन से जवाब मांगा था।

● 1995 में पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या का दोषी बलवंत सिंह राजोआना 29 वर्षों से जेल में है बंद

लापता बच्चों की तलाश के लिए विशेष ऑनलाइन पोर्टल बनाएं

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से कहा कि वह लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में विशेष ऑनलाइन पोर्टल बनाए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने उन पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी पर जोर दिया, जिन्हें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पोर्टल पर राज्य से एक अधिकारी हो सकता है जो सूचना देने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का भी प्रभारी हो सकता है। न्यायालय ने समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने पर बल दिया।

सहमति से यौन संबंध की वैधानिक आयु पर 12 नवंबर को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने किशोरों के लिए सहमति से यौन संबंध की वैधानिक आयु के मुद्दे पर सुनवाई के लिए बुधवार को 12 नवंबर की तारीख तय की। न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले को टुकड़ों के बजाय निरंतरता में सुनना पसंद करेगा। यह मामला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। पीठ ने मामले की सुनवाई के लिए 12 नवंबर की तारीख निर्धारित करते हुए कहा कि इस पर लगातार सुनवाई होगी। केंद्र ने कहा कि यह निर्णय नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के उद्देश्य से एक सोद्देश्य, सुविचारित और सुसंगत तिगत विकल्प है।

निर्वाचन आयोग ने ई-सत्यापन प्रणाली की शुरू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मतदाता सूची से नाम हटाने की मांग के प्रावधान का दुरुपयोग रोकने के लिए एक ई-सत्यापन प्रक्रिया शुरू की है। मतदाता सूची से नाम हटाने या शामिल करने पर आपत्ति दर्ज कराने वालों को उनके पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) मिलेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामले हो सकते हैं, जिसमें नाम हटाने की मांग करने वाला व्यक्ति ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराते समय किसी और का नाम या फ़ोन नंबर दे दे। यह अतिरिक्त सुविधा इस प्रकार का दुरुपयोग रोकेगी। यह सुविधा एक सप्ताह पहले शुरू की गई थी और निर्वाचन अधिकारियों ने कहा था कि यह कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में नामों को हटाने के गलत प्रयासों की प्रतिक्रिया नहीं है।

अभिनेता मुकेश व निर्माता मंजू ने की प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना से भेंट

प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद से भेंट करते मुकेश जे भारती व मंजु भारती।

लखनऊ, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में शूटिंग से पहले अभिनेता मुकेश जे भारती व विवेक फिल्मस प्रोडक्शन हाउस की निर्माता मंजू भारती ने संजय प्रसाद (प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना) से भेंट की। इस दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा संजय प्रसाद ने शूट के दौरान हर संभव सहयोग का आश्वाशन दिया। उन्होंने फिल्म रिकवरी की पटकथा को समझा और सहराना की। फिल्म की कहानी आम जनता को उद्देश देगी, जिसकी शूटिंग प्रदेश के क्षेत्रों में होगी, जिसमें लखनऊ और बरेली भी हैं। प्रदेश को बढ़ावा देने के उद्देश से फिल्म नीति का हर निर्माता लाभ ले इस पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। आगामी फिल्मों के लिए मंजू व मुकेश को प्रसाद ने शुभकामनाएं दीं। निर्माता मंजू ने धन्यवाद किया और मुकेश ने इस भेंट पर खुशी जताई।

फॉस्टर केयर के लिए 6 वर्ष से कम के बच्चे पात्र नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने स्पष्ट किया कि छह वर्ष से कम आयु के बच्चे 'फॉस्टर केयर' (अस्थायी देखभाल व्यवस्था) के लिए पात्र नहीं हैं। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए नियमों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताने के बाद जारी हुआ है।

फॉस्टर केयर ऐसी व्यवस्था है, जिसमें उन बच्चों को अस्थायी रूप से किसी अन्य परिवार में रखा जाता है, जिनके माता-पिता उनकी देखभाल में असमर्थ होते हैं, लेकिन वैसे बच्चों को गोद लेने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध घोषित नहीं किया गया होता है। यह देखभाल सरकार या किसी सामाजिक संस्था की निगरानी में होती है। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने गत सप्ताह जारी ज्ञापन में, किशोर न्याय नियमावली के नियम 23(3) और आदर्श पालक देखभाल दिशानिर्देशों के बिंदु 4(1) का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया कि केवल छह वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चे ही अधिनियम के नियम 44 में परिभाषित परिस्थितियों के तहत पालक देखभाल में रखे जाने के पात्र हैं। वैधानिक निकाय ने कहा कि कुछ एजेंसी ने विनियमों की व्याख्या के संबंध में मुद्दे उठाए थे, जिसके कारण यह स्पष्टीकरण आया है। इसलिए छह वर्ष से कम आयु के बच्चे को फोस्टर केयर के तहत नहीं रखा जाएगा।

● नए नियमों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताते हुए केंद्र ने जारी किया स्पष्टीकरण

कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से ड्राइविंग सीट (निर्णायक भूमिका) अपने हाथ में लेने के लिए बिहार में पार्टी की कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई, लेकिन लोग एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को समर्थन देंगे क्योंकि वे लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में भय, अपहरण और भ्रष्टाचार के माहौल को नहीं भूले हैं।

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस, जिसने 85 साल के बाद बिहार में सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है, को यह बताना होगा कि जब राज्य में लोगों का अपहरण हो रहा था, सरकारी धन की बंदरबांट हो रही थी और राजद के शासनकाल में पूरे राज्य में जाति के आधार पर हत्याएं हो रही थीं तब वह मौन क्यों रही? उन्होंने पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों की भी आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें आत्म-मंथन करना चाहिए कि उनकी पार्टी में उनकी क्या स्थिति है, जहां सत्ता की बागडोर किसी और के हाथ में है। प्रसाद ने भाजपा मुख्यालय में कहा कि पटना में कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी की बैठक राजनीतिक फायदे के लिए है। उन्हें लगा कि वे नियंत्रण अपने हाथ में ले सकते हैं और बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए राजद से और सीटें मांग सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीलिए उन्होंने (विपक्ष) अब तक राजद नेता तेजस्वी यादव को बिहार में विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित नहीं किया है। इससे पहले पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक में खरगे ने भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 'वोट चोरी' और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की साजिश रच रही है। बिहार चुनाव से मोदी सरकार के 'भ्रष्ट शासन' का अंत शुरू हो जाएगा।

● रविशंकर ने की नीतीश कुमार को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष के दिए बयानों की आलोचना

महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में नहीं होता भेदभाव : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने बुधवार को 'शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी)' की महिला सैन्य अधिकारियों को उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में स्थायी 'कमीशन' (पीसी) देने में किसी भी तरह के भेदभाव से इन्कार किया और उच्चतम न्यायालय को आश्वस्त किया कि सभी मापदंडों का विधिवत पालन किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्ज्वल भुइंया और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को केंद्र एवं सेना की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि स्थायी कमीशन देने में नीतिगत निर्णय का पालन हो रहा है। याचिका दायर करने वाली महिला अधिकारियों की दलीलों का विरोध करते हुए भाटी ने कहा कि उन अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) वास्तव में लैंगिक रूप से तटस्थ है, उसमें भेदभाव नहीं है। पीठ ने भाटी से कहा कि महिला अधिकारियों को यह सोचने पर मजबूर नहीं करना कि उन्हें स्थायी 'कमीशन' के लिए नहीं चुना जाएगा।

भाटी ने कहा कि यह धारणा बनाने की कोशिश हुई, लेकिन 1991 से अब तक के आंकड़े बताते हैं कि महिला अधिकारियों से उनके पुरुष समकक्षों के मुकाबले भेदभाव नहीं हुआ है। सेना में सख्त व्यवस्था हैं, क्योंकि चयन बोर्ड पर अधिकारी का नाम नहीं लिखा होता। महिला अधिकारियों की एसीआर में मानक नियुक्ति या कठिन क्षेत्र में तैनाती पर विचार नहीं करने के तर्कों पर भाटी ने कहा कि ऐसी नियुक्तियां खास नहीं हैं व अधिकारियों को वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में औसत अंक दिए गए हैं। स्थायी कमीशन देते समय एसीआर में कई पहलुओं पर विचार होता है। मानक नियुक्ति एकमात्र मानदंड नहीं है। महिला अधिकारियों ने तर्क दिया कि दुर्गम क्षेत्रों में तैनात होने व गलवान, बालाकोट व ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में भाग लेने के बावजूद, उन्हें पीसी के लिए नहीं चुना गया।

● सरकार ने उच्चतम न्यायालय को आश्वस्त किया कि सभी मापदंडों का विधिवत किया जा रहा पालन

ट्रंप ने चुनौतियों से मिलकर निपटने का आह्वान नकारा, अमेरिका प्रथम पर अड़े

कई देशों के नेताओं ने दी वैश्विक व्यवस्था प्रभावित होने की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

फ्रांस से लेकर दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका से लेकर सूरीनाम तक सभी नेताओं ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के युद्ध, गरीबी और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के आह्वान का पुरजोर समर्थन किया, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 'अमेरिका प्रथम' एजेंडे पर अड़े रहे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने महासभा में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और राजाओं की वार्षिक बैठक की शुरुआत युद्ध के स्थान पर शांति, अराजकता के स्थान पर कानून व्यवस्था तथा एक ऐसे भविष्य को चुनने की अपील के साथ की, जहां देश स्वार्थ के लिए संघर्ष करने के बजाय एकजुट हों। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 80 साल बाद हम खुद को अलग-थलग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विभाजन बढ़ता जा रहा है और इससे वैश्विक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

मैक्रों ने कहा, दुनिया विभाजित हो रही है, और यह हमारे समय के प्रमुख संघर्षों को हल करने की हमारी सामूहिक क्षमता को बाधित कर रही है तथा हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि केवल समकक्षों के बीच सम्मानजनक संबंध और सहयोग ही सैन्य प्रसार के खिलाफ लड़ाई, जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और सफल डिजिटल परिवर्तन को संभव बनाता है। सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीर्लिंग्स-साइमन्स ने कहा कि बहुपक्षवाद मानवता की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। परिवर्तन के इस समय में इसे हमारी सुरक्षा की आवश्यकता है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा, संयुक्त राष्ट्र की हमारी सामूहिक सदस्यता हमारी साझा मानवता का परिणाम है और 80 साल का हो चुका संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा संगठन बनाने के लिए बाध्य करता है जो हमारी आम चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा, समय जितना कठिन होता जा रहा है, हमें संयुक्त राष्ट्र की मूल भावना की ओर उतना ही लौटना होगा। उन्होंने कहा, हमें और अधिक सहयोग करना होगा, और अधिक विश्वास करना होगा, और अधिक मजबूती से हाथ मिलाना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य और एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान ट्रंप ने कई देशों के नेताओं के साथ बैठक की।

तेजी से बहुध्रुवीय हो रहा है विश्व : गुतारेस

गुतारेस ने कहा कि विश्व तेजी से बहुध्रुवीय होता जा रहा है। यह निश्चित रूप से उभरती आर्थिक शक्तियों चीन और भारत के लिए एक संकेत है, लेकिन महाशक्ति का दर्जा पाने की अमेरिका की जिद पर प्रहार है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि कई शक्तियों वाला विश्व अधिक विविधतापूर्ण और गतिशील हो सकता है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी वैश्विक संस्थाओं के बिना अराजकता हो सकती है।

- ट्रंप ने 'अमेरिका प्रथम' पर केंद्रित भाषण दिया। उन्होंने गर्व से कहा, अमेरिका के पास दुनिया में सबसे मजबूत सीमाएं, सेना, मैत्री और सबसे मजबूत भावनाएं हैं। यह सचमुच अमेरिका का स्वर्णिम युग है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अप्रभावी बताया और कहा कि यह अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने में भी असमर्थ है। उन्होंने सभा कक्ष के रास्ते में बंद हुए एस्केलेटर और खराब हुए टेलीप्रॉम्प्टर के लिए संगठन को जिम्मेदार ठहराया।

दुनिया भर में बढ़ते तनाव के बीच

संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करने के बाद बहस शुरू हो गई है कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने, राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। इसके चार्टर को चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूके, यूएस समेत 50 देशों ने अनुमोदित किया था। इस संस्था को 'संयुक्त राष्ट्र' नाम अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने दिया था और इसका पहली बार उपयोग 1942 में 26 देशों द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र की घोषणा' पर हस्ताक्षर करते समय किया गया था।

शक्तियां और अधिकार

- सुरक्षा परिषद जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार सबसे शक्तिशाली अंग।
- इसे शांति कायम करने के लिए सैन्य कार्रवाई, प्रतिबंध लगाने, शांति स्थापना अभियानों का अधिकार है।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के बीच कानूनी विवादों को सुलझाने को अधिकृत है।
- मानवाधिकार रक्षा और सामाजिक, आर्थिक तथा मानवीय मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
- अपने सभी सदस्य देशों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और संधियों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- संयुक्त राष्ट्र संघ ने कई संघर्षों को युद्ध में बदलने से रोकने और शांति स्थापित करने में मदद की है।
- मानवाधिकारों की 1948 में सार्वभौम घोषणा जो वैश्विक मानवाधिकारों के लिए आधारशिला बनी।
- युद्ध और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय सहायता, परमाणु अप्रसार संधि जैसे समझौतों को बढ़ावा।
- 20वीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद समाप्त करने में संयुक्त राष्ट्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अशांति के ताजा हालात में भूमिका

- रूस-यूक्रेन युद्ध की निंदा कर मानवीय सहायता पहुंचाई, लेकिन रूस के वीटो के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं।
- गाजा में लगातार संघर्षविराम का आह्वान, मानवीय सहायता भी लेकिन प्रभावी समाधान अब तक नहीं निकला।
- अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद मानवाधिकारों का हनन, इसे रोकने में सीमित सफलता।
- सूडान में 2023 से सैन्य संघर्ष के कारण भारी मानवीय संकट, इसे रोकने में बाधाओं का सामना करना पड़ा।

इन मामलों में विफल

- 1994 में रवांडा में 800,000 से अधिक लोगों की हत्या को रोकने के लिए निर्णायक हस्तक्षेप करने में विफल।
- 1995 में बोस्नियाई सर्ब बलों द्वारा 8,000 से अधिक मुस्लिम पुरुषों और लड़कों के नरसंहार भी नहीं रोक सका।
- रूस-चीन के वीटो के कारण सीरिया में दशकों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में सीमित भूमिका रही।

विफलता के कारण

- सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्यों की वीटो शक्ति अक्सर महत्वपूर्ण मामलों में निर्णायक कार्रवाई रोक देती है।
- कई सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और समझौतों का पालन नहीं करते, जिससे प्रभावशीलता कम हो जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र के पास कई वैश्विक संकटों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय और सैन्य संसाधन नहीं होते।
- सुरक्षा परिषद में सिर्फ पांच स्थाई सदस्यों होने से असमान शक्ति संरचना, फैसलों का पालन कराने में कठिनाई होती है।

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ, निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए

समान विचारधारा वाले देशों की उच्चस्तरीय बैठक में जयशंकर ने किया आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों से लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करके निष्पक्ष आर्थिक प्रथाओं को बढ़ावा देने और दक्षिण-दक्षिण व्यापार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देकर किसी एक आपूर्तिकर्ता या बाजार पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया।

जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर समान विचारधारा वाले 'ग्लोबल साउथ' देशों की एक उच्च-स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की स्थिति सदस्य देशों के लिए बढ़ती चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से 'ग्लोबल साउथ' महामारी के झटकों और यूक्रेन तथा गाजा में युद्ध से लेकर चरम जलवायु घटनाओं, अस्थिर व्यापार, निवेश प्रवाह और ब्याज दरों में अनिश्चितता और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के एजेंडे में 'विनाशकारी' मंदी तक कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। जयशंकर ने कहा, बढ़ती चिंताओं और विभिन्न प्रकार के जोखिमों के मद्देनजर यह स्वाभाविक है कि 'ग्लोबल साउथ' समाधान के लिए बहुपक्षवाद की ओर रुख करे।

न्यूयॉर्क में ग्लोबल साउथ देशों के नेताओं के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर।

वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर दिया जोर

विदेश मंत्री ने वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया, जिसमें समुद्री नौवहन संबंधी चिंताओं का समाधान, विकास के लिए प्रौद्योगिकी का सहयोगात्मक लाभ उठाना, विशेष रूप से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण; और विभिन्न क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं समान अवसर प्रदान करना शामिल है जो 'ग्लोबल साउथ' की विकासात्मक चिंताओं के साथ न्याय करता हो। 'ग्लोबल साउथ' वैश्विक मामलों में कैसे शामिल हो सकता है, इस संबंध में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मंत्री ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज और प्रभाव को मजबूत करने के लिए पांच प्रमुख प्रस्ताव रखे। उन्होंने एकजुटता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'ग्लोबल साउथ' के बीच परामर्श को मजबूत करने के लिए मौजूदा मंचों का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से वहां भी हमारे सामने एक बहुत ही निराशाजनक संभावना है, बहुपक्षवाद की अवधारणा ही खतरे में है और अंतरराष्ट्रीय संगठन या तो अप्रभावी हो गए हैं अथवा संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएं टूटने लगी हैं और अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी की कीमत आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में समान अवसर की मांग करते हुए एकजुट मोर्चा प्रस्तुत करना होगा।

चीन का ट्रंप को जवाब अमेरिका-ईयू भी रूस से कर रहे व्यापार

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भारत और चीन रूसी तेल की खरीद के जरिए यूक्रेन युद्ध के 'प्राथमिक वित्तपोषक' हैं और बुधवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने चेतावनी दी कि यदि रूस के साथ उनकी कंपनियों के सामान्य व्यापार में बाधा उत्पन्न की जाती है तो बीजिंग अपने हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाएगा। उन्होंने अमेरिकी नेता को याद दिलाया कि वाशिंगटन भी मास्को के साथ व्यापार कर रहा है और कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अनेक देश रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। गुओ ने कहा कि चीनी और रूसी कंपनियों का सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग विश्व व्यापार संगठन के नियमों और बाजार सिद्धांतों के अनुरूप है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं है और इसमें हस्तक्षेप या प्रभाव डालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चीन ने यूक्रेन संकट पर हमेशा एक वस्तुनिष्ठ और न्यायसंगत रुख बनाए रखा है और लगातार शांति वार्ताओं का आह्वान किया है।

रागासा तूफान का कहर.. ताइवान में 17 की मौत, चीन में दो लाख लोग विस्थापित

रागासा बुधवार को दक्षिणी चीन में पहुंच गया।

नई दिल्ली/हांगकांग। शक्तिशाली तूफान रागासा से ताइवान में 17 लोगों की मौत हो गई है और 18 घायल हुए हैं। ताइवान में कहर बरपाने के बाद रागासा दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले तटों में से एक की ओर बढ़ रहा है जिसे देखते हुए अब तक दक्षिणी चीन में लगभग 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि रागासा के कारण लगभग 100 लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इस वर्ष के सबसे शक्तिशाली तूफान रागासा ने बुधवार को हांगकांग और दक्षिणी चीन के बड़े हिस्सों को ठप कर दिया। यह तूफान फिलीपींस के सुदूर द्वीपों और ताइवान के पहाड़ी क्षेत्रों से होकर गुजरा, जहां इसने भूस्खलन, बाढ़ और ऊंची लहरों के साथ भारी तबाही मचाई। अब यह चीन के ग्वांगडोंग प्रांत की ओर बढ़ रहा है, जहां शेनझेन और ग्वांगझोउ जैसे विशाल शहर स्थित हैं। ताइवान में इसकी चपेट में आकर कम से कम 17 लोगों की मौत हो चुकी है और बुधवार दोपहर तक 18 अन्य लोग लापता हैं। यह तबाही एक प्राकृतिक झील के टूटने के बाद आई जो भूस्खलन के मलबे से बनी थी और इसमें काफी मात्रा में पानी जमा था।

दुनिया इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिलः जेलेंस्की

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को विश्व के नेताओं से कहा कि दुनिया इस समय इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया कि रूस के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने युद्ध का विस्तार यूरोप में करना चाहते हैं। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, हम अब इतिहास में हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल हैं। यूक्रेन तो केवल पहला देश है और अब रूसी ड्रोन पूरे यूरोप में उड़ान भर रहे हैं और रूसी अभियान पहले से ही विभिन्न देशों में फैल रहे हैं और पुतिन इस युद्ध का विस्तार करके इसे जारी रखना चाहते हैं।

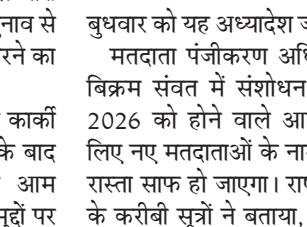

यूएनएससी की बैठक में जेलेंस्की।

बोले- भारत हमारे साथ

जेलेंस्की ने कहा कि भारत हमारे साथ ही है और उम्मीद जताई कि ट्रंप के हस्तक्षेप से नई दिल्ली का रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति रवैया बदलेगा। जेलेंस्की एक साक्षात्कार के दौरान रूस से युद्ध में चीन और भारत की भूमिका के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। जेलेंस्की ने कहा, मुझे लगता है कि भारत मुख्य रूप से हमारे साथ है। हां, ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ट्रंप यूरोपीय देशों के साथ इसे प्रबंधित कर सकते हैं तथा भारत के साथ अधिक मजबूत और करीबी संबंध बना सकते हैं।

अमेरिका- इजराइल के हमलों ने अंतरराष्ट्रीय विश्वास को पहुंचाया गंभीर नुकसान: ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इजराइल और अमेरिका के हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय विश्वास और शांति की संभावना को गहरा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस साल जून में 12 दिन तक इजराइल-ईरान युद्ध के बाद पहली बार है जब पेजेशकियन ने किसी वैश्विक मंच पर बात रखी है। युद्ध में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और असैन्य नेताओं की हत्या कर दी गई थी। अगर तेहरान शनिवार तक यूरोपीय देशों के साथ समझौता नहीं करता है तो उस पर संयुक्त राष्ट्र के कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही पेजेशकियन की कूटनीतिक कोशिशें उस समय धुंधली पड़ गईं जब देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी सीधी परमाणु वार्ता से इनकार कर दिया।

नेपाल: प्रधानमंत्री कार्की राष्ट्रपति से मिलीं, नए मतदाता पंजीकरण से संबंधित अध्यादेश जारी

काठमांडू। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बुधवार को मतदाता पंजीकरण अधिनियम में संशोधन से संबंधित एक अध्यादेश जारी किया जिससे मार्च 2026 के आम चुनाव से पहले नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया।

यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा राष्ट्रपति पौडेल से मुलाकात के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने आम चुनाव समय पर कराने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद की सिफारिश के आधार पर नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 114 की धारा(1) के अनुसार बुधवार को यह अध्यादेश जारी किया।

- मार्च 2026 में देश में होने हैं आम चुनाव मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा

मतदाता पंजीकरण अधिनियम, 2073 बिक्रम संवत में संशोधन से पांच मार्च, 2026 को होने वाले आगामी चुनाव के लिए नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो जाएगा। राष्ट्रपति कार्यालय के करीबी सूत्रों ने बताया, पौडेल के साथ बैठक के दौरान कार्की ने वर्तमान राजनीतिक व सुरक्षा स्थिति, पांच मार्च 2026 को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव और देश की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की।

गाजा पर अमेरिका के अलग रुख की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। फ्रांस के नेतृत्व में कई देशों द्वारा फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने के एक दिन बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में संघर्ष पर अमेरिका के अलग रुख पर गहरा क्षोभ प्रकट किया।

इस संकट पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हमास के सात अक्टूबर 2023 के हमले और गाजा में इजराइल के जारी सैन्य हमले पर चिंता व्यक्त की। इन सैन्य हमलों में अब तक हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं, विशाल क्षेत्र तबाह हो चुके हैं और लगभग 90 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है।

आतंक से फुर्सत मिले तो अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे पाकिस्तान

जेनेवा, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए विस्फोट में 24 लोगों की मौत का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

जेनेवा में भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ निराधार बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की आलोचना की। त्यागी ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें नियमित सत्र में मंगलवार को कहा, एक प्रतिनिधिमंडल भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानबाजी करके इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का जिक्र करते हुए त्यागी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र पर गलत नजर डालने के बजाय उन्हें भारत के उस क्षेत्र को खाली करना चाहिए, जिस पर उन्होंने अवैध कब्जा किया हुआ है।

यूएनएचआरसी की बैठक में क्षितिज त्यागी।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत ने की पाकिस्तान की धुलाई

खैबर पख्तूनख्वा में हुई घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। त्यागी ने कहा, चरमराई हुई अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभुत्व वाली राजनीति और मानवाधिकारों का दागदार रिकॉर्ड। एक दिन जब वे आतंकवाद को बढ़ावा देने, संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत पाएंगे, तब शायद इन मुद्दों पर ध्यान दे पाएंगे। खैबर जिले के तिराह घाटी के मतूर दारा इलाके में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के एक परिसर में सोमवार को बम बनाने की सामग्री से हुए धमाके में 10 लोगों और 14 आतंकवादियों की मौत हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 सितंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 07 .06 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

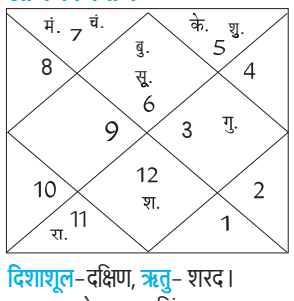

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- स्वाती 19 .09 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष आज दिन की शुरुआत में जो काम उलझे हुए थे, शाम तक उन्हें सुलझाने में सफलता मिलेगी। अपनी जीवनशैली के प्रति लापरवाह न हों। किसी नए व्यवसाय की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों के सुझाव से काम करना हितकर होगा।

वृष आज नौकरी में बदलाव का विचार बना रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। दिन का प्रारंभिक भाग तनाव युक्त रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद कोई रुका हुआ काम बन सकता है। कुछ लोग आपके अच्छे कार्यों व योगदान की उपेक्षा कर सकते हैं।

मिथुन आज दूसरों की बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। प्रेमीजन से मतभिन्नता के कारण झगड़ा हो सकता है। सेहत को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। दांपत्य संबंधों में कठिनाई हो सकती है। विद्यार्थियों के मन में परीक्षा को लेकर दबाव हो सकता है।

कर्क आज प्रतिद्वंदी आपके सामने कमजोर पड़ेंगे। अपच के कारण आपको परेशानी होगी। सरकारी कार्यों में आपको लाभ होगा। कार्यक्षेत्र की आंतरिक व्यवस्था पर काम करेंगे। नए उद्यमों की शुरुआत कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

सिंह आज भाग्य आपका साथ देगा। वरिष्ठ सहकर्मी आपका मनोबल बढ़ाएंगे। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आय के नए विकल्प विकसित कर सकते हैं। शेयर मार्केट में बड़ा धन-लाभ होने की संभावना है।

कन्या आज कानूनी मामलों में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। मार्केटिंग संबंधी कार्य लाभकारी सिद्ध होंगे। अचानक बड़े खर्च सामने आ सकते हैं। संतान के माध्यम से आपको बड़ा धन-लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला आज दिन की शुरुआत नकारात्मक रहने वाली है। दोपहर के बाद धीरे-धीरे आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। अपने विचारों में परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आय अपेक्षाकृत कम हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा से परेशानी हो सकती है। पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी। अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर दूसरों से अपेक्षा न करें। अपने अहंकारी व्यवहार पर नियंत्रण रखें।

धनु आज आप कहीं पर्यटन की योजना बना सकते हैं। आत्मचिंतन के माध्यम से अपनी कमियों को दूर करेंगे। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। नौकरी में आपकी आय बढ़ सकती है। प्रभावशाली लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे।

मकर आज व्यापार को लेकर यात्रा करनी पड़ेगी। एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रिश्तेदारों से मिलना हो सकता है। निजी जीवन की समस्याओं का निवारण होगा। नया कार्य आरंभ कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा।

कुंभ आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। पुरानी उधारी चुकाने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सभी कार्य समय पर समय पूर्ण हो जाएंगे। प्रेम-संबंधों को लेकर थोड़े भावुक हो सकते हैं।

मीन आज आपको थोड़ा परेशान होना पड़ सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। दूसरों की गलतियां ढूंढने में समय बर्बाद न करें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन में अस्थिरता रहेगी।

सुडोकू-110

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2			3		4		6
				9			1	
		5			8			
7		8		6				2
			7		2	9		
2				4	5			8
			3			5		
	1			7				
6		9		5			2	

सुडोकू - 109 का हल

3	5	8	2	6	4	7	1	9
4	6	1	9	3	7	8	2	5
7	9	2	8	5	1	4	6	3
2	7	9	5	1	8	6	3	4
1	3	5	4	7	6	9	8	2
6	8	4	3	9	2	1	5	7
5	4	3	6	8	9	2	7	1
8	2	7	1	4	3	5	9	6
9	1	6	7	2	5	3	4	8

बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर। मैने महसूस किया है कि विशेष प्रशिक्षण के बिना भी फ्रीस्टाइल में मेरी टाइमिंग साल दर साल बेहतर हो रही है। **-श्रीहरि नटराज, तैराक**

स्टेडियम

अयोध्या, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रसिद्ध कृष्णा को लगी सिर में चोट

लखनऊ : भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को ऑस्ट्रेलिया ए के ख़िलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को भारत ए के लिए खेलते हुए सिर में चोट लग गई और उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। उन्हें भारत ए की पारी के 39वें ओवर में तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन के बाउंसर पर चोट लगी, जब वह उनके बाउंसर को पुल करने के चक्कर में अपने हेल्मेट पर गेंद खा बैठे। हालांकि तब अनिवार्य कन्कशन के बाद उन्होंने खेलना जारी रखा। लेकिन तीन ओवर बाद जब 42वां ओवर समाप्त हुआ, तो वह अचानक से पवेलियन की तरफ जाने लगे और नए बल्लेबाज मोहम्मद सिराज ने बल्लेबाजी में उनकी जगह ली। फिलहाल मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के जवाब में भारत ए की टीम सिर्फ़ 194 रनों पर ऑल आउट हो गई।

सेमीफाइनल में भारत का सामना नेपाल से

कोलंबो : ग्रुप चरण में अजेय रहे भारत की बृहस्पतिवार को असली परीक्षा होगी, जब टीम रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में नेपाल से भिड़ेगी। भारत अब तक सबसे प्रभावशाली टीम रही है। मालदीव (6-0), भूटान (1-0) और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (3-2) को हराने के बाद भारत नौ अंक के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस विशेष तौर पर खुश हैं जिन्होंने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में अपने खिलाड़ियों के दबाव को झेलने के तरीके की प्रशंसा की।

काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप नहीं बदलेगा

लंदन : पेशेवर काउंटी क्रिकेट क्लबों (पीसीसी) के मतदान के बाद काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप अपरिवर्तित रहेगा। 14 मैचों की बजाय 13 मैचों की काउंटी चैंपियनशिप खेलने का प्रस्ताव, काउंटियों के बीच बहुमत मत प्राप्त करने में विफल रहने के कारण पारित नहीं हो सका। अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और द हंड्रेड मैचों के बीच कार्यक्रम में टकराव के कारण व्यस्त अंग्रेजी गर्मियों के बाद, पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) के परामर्श से कार्यक्रम और संरचना की काउंटी द्वारा समीक्षा की गई। जुलाई में हुए मतदान के बाद, सफ़ेद गेंद वाली प्रतियोगिताओं की संरचना में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया था।

अभ्यास मैच से होगा न्यूजीलैंड को लाभ

बेंगलुरु : न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज जेस केर ने कहा कि उनकी टीम मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के पहले मैच से पहले अपने कौशल को निखारने के लिए यहां होने वाले अभ्यास मैचों पर निर्भर है। न्यूजीलैंड की टीम बृहस्पतिवार और शनिवार को क्रमश: भारत ए और भारत की सीनियर टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जिसके बाद एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए वह इंदौर रवाना होगी। केर ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा मुझे लगता है कि यह ज्यादा गेम टाइम की बात है जो हमारे लिए अच्छा है।

भारत ने बांग्लादेश को दिया 169 रनों का लक्ष्य, अभिषेक ने खेली विस्फोटक पारी

एशिया कप : हार्दिक पांड्या ने 38 और शुभमन गिल ने 29 रनों का किया योगदान

बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 मैच में भारत के अभिषेक शर्मा शॉट लगाते हुए। एजेंसी

दुबई, एजेंसी

भारत ने अभिषेक शर्मा (75 रन) के अर्धशतक से बुधवार को यहां एशिया कप सुपर 4 मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। अभिषेक ने 37 गेंद की पारी में चार चौके और पांच छक्के जड़े। उनके अलावा हार्दिक पांड्या ने 38 रन और शुभमन गिल ने 29 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने दो जबकि मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब और मोहम्मद सैफुद्दीन ने एक एक विकेट लिए।

भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने शुरुआत में ही लय बना ली थी और पावरप्ले में 72 रन बना लिए थे। लेकिन शुभमन गिल के आउट होते ही पारी लड़खड़ाने लगी। शिवम दुबे को ऊपर भेजने का प्रयोग कारगर नहीं रहा और 9वें ओवर में रिशद हुसैन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद, रिशद ने बैकवर्ड पॉइंट पर शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए अभिषेक शर्मा को रन आउट कर दिया और यकीनन यह पारी का टर्निंग पॉइंट था। तब तक 200 से ज्यादा का स्कोर तय लग रहा था, लेकिन उनके आउट होने से भारतीय बल्लेबाजी की लय खत्म हो गई। हार्दिक पांड्या के अंत में आए शानदार प्रदर्शन के बावजूद, बीच के ओवरों में धीमी गति की बल्लेबाजी उन्हें भारी पड़ी। बांग्लादेश के लिए, रिशद ने दो विकेट, एक महत्वपूर्ण रन आउट और काफी दबाव के साथ सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। बाकी गेंदबाजों ने उनका अच्छा साथ दिया और उनके अनुशासित प्रदर्शन को और भी बेहतर बनाने के लिए सटीक स्पैल डाले। अक्षर पटेल डेथ ओवरों में लय हासिल करने में नाकाम रहे और भारत अपनी पारी को पूरी तरह से खत्म नहीं कर सका। अभिषेक ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखते हुए 37 गेंदों पर 75 रन में छह चौके और पांच छक्के लगाए। शुभमन गिल ने 29 और हार्दिक पांड्या ने 38 रन बनाये।

भारत

168/6 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा रन आउट	75
गिल का तंजीम हसन बो रिशाद	29
शिवम दुबे का तौहिद बो रिशाद	02
सूर्यकुमार का जेकर बो मुस्तफिजुर	05
पांड्या का तंजीद बो सैफुद्दीन	05
तिलक वर्मा का सैफ बो तंजीम	05
अक्षर पटेल नाबाद	10

गेंदबाजी : तंजीम हसन साकिब 4-0-29-1, नासुम अहमद 4-0-34-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-33-1, मोहम्मद सैफुद्दीन 3-0-37-1, रिशाद हुसैन 3-0-27-2, सैफ हसन 2-0-7-0

हार्दिक पांड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा

- स्पिनर वरुण चक्रवर्ती व बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी अपने-अपने वर्ग में शीर्ष पर

दुबई, एजेंसी

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान ने छह स्थान के फायदे के साथ शीर्ष 10 में वापसी की है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप के अपने पिछले दो मैच में आठ के औसत से छह विकेट चटकाए हैं। ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पांड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली। पाकिस्तान के खिलाफ 19 गेंद में नाबाद 30 रन की पारी खेलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने वाले तिलक वर्मा को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी एक स्थान के फायदे से शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ 45 गेंद में 58 रन की पारी खेलने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के फायदे से 24वें पायदान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान को जीत दिलाने वाले हुसैन तलत पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 234वें स्थान पर हैं।

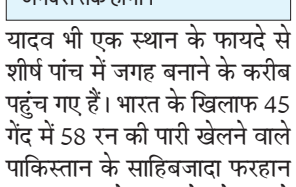

हार्दिक, अभिषेक व वरुण चक्रवर्ती।

सिडनी थंडर से जुड़ेंगे अश्विन

सिडनी : अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग के आगामी सत्र में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे और इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बन जाएंगे। फॉक्स स्पोर्टर्स के अनुसार हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल को अलविदा कहने वाले 39 वर्ष के अश्विन ने थंडर को हामी भर दी है। फ्रेंचाइसी इस सप्ताह के अंत में इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में भी शामिल हुए हैं। चार जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह थंडर से जुड़ सकते हैं। बिग बैश लीग 14 दिसंबर से 18 जनवरी तक होगी।

निशानेबाजी का जूनियर विश्व कप आज से

नई दिल्ली : ओलंपियन शॉटगन निशानेबाज रायजा ढिल्लों और एशियाई जूनियर ट्रैप चैंपियन सबीरा हारिस बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 69 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी।

तुगलकाबाद के कर्णी सिंह रेंज में आयोजित होने वाले इस साल के दूसरे और अंतिम जूनियर विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों का लक्ष्य घरेलू सरजमीं पर शीर्ष स्थान हासिल करना होगा। अंडर-21 आयु वर्ग के निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन में 18 देशों के 200 से अधिक निशानेबाजों के खिलाफ अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। ये निशानेबाज 15 ओलंपिक और दो गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं में 51 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय निशानेबाज रायजा शीर्ष स्कीट निशानेबाजों में से एक हैं और लीमा में 2021 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह शीर्ष व्यक्तिगत स्थान हासिल करना चाहेंगी।

सूर्यकुमार की टिप्पणी पर शाहीन बोले- यह उनका नजरिया

दुबई, एजेंसी

- सूर्यकुमार ने कहा था -भारत और पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए

पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ शाहीन शाह अफरीदी ने सूर्यकुमार यादव के इस बयान पर सीधा जवाब देने से परहेज किया कि भारत के दबदबे के कारण भारत-पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उनकी टीम का ध्यान एशिया कप जीतने पर है। बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी सुपर चार चरण के मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में शाहीन ने सूर्यकुमार के बयान पर पूछे गए सवालों को टाल दिया।

अफरीदी ने कहा यह उसका अपना विचार है, उसे कहने दीजिए। जब हम (रविवार को संभावित एशिया कप फाइनल में) मिलेंगे तो देखेंगे कि क्या है, क्या नहीं। तब देख लेंगे। हम एशिया कप जीतने आए हैं और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। सूर्यकुमार ने कहा था कि किसी प्रतिद्वंद्विता को वास्तविक मानने के लिए नतीजों का अंतर 12-3 नहीं होना चाहिए, जो फिलहाल टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबालों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत हार का रिकॉर्ड है।

भारत से हारने के बाद टीम का मनोबल नहीं टूटा : हुसैन तलत

अबुधाबी : पाकिस्तान के हरफनमौला हुसैन तलत ने इन अटकलों को खारिज किया है कि भारत से एशिया कप सुपर 4 मैच में हारने के बाद टीम का मनोबल गिरा है। बल्लेबाजी हरफनमौला तलत ने श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है। इसके लिए पाकिस्तान को अब बृहस्पतिवार को बांग्लादेश को हराना होगा। तलत ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले टीम में कोई मायूसी नहीं थी, लेकिन भारत से सुपर 4 का पहला मैच हारने के बाद किसी को अच्छा नहीं लग रहा था।

चोट के कारण मैच के बीच से हटे प्रणय

सुवोन : एचएस प्रणय का कोरिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ जब वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज की हार के साथ इस प्रतियोगिता में बुधवार को मुख्य ड्रॉ के पहले दिन ही भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

प्रणय इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे, तब क्रॉस-कोर्ट स्मैश खेलते समय उनकी दाहिनी पसली में चोट लग गई। मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद उन्होंने खेल फिर से शुरू किया लेकिन असहज दिखे और 8-16 के स्कोर पर मुकाबले से हटने के लिए मजबूर हो गए। यूएस ओपन सुपर 300 के रूप में मौजूदा सत्र में बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय आयुष शेट्टी को चीनी ताइपे के सु ली यांग के खिलाफ 47 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 18-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। किरण जॉर्ज ने सिंगापुर के लोह कीन यू को कड़ी टक्कर दी।

मुकाबले की तैयारी

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच एशिया कप क्रिकेट मैच की शुरुआत से पहले वार्मअप करते शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

एचआईएल नीलामी में हेंडरसन सबसे महंगे बिके

- विवेक लाकड़ा को जूनियर वर्ग में सबसे अधिक दाम पर खरीदा गया

नई दिल्ली, एजेंसी

वेदांता कलिंगा लांसर्स ने बुधवार को लियाम हेंडरसन की सेवाएं 42 लाख रुपये में हासिल कीं जिससे यह ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पुरुष मिनी नीलामी में बिकने वाला सबसे महंगा खिलाड़ी बना जबकि युवा भारतीय प्रतिभाओं में विवेक लाकड़ा और अद्रोहित एक्का ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में नीदरलैंड के डिफेंडर सैंडर डी विजन के लिए बोली लगाने की होड़ के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स ने उन्हें 36 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। जर्मनी के थीस प्रिंज को यूपी रुद्राज का प्रभार संभालने वाली एचआईएल संचालन परिषद ने इतनी ही राशि में खरीदा। भारतीय खिलाड़ियों में युवा गोलकीपर लाकड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जिससे उनकी कीमत दो लाख रुपये से बढ़कर 23 लाख रुपये हो गई और आखिर में श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। मिडफील्डर एक्का को जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब के साथ कड़ी टक्कर के बाद ड्रैगन्स ने 11 लाख रुपये में ख़रीदा।

17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग में खेलने के कारण की गई कार्रवाई

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने बुधवार को कहा कि 17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसमें अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर भी शामिल हैं। इसे खिलाड़ियों ने युवराज सिंह के समर्थन वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में भाग लेने के लिए अस्थायी निलंबन बताया है। इस मामले पर अंतिम फैसला 27 सितंबर को अनुशासनात्मक समिति की बैठक के बाद लिया जाएगा।

ओलंपियन और एशियाई टूर विजेता भुल्लर, अमन राज, हरेंद्र गुप्ता, करणदीप कोचर और सचिन बैसोया भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 17 से 19 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आईजीपीएल में खेलने के कारण यह नोटिस जारी किया गया है। आईजीपीएल और पीजीटीआई के चेन्नई ओपन की तारीख एक ही थी और यही विवाद का विषय बन गया है।

जोहल ने कहा कि पीजीटीआई को सदस्यों के बाहर के टूर्नामेंट में खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर वे उसके कैलेंडर के साथ नहीं पड़ने चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा अगर इसकी तारीख हमारे कैलेंडर से इतर होती तो कोई बात नहीं थी, आप खेल सकते हो। लेकिन जब हमारे टूर्नामेंट भी समान तारीख में ही हैं तो हम अपने प्रायोजकों से क्या कहेंगे? जोहल ने पीजीए और डीपी वर्ल्ड टूर जैसे अंतर्राष्ट्रीय दौरों से तुलना करते हुए कहा इसलिए हमने कहा, हमारे टूर्नामेंट के दौरान इन टूर्नामेंटों में नहीं खेलें। लेकिन उनका जवाब है कि हम जब चाहें खेलेंगे। कभी पीजीटीआई, कभी आईजीपीएल। लेकिन आप एक ही समय में दो नाव की सवारी नहीं कर सकते।

यह नियम है, अगर आप इसका उल्लंघन करते हैं तो जांच होनी चाहिए। हमने उन्हें अपना दृष्टिकोण समझाने के लिए सुनवाई के लिए बुलाया है और उसके बाद ही हम कोई फैसला लेंगे। आईजीपीएल इसी महीने भारतीय गोल्फ संघ और भारतीय महिला गोल्फ संघ के साथ साझेदारी में शुरू की गई थी। युवराज के नेतृत्व में आईजीपीएल इस साल 11 टूर्नामेंट आयोजित करेगा जिनमें से चंडीगढ़ (10-12 सितंबर) और ग्रेटर नोएडा (17-19 सितंबर) में दो पहले ही आयोजित हो चुके हैं। भुल्लर के करीबी सूत्र ने कहा कि पीजीटीआई का रुख अनुचित है क्योंकि खिलाड़ी किसी भी अनुबंध के अधीन नहीं हैं।

मेरा फोकस अब फ्रीस्टाइल पर अधिक : नटराज

अहमदाबाद : भारत के स्टार बैकस्ट्रोक तैराक श्रीहरि नटराज ने कहा है कि अब उनका फोकस फ्रीस्टाइल पर अधिक है जिसमें बिना विशेष प्रशिक्षण के उन्होंने प्रभावी प्रदर्शन किया है। नटराज 28 सितंबर से 11 अक्टूबर तक यहां होने वाली एशियाई एक्वाटिक चैंपियनशिप में प्रबल दावेदारों में से एक होंगे। उन्होंने कहा बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है, लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर।

नटराज ने इस साल एफआईएसयू ग्रीष्मकालीन विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 49.46 सेकंड का समय निकालकर एशियाई खेलों के पदक विजेता वीरधवल खाड़े का 17 साल पुराना 49.47 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

तैयारी शुरू | अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ को अनुमति नहीं मिलेगी

एशियाई खेलों के लिए कड़े हुए चयन मानदंड

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने 2026 एशियाई खेलों में चयन के लिए कड़े मानदंडों का खुलासा करते हुए कहा कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदार खिलाड़ियों को ही मौका मिलेगा और सरकारी खर्चे पर नहीं जाने के बावजूद अतिरिक्त कोचों और सहयोगी स्टाफ को जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

मंत्रालय की वेबसाइट पर बुधवार को डाले गए पांच पन्ने के दस्तावेज में साफ तौर पर कहा गया है कि एशियाई स्तर पर व्यक्तिगत रैंकिंग में शीर्ष छह और टीम खेलों में शीर्ष आठ में रहने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय महासंघ नामांकित कर सकेंगे। एशियाई खेल जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक खेले जाएंगे। मंत्रालय ने कहा हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदारों को ही बहु खेल टूर्नामेंटों में भागीदारी के लिए मौका मिले। इसमें कहा गया अगर मंत्रालय या भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को पता चला कि पदक जीतने नहीं बल्कि सिर्फ भागीदारी के लिए कोई जा रहा है तो ऐसे खिलाड़ियों और टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया सिर्फ वही खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ भारतीय दल का हिस्सा होंगे जिनका नाम सरकारी खर्च पर जाने के लिए मंजूर किया गया है। इसके अलावा कोई अतिरिक्त खिलाड़ी, कोच या सहयोगी स्टाफ शामिल नहीं होगा भले ही उसका खर्च सरकार को वहन नहीं करना पड़ रहा हो। अक्सर खिलाड़ी अपने निजी कोचों या सहयोगी स्टाफ को अपने खर्च पर ले जाने की मांग करते हैं जिस पर विवाद होता है।

यह चयन मानदंड राष्ट्रमंडल खेल (जुलाई अगस्त 2026), पैरा एशियाई खेल, एशियाई इंडोर खेल, एशियाई बीच खेल, युवा ओलंपिक, एशियाई युवा खेल और राष्ट्रमंडल युवा खेल पर भी लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा कि नए दिशानिर्देश एक पारदर्शी और न्यायसंगत ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

चयन का आधार एक साल का प्रदर्शन होगा

चयन का आधार पिछले 12 महीने का प्रदर्शन होगा। नई नीति में ओलंपिक या ऐसे अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं हैं जिनमे खिलाड़ी या टीम की भागीदारी संबंधित अंतर्राष्ट्रीय महासंघों द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर होती है। बयान में कहा गया राष्ट्रीय खेल महासंघ ऐसे खिलाड़ी का नामांकन कर सकते हैं जिसने अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा उस खेल की स्पर्धा में पिछले 12 महीने में पिछले एशियाई खेलों में छठे स्थान के प्रदर्शन की बराबरी की हो या उससे बेहतर किया हो। चीन के हांगझोउ में पिछले एशियाई खेलों में जो स्पर्धायें नहीं हुई थी, उनके लिये चयन आगामी एशियाई खेलों से बारह महीने के भीतर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में शीर्ष छह में रहने के आधार पर होगा।